● वर्ष-4
● अंक-13
रायपुर, रविवार
25 अगस्त 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगछध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› भूमि ने बताया कैसे हमारी संस्कृति..

नक्सलवाद से लड़ाई अंतिम चरण में : शाह

मार्च 2026 तक पूरी तरह नक्सल समस्या से मुक्त होगा देश

रायपुर। नक्सलवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई अंतिम चरण में है। हम मार्च 2026 तक देश को पूरी तरह से नक्सल समस्या से मुक्त कर देंगे। अब समय आ गया है कि वामपंथी उग्रवाद की समस्या पर एक मजबूती के साथ रुथलेस रणनीति के साथ अंतिम प्रहार किया जाए। उग्रवाद हमारे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए बड़ा चैलेंज है। ये बातें केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर के मेफेयर लेक रिसोर्ट में नक्सल प्रभावित सात राज्यों की वामपंथी उग्रवाद पर समीक्षा बैठक और अंतर्राज्यीय समन्वय बैठक में कहीं। उन्होंने कहा कि आज की मीटिंग में मेरे साथी नित्यानंद, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम, डीजी और डीआईजी उपस्थित रहे। आज की मीटिंग में छत्तीसगढ़ से जुड़े हुए सभी राज्यों के डीजी और चीफ सेक्रेटरी बुलाए गए थे, क्योंकि हम छत्तीसगढ़ की नक्सल समस्या को एड्रेस करते हुए पड़ोसी राज्यों का इको सिस्टम भी मजबूत होना जरूरी है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में इन्फ्रास्ट्रक्चर की प्रगति और उसकी समस्याओं को दूर करने के संबंध में यह मीटिंग थी।

केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का 100% क्रियान्वयन

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिलों में केंद्र और राज्य सरकार की सभी योजनाओं का 100% क्रियान्वयन हो रहा है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में इंफ्रास्ट्रक्चर के जो प्रोजेक्ट हैं उनकी प्रगति और प्रगति के रास्ते में जो बाधायें आ रही हैं, उसे दूर करने के लिए यह बैठक थी और कल यानी रविवार को भी होगी।

सुरक्षा बलों और नागरिकों की मृत्यु में कमी आई

उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों की मृत्यु में 73% और नागरिकों की मृत्यु में 69% की कमी आई है। साल 2004 से 2014 तक 16 हजार 463 घटनाएं हुईं। साल 2014 से 2024 तक 7 हजार 744 घटनाएं हुईं। इनमें 53 प्रतिशत घटनाओं में कमी आई है। इसमें नागरिकों और सुरक्षा बलो की मृत्यु में पहले 10 साल में 6 हजार 617 सुरक्षाकर्मियों और नागरिक की मृत्यु हुई थी अब इसमें 70 फीसदी कमी आई है।

शाह की नक्सलियों से हथियार छोड़ने की अपील

उन्होंने अपील करते हुए कहा कि जो वामपंथी उग्रवाद में लिप्त या जुड़े हो, सभी युवाओं से अपील है कि भारत सरकार इस क्षेत्र के विकास, आपके विकास, आपके परिवार के विकास के लिए कटीबद्ध है। नक्सल की नई पॉलिसी को अच्छा प्रतिसाद दीजिए। हथियार छोड़िए और पीएम मोदी के नेतृत्व में जो विकास का रथ चल रहा है। एक नए युग का जो आगाज हो रहा है, उसे मजबूती दें। हम उम्मीद करते हैं कि हमने जो रास्ता अख्तियार किया है, उसके मुताबिक पूरे छत्तीसगढ़ और पूरे देश को नक्सलवाद की समस्या से मुक्त कर देंगे।

जो नक्सल का साथ नहीं छोड़ेंगे तो होगी कार्रवाई

शाह ने कहा कि हम सिर्फ कार्रवाई में विश्वास नहीं करते, छत्तीसगढ़ सरकार ने ढेर सारे सांस्कृतिक रूप से कार्यक्रम बनाएं जो नक्सली समस्या से इस सेंटर कितना नुकसान हुआ है और भारत सरकार छत्तीसगढ़ के विकास के कामों को पहुंचा सकती है जो नए युग के साथ नहीं जुड़ते हैं उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। जॉइंट टास्क फोर्स बनाई गई है। सूचना के आदान-प्रदान का खाता भी मजबूत हुआ है। भारत सरकार की एजेंसी सभी राज्यों से मिलकर कोआर्डिनेशन के रूप में काम कर रही है। जॉइन ऑपरेशन के अच्छे परिणाम मिल रहे हैं, जो लोग सरेंडर होना चाहते हैं, हम उन्हें मौका देना चाहते हैं। सबसे बड़ा आंकड़ा सरेंडर होने का है। उसके बाद गिरफ्तारी फिर मृत्यु का है। ये आंकड़े ही बताते हैं कि सरकार की प्राथमिकात क्या है। मार्च 2026 तक नक्सलियों के खात्मे के एक सवाल पर कहा कि पिछले पांच साल तक नक्सलवाद को खत्म करने के लिए बेहतर काम हुआ है। कांग्रेस की सरकार में नक्सल मूवमेंट को दबा दिया था। अब सारे अभियानों में तेजी आई है। नक्सली काउंटर भी ज्यादा ज्यादा हो रहे हैं और सजा भी ज्यादा हो रही है। छत्तीसगढ़ सरकार हर मोर्चे पर बेहतर काम कर रही है। न केवल नक्सल ऑपरेशन बल्कि विकास कार्यों में भी तेजी आई है।

छत्तीसगढ़ सरकार की तारीफ

केंद्रीय गृहमंत्री ने प्रदेश सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार के उठाए गए कदमों के कारण पिछले 7 महीनों में राज्य सरकार ने इससे पहले अब तक की इसी अवधि में बहुत बेहतर काम किया है। उन्होंने कहा कि इन 7 महीनों में सबसे अधिक नक्सली मारे गए हैं। सबसे अधिक नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है और गिरफ्तार किए गए हैं। वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ अभियान को और गति देने के लिए सभी पुलिस महानिदेशकों को अपने राज्यों में हर सप्ताह नक्सल ऑपरेशन में लगी टीम के साथ बैठक कर कार्ययोजना बनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही मुख्य सचिवों को हर 15 दिन में एक बार नक्सल अभियान से जुड़े विकास कार्यों की समीक्षा बैठक करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक नक्सल अभियान की सतत निगरानी नहीं होगी तब तक हम अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं कर सकेंगे। संयुक्त फोर्सको हर राज्य में अनुभवी और उपयुक्त बल उपलब्ध हों।

दो महीने के अंदर छत्तीसगढ़ सरकार लॉन्च करेंगी नक्सल पॉलिसी

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने कहा कि पिछले 4 वर्ष में वामपंथी उग्रवाद के कारण करीब-करीब 17 हजार लोगों की जान गई है 70 हजार लोग चाहे वो नक्सल आंदोलन से जुड़े हो या सीएफजीएफ के जवान हो चाहे नागरिक हो 17 हजार लोगों की जान इस समस्या के कारण गई है। जब से केंद्र में बीजेपी की सरकार बनी, इस समस्या को चैलेंज के रूप में स्वीकार किया। जिनके हाथ में हथियार हैं, उन्हें हथियार छुड़ाने का प्रयास करना और नहीं छोड़ते हैं तो उन्हें इंगेज देना है। इस क्षेत्र में जो विकास का अभाव दिखाई देता था। व्यक्तिगत, क्षेत्र और गांव का विकास इन तीन चक्र में पूरे देश को विकास की दिशा में के अनुरूप एक क्रम में लाना है। इसके साथ ही एक नए लुक के साथ नक्सल पॉलिसी को छत्तीसगढ़ सरकार एक-दो महीने में लॉन्च करेगी।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह की मुख्य बातें

- भारत सरकार बस्तर से बीजापुर और दंतेवाड़ा से लेकर धमतरी तक पूरे क्षेत्र के विकास के लिए कटिबद्ध है।
- छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा की तारीख करते हुए कहा कि हिड़मा के गांव में हमारे गृहमंत्री जब आधार कार्ड और आयुष्मान भारत का कार्ड बनवाते हैं तो बहुत संतोष होता है।
- छत्तीसगढ़ सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में नई सरकार आने के बाद मैं मुख्यमंत्री, उप-मुख्यमंत्री और गृहमंत्री जी को को बधाई देता हूं कि उन्होंने बड़ी शिद्दत से दोनों मोर्चों में बहुत अच्छा काम किया है।
- हिंसा के रिपोर्ट करने वाले जिले 2010 में 96 थे। 11 जिले नए बने कुछ इस प्रकार से 107 जिले थे, उससे कम होकर अब 42 तक सिमट गए हैं। थानों की संख्या 456 थी, 100 थाने सृजित हुए तो कुल 556 हुए।
- सुकमा जिले के छह ऐसे गांव हैं जहां पहली बार आदिवासी भाई-बहनों ने मताधिकार का उपयोग किया।
- हिंसा के रिपोर्ट करने वाले जिले 2010 में 96 थे। 11 जिले नए बने कुछ इस प्रकार से 107 जिले थे, उससे कम होकर अब 42 तक सिमट गए हैं। थानों की संख्या 456 थी, 100 थाने सृजित हुए तो कुल 556 हुए।
- जो वामपंथी उग्रवाद के लंबे प्रभाव के कारण निरक्षर रह गए हैं, उन्हें साक्षर बनाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार और भारत सरकार का गृह मंत्रालय अभियान चलाएगा।
- 179 वामपंथी उग्रवादियों को न्यूट्रलाइज करने का काम अगस्त महीने तक हुआ है। 559 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। 540 ने आत्म समर्पण किया है। 46 में स्पेशल फोर्सेज के कैंप स्थापित किए गए हैं। इससे सिक्योरिटी वैक्यूम बहुत बड़ी मात्रा में बढ़ा है।
- प्रधानमंत्री की स्ट्रेटजी के कारण चार दशकों के बाद मध्य प्रदेश के चांदामेटा गांव में पहली बार मताधिकार का प्रयोग हुआ।
- कौशल विकास के लिए 48 आईटीआई खोलने का लक्ष्य रखा था उसमें से 46 खोल दिए गए है।
- 2014 से 2024 तक सबसे कम वामपंथी उग्रवादी की ओर से घटनाएं दर्ज की गई।
- नक्सली क्षेत्र में पहली बार बैंक, एटीएम, पोस्ट ऑफिस का पहुंचना शुरू हुआ है।
- पिछले 10 सालों में 21,400 करोड़ रुपए और 15,300 टेलीफोन टावर लगाने की योजना रखकर इस पूरे क्षेत्र में कनेक्टिविटी के प्रॉब्लम को सॉल्व करने का काम केंद्र सरकार ने किया है।

सरकारी कर्मचारियों के लिए नई स्कीम का एलान

अब एनपीएस की जगह एकीकृत पेंशन योजना

नई दिल्ली। सरकारी कर्मचारियों में पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) की जोर पकड़ती मांग के बीच केंद्र सरकार ने बड़ा एलान किया है। बताया गया है कि सरकार ने नई पेंशन स्कीम (एनपीएस) की जगह अब सरकारी कर्मियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) यानी एकीकृत पेंशन योजना लॉन्च करने का फैसला किया है। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में इसे लेकर सहमति बनी है।

राज्य सरकारों को भी एकीकृत पेंशन योजना चुनने का मिलेगा विकल्प

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शनिवार को एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) को मंजूरी दे दी, जिसका उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों को सुनिश्चित पेंशन, पारिवारिक पेंशन और सुनिश्चित न्यूनतम पेंशन प्रदान करना है। इस बीच, राज्य सरकारों को भी एकीकृत पेंशन योजना चुनने का विकल्प दिया जाएगा। अगर राज्य सरकारें यूपीएस चुनती हैं, तो लाभार्थियों की संख्या करीब 90 लाख हो जाएगी। सरकार के मुताबिक बकाया राशि (एरियर) पर 800 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। पहले साल में सालाना लागत में करीब 6,250 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी होगी। यह योजना 1 अप्रैल, 2025 से प्रभावी होगी। केंद्र सरकार के कर्मचारियों को राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) और यूपीएस में से किसी एक को चुनने का विकल्प दिया जाएगा। मौजूदा केंद्र सरकार के यूपीएस ग्राहकों को यूपीएस में स्विच करने का विकल्प भी दिया जाएगा।

पेंशन स्कीम में संशोधन के लिए मोदी ने अप्रैल 2023 में बनाई थी कमिटी

कैबिनेट के फैसले का एलान करते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि देशभर में सरकारी कर्मचारियों की तरफ से हमेशा मांग आती रही कि एनपीएस स्कीम में सुधार किया जाए। इस सुधार के लिए अप्रैल 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक कमेटी बनाई थी। डॉ सोमनाथन इस कमिटी के चेयरमैन थे। इस कमिटी ने 100 से अधिक सरकारी कर्मचारी संगठनों के साथ बात की। करीब सभी राज्यों के साथ इस कमिटी ने बातचीत की।

एकीकृत पेंशन योजना से जुड़ी खास बातें

- पेंशन की सनिश्चित राशि 25 वर्ष की न्यूनतम सेवा के लिए सेवानिवृत्ति से पहले अंतिम 12 महीनों में प्राप्त औसत मूल वेतन का 50% न्यूनतम पेंशन के रूप में मिलेगा
- 10 वर्ष की सेवा तक कम सेवा के लिए अनुपातिक राशि पेंशन के रूप में मिलेगी
- कर्मचारी की मृत्यु होने की स्थिति में तत्काल 60त्न की दर से पारिवारिक पेंशन सुनिश्चित की जाएगी
- 10 वर्ष की सेवा के बाद सेवानिवृत्ति पर 10000 रुपये प्रति माह की दर से सुनिश्चित न्यूनतम पेंशन राशि मिलेगी
- महंगाई दर के साथ इंडेक्सेशन की सुविधा मिलेगी, सुनिश्चित पेंशन, सुनिश्चित पारिवारिक पेंशन और सुनिश्चित न्यूनतम पेंशन पर महंगाई इंडेक्स के साथ समायोजन की सुविधा मिलेगी
- सेवानिवृत्ति पर ग्रेच्युटी के अलावा एकमुश्त भुगतान का भी लाभ मिलेगा

प्रमुख समाचार

मुझे एक बार मौका दें, फिर दिखाता हूं: राज ठाकरे

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने शनिवार को महिलाओं के खिलाफ अपराधों की निंदा की और महाराष्ट्र में बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति पर चिंता व्यक्त की। ठाकरे ने कहा कि राज्य में अब कानून का डर नहीं है, अगर उन्हें मौका दिया गया तो वह दिखाएंगे कि सरकार कैसे चलाई जाती है। उनकी यह टिप्पणी महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर के एक स्कूल में दो किंडरगार्टन लड़कियों के यौन उत्पीड़न पर जनता के गुस्से के मद्देनजर आई है। बदलापुर में जो हुआ वह भयानक और दुर्भाग्यपूर्ण है। मेरी पार्टी की महिला पदाधिकारियों ने यह मुद्दा उठाया। लेकिन महाराष्ट्र में महिलाओं पर अत्याचार की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं. राज ठाकरे ने नागपुर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, बलात्कार से लेकर दहेज और छेड़छाड़ तक की घटनाएं साल दर साल बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि 2023 में महाराष्ट्र में पुलिस के पास 7,000 से अधिक बलात्कार के मामले दर्ज किए गए। दर्ज न होने वाले मामले इससे कहीं अधिक हैं। बीड, सांगली में महिला गन्ना श्रमिकों के गर्भाशय निकालने के मामले बड़े पैमाने पर देखे जा रहे हैं.

संविधान बचाना हमारा लक्ष्य: राहुल गांधी

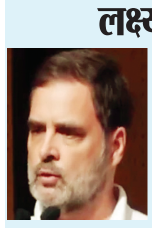

प्रयागराज। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली सांसद राहुल गांधी आज प्रयागराज दौरे पर हैं। इस दौरान वह संविधान का सम्मान और उसकी रक्षा कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने दावा किया कि संविधान को बचाना ही हमारा लक्ष्य है। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा कि 90% लोग सिस्टम का हिस्सा नहीं हैं। उनके पास आवश्यक कौशल, प्रतिभा है लेकिन वे सिस्टम से जुड़े नहीं हैं। इसलिए हम जातीय जनगणना की मांग कर रहे हैं। भाजपा नेता कह रहे हैं कि जाति जनगणना के बाद ओबीसी वर्ग दिया जाएगा। राहुल ने कहा कि हम विभिन्न समुदायों की सूची चाहते हैं। हमारे लिए जाति जनगणना सिर्फ जनगणना नहीं है, यह नीति निर्माण की बुनियाद है। उन्होंने यहा भी कहा कि सिर्फ जाति जनगणना कराना ही काफी नहीं है, धन का वितरण कैसे हो रहा है, यह समझना भी जरूरी है... यह पता लगाना भी जरूरी है नौकरशाही, न्यायपालिका, मीडिया में ओबीसी, दलितों, श्रमिकों की भागीदारी कितनी है? उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले मैं रायबरेली गया था। वहां मुझे मोची की दुकान दिखी, इसलिए मैं वहां बैठ गया। मैं समझना चाहता था कि आखिर वो कैसे काम करते हैं।

असम गैंगरेप में आरोपी की मौत पर टीएमसी का बड़ा आरोप

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस ने बलात्कार के एक आरोपी की हिरासत में मौत को लेकर शनिवार को असम की भाजपा सरकार पर हमला बोला और सवाल किया कि क्या यह उच्च अधिकारियों के नामों को छुपाने का प्रयास है। टीएमसी प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि ऐसे भी आरोप हैं कि असम के ढिंग में 14 साल की लड़की से सामूहिक बलात्कार के मुख्य आरोपी तफज़ुल इस्लाम के राजनीतिक संबंध हैं। अपराधियों को राजनीतिक समर्थन देने का आरोप है। तभी वह तालाब में गिर गया और पुलिस द्वारा जांच के लिए घटनास्थल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। कथित तौर पर, यह बाकी नामों और उच्च अधिकारियों की पहचान छुपाने का एक ऑपरेशन था। क्या सभी शिकायतों की जांच होगी और न्याय मिलेगा? टीएमसी का हमला ऐसे समय में आया है जब पार्टी कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ जघन्य बलात्कार और हत्या को लेकर बैकफुट पर है। बीजेपी ने बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी को घेरने की कोशिश की है और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का इस्तीफा मांगा है। शुक्रवार को सीमा पार इसी तरह के एक मामले से आक्रोश फैल गया।

भारत में घुसने की कोशिश में बांग्लादेशी हिंदू: हिमंत बिस्वा

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को दावा किया कि शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से हटने के बाद पड़ोसी देश के राजनीतिक संकट में फंसने के बाद हिंदुओं ने बांग्लादेश से भारत में प्रवेश करने की कोशिश नहीं की है। सरमा ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू रह रहे हैं और लड़ रहे हैं। पिछले एक महीने में एक भी हिंदू व्यक्ति को भारत में प्रवेश करने की कोशिश करते हुए नहीं पकड़ा गया है। उन्होंने यह भी कहा कि पड़ोसी देश के मुसलमान भारत के कपड़ा क्षेत्र में रोजगार की तलाश में आने का प्रयास कर रहे हैं। सीएम ने दावा किया कि पिछले एक महीने में 35 मुस्लिम घुसपैठियों को गिरफ्तार किया गया है... वे प्रवेश करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जो लोग आ रहे हैं वे असम के लिए नहीं, बल्कि कपड़ा उद्योग में काम करने के लिए बेंगलुरु, तमिलनाडु, कोयंबटूर जाने के लिए आ रहे हैं। सरमा ने कहा कि हमने अपने प्रधान मंत्री से बांग्लादेश सरकार पर हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दबाव डालने का अनुरोध किया है। 5 अगस्त को, सबसे लंबे समय तक प्रधान मंत्री रहीं शेख हसीना को इस्तीफा देने और बांग्लादेश से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा।

भाजपा धर्म के नाम पर समाज में जहर फैला रही है: सोरेन

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भाजपा पर धर्म, जाति, लव जिहाद और बाढ़ जेहाद के बहाने समाज में जहर फैलाने का आरोप लगाया। सोरेन ने यह भी दावा किया कि अनुसूचित जनजाति (एसटी), अनुसूचित जाति (एससी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण को कमजोर करने की साजिश चल रही है। मुख्यमंत्री ने हजारीबाग में एक सरकारी समारोह को संबोधित करते हुए ये टिप्पणियां कीं, जहां उन्होंने झारखंड मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना (जेएमएमएसवाई) के तहत महिला लाभार्थियों के खातों में 1-1 हजार रुपये की पहली किस्त हस्तांतरित की। इस अवसर पर सात जिलों हजारीबाग, धनबाद, बोकारो, गिरिडीह, कोडरमा, रामगढ़ और चतराके 13.94 लाख लाभार्थियों के खातों में कुल 139.40 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए। सोरेन ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा, भाजपा असम, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश से नेताओं को लेकर आती है, क्योंकि यहां के उसके नेता सक्षम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि ये नेता हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, अगड़े-पिछड़े के नाम पर समाज में जहर फैला रहे हैं।

बनारस की सरजमीं में मोदी नहीं, पर हवा में जरूर हैं...

बरुण सखाजी

काशी भारत की धार्मिक आत्मा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीतिक थाती। बतौर प्राइम मिनिस्टर मोदी ने अपना बास्ता उत्तरप्रदेश से जोड़े रखा है। वे यहां से तीसरी बार सांसद हैं। मुख्यमंत्री के रूप में जिस तरह से उनका जुड़ाव मणिनगर, बड़नगर से रहा वैसे ही पीएम के रूप में वे उत्तर भारत के इस क्षेत्र से संबद्ध हैं। देश, दुनिया में बड़े नेता बनकर उभर रहे मोदी 2024 में इस क्षेत्र से सीमित मतों से जीते हैं। 2029 में या जब भी अगले लोकसभा चुनाव होंगे तो कह नहीं सकते वे यहां से लड़ेंगे या नहीं।

यह चर्चा आम है। बनारस में मोदी की महिमा घटती और गिरती दिखाई दे रही है। यूं तो बनारस रसीले और मधुर संवाद वाले लोगों का शहर है। गंगा की निश्छल रवानी का शहर है। बात के धनी लोगों का शहर है। आपस में मृदुता का शहर है। लेकिन इन सबके साथ यह उत्तरप्रदेश का शहर भी है। ब्राह्मणों के मंदिरों के जरिए डोमिनेंस का शहर भी है। अगर किसी पैमाने पर बनारस शांत, सरल, मीठा है तो कुछ पैमानों पर कटु, कुटिल भी। किसी शहर को किसी एक शब्द से बांधना ठीक नहीं, इसलिए मैंने यहां इसे समझने के लिए होरीजेंटल डेफिनेशन का इस्तेमाल किया है।

बनारस का रस थोड़ा फीका है। प्रयागराज एयरपोर्ट पर जो टैक्सी वाला लेने पहुंचा वह बनारस का ही था। उसके मन में मोदी को लेकर सम्मान तो है, लेकिन अपनापन नहीं। आत्मीयता नहीं। वह काम-धाम पर कहता है, काम तो बहुत किए हैं और करवाए हैं, लेकिन उनसे मिलने का कोई सात जन्म ले ले तो संभव नहीं। हम वोट दिए थे कि मोदी मिलेंगे भी कभी। उनके लोग मिलते हैं और काम भी होते हैं, लेकिन हमे मोदी से मिलना था। मेरा प्रतिप्रश्न था, तो मिलकर क्या करना है, आपका पर्सनल काम हो रहा है आपके शहर में डेवलपमेंट हो रहा है, मंदिरों का मान बढ़ रहा है और क्या चाहिए आपको? थोड़ा असहज होते हुए ड्रायवर कहता है, नहीं चाहिए तो कुछ नहीं, लेकिन गांव-वांव जाते हैं तो मोदिया के साथ कोनो फोटो होता तो अच्छा लगता।

बनारस के धर्मसंघ के गेट पर एक बुजुर्ग बैठे थे। वे भी मोदी से बहुत खुश नहीं। गेट कीपिंग का काम करते हैं। बोले, इस बार जीत गए मोदी, अगली बार मुश्किल है। धर्म के लिए तो किए हैं, हम यह नहीं कह रहे कि कुछ किए नहीं, लेकिन बनारस है यह कोई बंबई नहीं जहां कांच की बिल्डिंगें बना दीजिए और जीत जाइए। यहां अस्सी घाट पर छलांग लगाए नेता, काशी विश्वनाथ में लाइन लगाए। मोदी आते हैं तो आधा शहर बंद कर देते हैं। अबकी नहीं जीत पाएंगे, चाहे कुछ्छो कर लेयं।

धर्मसंघ से अस्सी घाट की ओर जाने के लिए। ऑटो वाला, बेरोजगारी बढ़ाए हैं मोदी और क्या किए हैं। हमऊ देख लेओ अब, पहिलए अच्छे खासे एकाउंटेंट थे, अब धक्का रहे हैं ऑटो। मैंने पूछा कितना कमाते हो, जवाब मिला अरे कुछ्छो नहीं, 20 हजार मुश्किल से। फिर मैंने पूछा, एकाउंटेंटी में कितना कमाते थे, जवाब आया, 12 हजार तनख्वाह थी। अब तो फैमिली चलाना मुश्किल हो रहा है। मेरा आश्चर्य से मिश्रित प्रश्न था, 20 हजार तो 12 हजार से ज्यादा होते हैं, फिर ऐसा क्यों? जवाब, पहिले भैया पेट्रोल भी तो आधा ही था। तो 12 भी 32 के बराबर थे। बहुते बेरोजगारी फैला दिए हैं। अब क्या जीतेंगे मोदी। मेरा सवाल था, तो योगी ने कुछ नहीं किया। जवाब आया, योगी ने किया बहुत किया। मियों को तान के रखा है। बहुते गरम हो रहे थे। इन्हें ठंडा जरूर कर दिए। हिंदुओं की बहन, बेटियों को सरेआम छेड़ते थे। अब कोई आंख उठाकर दिखाए। मैंने पूछा, तब योगी ने तो आपके हिसाब से ठीक कर दिया, जवाब मिला, हां तो कर दिया तो यह तो करना ही था। सरकार का क्या यही एक काम है। बाकी कौन करेगा, रोजगार भैया रोजगार। मैंने कहा, आप कमा तो रहे हैं, कम या ज्यादा अलग बात है। जवाब आया, कम या ज्यादा क्या होता है। आप साहब बने घूमें हम ऑटो चलाएं। वाह।

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर में साइकल रिक्शा पर। क्या भाई, कैसा है यहां का राजनीतिक माहौल। रिक्शापुलर चुप रहता है। फिर मैंने सवाल किया, कुछ बोल नहीं रहे भाई। जवाब आया, का बोलें भैया। सब ठीके समझो। जहां आप चल रहे हैं न यहीं हजारों लोगों के घर थे। रास्ता चौड़ा करके मंदिर तो ठीक कर दिया, लेकिन घर उजाड़ डाले।

अस्सी घाट पर आर्टिस्ट मिला। ठीक है सर, सब अच्छा है। मेरा सवाल था, मोदी जी ने काम किया है। जवाब मिला, हां किया है। आप जहां खड़े हो यहां देखो, कोई यकीन नहीं कर पाएगा यह काशी का अस्सी है। दुनियाभर से लोग आते थे और बनारस का नाम था। फिल्मे कहती थी बनारस में ठग रहते हैं। बनारस में धार्मिक लुटेरे हैं। अब देखो यहां कितना अच्छा सिस्टम है। आप देख ही रहे हो, क्या आपका जेब किसी ने कतरा। लगी है पुलिस चारों तरफ। मोदी से चिढ़ते हैं लोग तो कुछ भी बोलते रहते हैं।

बनारस में मोदी का अच्छा प्रबंधन है। काम धड़ाधड़ हो रहे हैं। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर में स्पेस नजर आता है। खानपान से लेकर पूजा-पाठ की सामग्री का बड़ा बाजार है। मोदी सब अच्छा कर रहे हैं, लेकिन बनारस को रास नहीं आ रहे। कारण जो भी जिसको लगे, मुझे तो सिर्फ यही लग रहा है कि यूपी का आदमी ज्यादा राजनीतिक रूप से जागरूक है। इस कारण वह किसी महामूर्ति को लंबे समय नहीं ढो सकता। वह मूर्तिभंजक है। कुल जमा दिख रहा है बनारस मोदी के लिए अब सुरक्षित सीट नहीं है। 2014 में गंगा ने बुलाया था, तो 15 साल निभा भी दिया।

5-5 लाख के इनामी नक्सली दंपत्ति ने किया आत्मसमर्पण

पुलिस को बड़ी सफलता, माओवादी जीवन से तंग आकर छोड़ा हिंसा का रास्ता

धमतरी। माओवादी उन्मूलन अभियान के तहत धमतरी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। 5-5 लाख के इनामी नक्सली दंपत्ति ने सरेंडर किया है। ये दोनों नक्सली लंबे समय से हिंसक गतिविधियों में शामिल थे। नक्सली दंपत्ति ने माओवादियों की क्रूर विचारधारा और जीवनशैली से तंग आकर छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर उन्होंने हिंसा का रास्ता छोड़ कर आत्मसमर्पण किया। दो इनामी नक्सली नगरी एरिया कमेटी/गोबरा एलोएस के सदस्य टिकेश और सीता नदी एरिया कमेटी/एसीएम सदस्य प्रमिला ने आत्मसमर्पण किया है।

दोनों माओवादी हत्या, हत्या का प्रयास, मुठभेड़ आईईडी लगाने समेत कई घटनाओं में शामिल रहे हैं। दोनों ने छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास और आत्मसर्पण नीति से प्रभावित होकर धमतरी पुलिस अधीक्षक आंजनेय वार्ष्णेय और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार नायक के समक्ष दोनों नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया।

टिकेश उर्फ टिकेश्वर वट्टी (38 वर्ष) एकावारी गांव निवासी नगरी एरिया कमेटी/गोबरा एलओएस का सदस्य रहा है और उसके खिलाफ 32 गंभीर अपराध दर्ज हैं। धमतरी, गरियाबंद और कांकेर जिलों में हत्या, हत्या का प्रयास, मुठभेड़, और आईईडी लगाने जैसी घटनाओं में उसकी संलिप्तता रही है। वह 2009 में सीतानदी एरिया कमेटी में शामिल हुआ और 2010 में गोबरा एलओएस का सदस्य बन गया। टिकेश ने कई बड़ी घटनाओं को अंजाम दिया है, जिनमें पुलिस-नक्सली मुठभेड़, एसटीएफ टीम पर हमले, और ग्रामीणों की हत्या जैसी वारदातें शामिल हैं।

प्रमिला उर्फ गणेशी नेताम (32 वर्ष) गोना गांव निवासी सीता नदी एरिया कमेटी की एसीएम सदस्य थी और उसके खिलाफ 14 मामले दर्ज हैं। उसने 2009 में संघम सदस्य के रूप में माओवादी संगठन में प्रवेश किया था। प्रमिला ने भी कई हिंसक घटनाओं में भाग लिया है, जिनमें पुलिस-नक्सली मुठभेड़, सड़कों पर अवरोध उत्पन्न करना, और मुखबिर के शक में ग्रामीणों की हत्या जैसी घटनाएं शामिल हैं।

नक्सलियों ने मुखबिरी का आरोप लगाकर एक ग्रामीण की हत्या की

बीजापुर। बस्तर संभाग में सुरक्षाबलों के द्वारा चलाये जा रहे सफल नक्सल उन्मूलन अभियान से बौखलाए नक्सलियों ने जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पुसनार के गायतापारा (थाना से 10 किमी पूर्व दिशा) में एक ग्रामीण लांचा पूनेम उम्र 60 वर्ष की 23-24 अगस्त की दरम्यानी रात्रि में धारदार हथियार से हत्या कर दी है। नक्सलियों ने हत्या के बाद एक पर्चा भी फेंका, जिसमें आरोप लगाया गया है कि ग्रामीण लांचा पूनेम को जनअदालत में बार-बार समझाया गया था, कि वह पुलिस की मुखबिरी न करे, बावजूद इसके ग्रामीण ने लगातार पुलिस को सूचनाएं दीं, जिसके चलते उसे मौत की सजा दी गई है। इस हत्या की जिम्मेदारी नक्सलियों की गंगालूर एरिया कमेटी ने लेते हुए शव के पास फेंके गये पर्चे में नक्सलियों ने अपने निर्णय का औचित्य बताते हुए ग्रामीण की हत्या को सही ठहराया है। घटना के बाद से पूसनार गांव और आस-पास के क्षेत्रों में भय व्याप्त है। गंगालूर थाना की पुलिस मामले की जांच कर रही है। गंगालूर थाना प्रभारी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि वारदात के बाद नक्सली फरार हो गए। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। जांच जारी है, पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

मछली पालना पड़ा महंगा, सामाजिक बहिष्कार का झेला दंश

महिला आयोग ने जनसुनवाई में दिए ये निर्देश

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग ने जगदलपुर में 37 मामलों की सुनवाई की। महिला आयोग की अध्यक्ष किरणमयी नायक ने बताया कि %%सातवीं बार बस्तर पहुंचे। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की 271वें नंबर की जनसुनवाई हुई। कुल 38 प्रकरण में 27 नस्तीबद्ध हुए। 4 केस रायपुर ट्रांसफर किया गया। 4 प्रकरण को जांच और रिपोर्ट के लिए दिया गया है। वहीं 4 मामलों में दोनों पक्ष से कोई नहीं पहुंचा।

छत्तीसगढ़ महिला आयोग अध्यक्ष किरणमयी नायक ने बताया कि जगदलपुर शहर से 12 किलोमीटर दूर करंजी गांव में एक महिला समूह के सामाजिक बहिष्कार के मामले में भी सुनवाई हुई। महिला आयोग ने अपना फैसला महिला समूह के पक्ष में सुनाया है। थाना प्रभारी और एसडीओपी को जिम्मेदारी दी गई है। वहां जा कर उनका सामाजिक बहिष्कार समाप्त कराएंगे। किरणमयी नायक ने कहा महिला समूह द्वारा तालाब में पाली गई मछलियों को भी मारा गया था। इस मामले में 60 हजार रूपए हर्जाना भी महिला समूह को आयोग ने दिलाया है।

करीब 2-3 साल पहले महिला स्वसहायता समूह की सदस्यों ने करंजी के गांव तरई के तालाब में मछली पालन शुरू किया। गांव के लोग इस ठेके से नाराज हो गए। नाराज ग्रामीण तालाब से मछली पकड़कर ले गए। महिला स्वसहायता समूह ने महिला आयोग से शिकायत की तो गांव वालों ने सामाजिक बहिष्कार किया और समूह की महिलाओं को 60 हजार रुपए अर्थदंड मांगा। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग ने दोनों पक्षों को समझाइश दिया। 28 अगस्त 2024 को संरक्षण अधिकारी, पुलिस निरीक्षक माधुरी नायक और उनकी टीम गांव में जाकर सामाजिक बहिष्कार खत्म कराएगी। इस दौरान गांव के सभी लोग मौजूद रहेंगे। छत्तीसगढ़ महिला आयोग अध्यक्ष किरणमई नायक ने बताया कि %%एक मामले में एक महिला आदतन शिकायतबाज थी। गांव के हर पुरुष के खिलाफ कोई न कोई आवेदन देती रहती थी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि महिला की शिकायत में जांच हुई है। जिसमें पाया गया है कि महिला झूठी शिकायत की आदी है। उसके प्रकरण को नस्तीबद्ध किया गया।

एटीएम में डकैती से पहले 11 आदतन व शातिर आरोपी पिस्टल व देशी कट्टा के साथ गिरफ्तार

बिलासपुर। नेहरु चौक एटीएम में डकैती करने की योजना बनाने से पहले मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर एसीसीयू बिलासपुर (सायबर सेल) व थाना सिविल लाईन की टीम ने 11 आदतन व शातिर आरोपियों को पिस्टल, देशी कट्टा व अन्य हथियारों के साथ गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से पुलिस ने 1 नग पिस्टल, 2 नग मैगजीन, 10 नग जिंदा कारतूस, 6 नग देशी कट्टा, 1 नग तलवार, 1 नग चाकू, 2 नग फरसा, 1 मारुति वेगनआर कार एवं 7 नग मोबाईल जप्त किए।

गिरफ्तार आरोपियों में स्वराज कुर्रे उर्फ कांदा पिता छब्बू कुर्रे जरहाभाठा, राज उर्फ बड़े सिदार पिता वासुदेव जरहाभाठा, मनोज कोशले उर्फ महाराज कोशले पिता भुखउ कौशले जरहाभाठा, दिलीप बंजारे पिता कृष्णा बंजारे जरहाभाठा, विकास उर्फ विक्की बंजारे पिता कृष्णा बंजारे जरहाभाठा, सुभाष कुर्रे उर्फ उडिया पिता छब्बू कुर्रे जरहाभाठा,

रितेश उर्फ चिन्टू अग्रवाल पिता घनश्याम, अश्वनी रात्रे उर्फ राजा पिता सतीश रात्रे जरहाभाठा, विजय कुमार तौमर पिता बुधसिंह तौमर सतना मध्यप्रदेश, मोनू उर्फ पृथ्वी राज ठाकुर पिता प्रमोद सिंह नया बस स्टैण्ड तिफरा तथा सुमित जायसवाल उर्फ भोलू पिता मुन्ना जायसवाल जबड़ापारा सरकण्डा शामिल है।

23 अगस्त को मुखबीर से सूचना मिली कि मिनीबस्ती जरहाभाठा निवासी स्वराज कुर्रे व अन्य जतिया तालाब सुलभ के पास पिस्टल देशी कट्टा एवं धारदार हथियार के साथ किसी गंभीर घटना को अंजाम देने के लिए बैठे हुए है। पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह (भा.पु.से.) के निर्देश पर एसीसीयू टीम एवं थाना सिविल लाईन की संयुक्त ने वहां घेरेबंदी करते हुए दबिश दी लेकिन पुलिस को देखकर वे भागने लगे। भागने से पहले पुलिस ने सभी आरोपियों को दौड़ाकर पकड़ लिया। पूछताछ में स्वराज कुर्रे ने पुलिस को बताया कि पिस्टल एवं कारतूस को धीरेन्द्र सिंह तोमर निवासी अवधपुरी भोपाल म0प्र0 से खरीदा था और उसे अपने ससुराल में छिपाकर रखा था। अन्य आरोपी मोनू उर्फ पृथ्वी राज ठाकुर, भोलू उर्फ सुमित जायसवाल व विजय कुमार तोमर से पूछताछ पर उनके द्वारा भी धीरेन्द्र सिंह तोमर से हथियार खरीदना बताया स्वराज कुर्रे अपने अन्य साथी राज उर्फ बड़े सिदार, मनोज कोसले, दिलीप बंजारे, विकास उर्फ विक्की बंजारे, सुभाष कुर्रे, रितेश उर्फ चिटू अग्रवाल, अश्वनी उर्फ राजा रात्रे के साथ मिलकर नेहरु चौक एटीएम में डकैती करने की योजना बनाने के लिए वे तालाब के किनारे बैठे हुए थे।

झोलाछाप डॉक्टरों पर बड़ी कार्रवाई

स्वास्थ्य विभाग ने 25 क्लीनिक किये सील, दवाइयां भी जब्त

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में झोलाछाप डॉक्टरों पर लगातार कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में स्वास्थ्य विभाग ने बिलासपुर जिले में झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। जिले के चार ब्लॉकों में 25 झोलाछाप डॉक्टरों की क्लीनिक को सील किया गया है, साथ ही उनकी दवाइयां भी जब्त कर ली गई है। जिले में मलेरिया और डायरिया का प्रकोप फैलने के बाद स्वास्थ्य विभाग कार्रवाई में जुटा है।

झोलाछाप डाक्टरों के खिलाफ बिलासपुर जिले के चार ब्लाक में कार्रवाई की गई। दो दिन में 25 झोलाछाप डाक्टरों की क्लीनिक को सील कर दवाइयां जब्त की गई है। इससे पहले 65 क्लीनिक सील किए जा चुके हैं। कोटा, मस्तूरी, बेलतरा और बिल्हा ब्लाक में झोलाछाप डाक्टरों के क्लीनिक पर कार्रवाई हुई है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अब तक 90 क्लीनिक सील किया है।

बता दें कि बिलासपुर जिले के चारों ब्लाक को मिलाकर बीएमओ (ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर) ने 165 झोलाछाप डॉक्टरों की सूची तैयार कर स्वास्थ्य विभाग को सौंपी है। जिसके आधार पर यह कार्रवाई की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग ने झोलाछाप डॉक्टरों को लेकर और भी जानकारियां मंगाई है। जिस पर लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

4 लाख से अधिक के नशीली सामग्री के साथ 5 गिरफ्तार

जगदलपुर। जिले के थाना बोधघाट एवं कोतवाली पुलिस की संयुक्त कार्यवाही में नशीली सामग्रियों की भंडारण तथा बिक्री करने की सूचना पर कार्यवाही करते हुए 5 आरोपियों गोपाल नाग, मदनी, दवेश, संतोष कुंवर, शिमाचल मोल के कब्जे से बड़ी मात्रा में नशा में उपयोग होने वाली तथा नशे के रूप उपयोग की जाने वाली नशीली वस्तु का बाजार मूल्य 4 लाख 9,875 रूपये आंकी गई है, उक्त नशीली सामग्री जप्त कर कार्यवाही किया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शहर के कुछ दुकानदारों द्वारा नशा में उपयोग होने वाले तथा नशे के रूप में उपयोग की जाने वाली विभिन्न सामग्रियों की भंडारण तथा बिक्री करने की सूचना मिली थी, जिस पर कार्यवाही हेतु पुलिस की टीम रवाना किया गया था। उक्त टीम के द्वारा बस स्टैंड के पान ठेलों गोपाल नाग पिता पीलू राम, मदनी पति मोह. चिदराधी, दवेश पिता धर्मेंद्र, संतोष कुंवर पिता राम कुंवर तथा शिमाचल मोल पिता उदयनाथ मोल के दुकान के साथ शहर के अन्य दुकानदारों के विरुद्ध छापामार कर कार्यवाही करते हुए युवाओं द्वारा गांजा पीने में उपयोग होने वाले अलग-अलग तरह के पेपर रोल, प्रतिबंधित सिगरेट, प्रतिबंधित अन्य नशीली चीजों को दुकानदारों के कब्जे से बरामद किया गया। बस्तर पुलिस ने अपील करते हुए कहा है कि ऐसी कोई भी वस्तु को बिना सोचे समझे बिक्री नही करें, जिससे नशा कराने वालों तथा नशा करने वालों को प्रोत्साहन मिले, आइए हम सब मिलकर नशा के विरुद्ध एक प्रभावी लड़ाई लड़ें।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

स्वाइन फ्लू और डेंगू तेजी से पैर पसार रहा

बालोद/दल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू और डेंगू तेजी से पैर पसार रहा है। ताजा मामला बालोद जिले के दल्लीराजहरा नगर के वार्ड 4 की रहने वाली 66 वर्षीय महिला में स्वाइन फ्लू के लक्षण मिले हैं। महिला की स्वाइन फ्लू की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। मरीज का इलाज एम्स में जारी है। इधर, जिले के स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। स्वाइन फ्लू के अलावा, दल्लीराजहरा में 15 से अधिक डेंगू के मामले भी सामने आए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने तुरंत कार्रवाई करते हुए घर-घर जाकर जांच अभियान शुरू किया है और दवाइयों का छिड़काव भी किया जा रहा है। स्वाइन फ्लू पीड़ित के घर और आसपास के लोगों का भी टेस्ट किया जा रहा है। ब्लॉक स्वास्थ्य अधिकारी ने इन मामलों की पुष्टि की है और कहा है कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सभी आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम दिन-रात काम कर रही है ताकि बीमारी के प्रसार को नियंत्रित किया जा सके और जनता को सुरक्षित रखा जा सके।

बालोद में सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट की शिकायत

बालोद। सर्व हिंदू समाज ने सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट को लेकर सिटी कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। सर्व हिंदू समाज के लोगों का मानना है कि ऐसे पोस्ट करने वाले लोगों को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। सर्व हिंदू समाज ने मांग किया है कि युवक को बुलाकर थाने में माफी मांगी जाए और मंदिर के सामने जाकर भी माफी मांगी जाए। शरद ठाकुर ने कहा धर्म चाहे कोई भी हो धार्मिक भावनाएं आहत करने से लोगों को बचना चाहिए। एसडीओपी देवांश सिंह राठौर ने बताया कि शुक्रवार को भी एक विशेष समुदाय के लोगों ने शिकायत की थी। शनिवार को भी एक समाज के लोगों ने सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट की शिकायत की है। लगातार पुलिस नजर बनाए हुए है। एसडीओपी देवांश सिंह राठौर ने कहा कि लोगों से भी अपील की जा रही है कि व्हाट्सएप ग्रुप पर किसी भी चीज को फार्वर्ड करने से पहले, अपनी व्यक्तिगत राय देने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि इससे किसी की धार्मिक भावनाएं आहत न हो। इसके बाद ही किसी चीज को पोस्ट करें या फार्वर्ड करें।

रेडक्रॉस सोसायटी ने किया हीरालाल का सम्मान

एमसीबी। शनिवार को संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रेडक्रॉस के पदाधिकारी श्री एम. के. राउत, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनरल सेक्रेटरी श्री अशोक कुमार अग्रवाल, जिला शाखा अध्यक्ष कलेक्टर डी. राहुल वेंकट, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे, जिला शाखा नोडल श्री सौमेन्द्र मंडल द्वारा की गई। इस अवसर पर भी भृत्य हीरालाल को उनकी असाधारण सेवा और समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। हीरालाल ने अपने कार्यस्थल से सेवानिवृत (भृत्य) नगर पालिका मनेन्द्रगढ़ द्वारा 15 दिसंबर 2023 को अपनी स्वेच्छा से राशि 5 लाख 75 हजार रूपये रेडक्रास सोसायटी मनेन्द्रगढ़ को अनुदान प्रदान किया। साथ ही 25 हजार रूपये दे कर रेडक्रास की स्थायी सदस्यता प्राप्त किया। जिससे वह सभी के लिए एक प्रेरणा बन गए हैं। श्री हीरालाल द्वारा उपरोक्त राशि पूर्णत: अपनी स्वेच्छा से रेडक्रास सोसायटी मनेन्द्रगढ़ को प्रदान की गई है।

जनकपुर के वनांचल में गजराज का तांडव

मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। जनकपुर के वनांचल नारायणपुर के ग्रामीण हाथियों की वजह से दहशत में हैं। 11 हाथियों के दल ने गांव में घुसकर उत्पात मचाया है। हाथियों ने कई किसानों के घरों को नुकसान पहुंचाया है। हाथियों ने घरों की दीवारें तोड़ दीं और सामान को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। हाथियों के दल ने किसानों की खेतों में खड़ी धान की फसल को भी बर्बाद कर दिया है। किसानों की महीनों की मेहनत को चंद घंटों में हाथियों ने तहस नहस कर दिया। फसल खराब होने से किसानों को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ा है। हाथियों के दल के उत्पात की जानकारी वनविभाग की टीम को मिली। यह टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाइश दी। पार्क रेंजर राजाराम ने कहा स्थिति को काबू में करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। गांव वालों को हाथियों से सुरक्षित रहने के उपाय बताए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों से संयम बरतने की अपील की गई है और उन्हें समझाइश दी जा रही है कि हाथियों को छेड़ने से बचें और उनके रास्ते से दूर रहें।

चलती ट्रेन में चढ़ते समय रेलवे स्टेशन में गिरी महिला

गोंदिया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन के गोंदिया रेलवे स्टेशन से शनिवार को भी एक महिला यात्री के ट्रेन में चढ़ने का प्रयास करते समय गिर गई, हालांकि महिला के गिरने का आभास आरपीएफ के जवान को पहले ही हो गया था और महिला के गिरने से पहले ही स्टॉफ ने दौड़ लगा दी थी और ठीक समय पर महिला यात्री की जान जवान ने बचा ली। बता दें कि एक दिन पहले भी गोंदिया रेलवे स्टेशन पर एक यात्री के गिरने का वीडियो सामने आया था, जिसमें महिला आरपीएफ जवान समेत दो अन्य स्टॉफ ने बचाया था। जानकारी के मुताबिक 24 अगस्त को गोंदिया रेलवे स्टेशन में गाड़ी संख्या 18240 शिवनाथ एक्सप्रेस प्लेटफार्म क्रमांक-4 पर रात के 1.57 बजे आई तथा 02.00 बजे जैसे ही रवाना हुई। एक महिला यात्री सीमा, उम्र 45 वर्ष गाड़ी के कोच नंबर बी-5 में गोंदिया से दुर्ग स्टेशन तक जाने हेतु चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास करने लगी और फिसलकर ट्रेन के साथ घिसटने लगी।

बलरामपुर के चंपापुर गांव में नहीं मिल रहा पीडीएस का राशन

दुकान संचालक पर लगे गंभीर आरोप

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में एक ग्राम पंचायत चंपापुर है। इस गांव के लोगों का आरोप है कि बीते तीन चार महीनों से उन्हें शासकीय राशन दुकान से चावल, चना और शक्कर नियमित नहीं मिल रहा है। ग्रामीण कहते हैं कि कभी कभार आधा अधूरा राशन मिलता है। राशन ठीक से नहीं बांटने की वजह से भूखे रहने की नौबत आ चुकी है।

राशन नहीं मिलने की शिकायत लेकर ग्रामीण आज बलरामपुर कलेक्ट्रेट पहुंचे। उप सरपंच के पति सत्यनारायण यादव का कहना है कि हमारे गांव में राशन वितरण में बीते पांच छह महीने से गड़बड़ी चल रही है। पब्लिक को सरकारी राशन का चावल नहीं मिल रहा है।

सत्यनारायण का यह भी आरोप है कि राशन दुकान का संचालक ग्रामीणों से अंगूठा लगवाकर अपना वितरण दिखा देता है लेकिन चावल नहीं देता है। किसी ग्रामीण के पास खाने के लिए चावल नहीं रहता है तो राशन दुकान संचालक को फोन करने पर वह फोन नहीं उठाता है।

उप सरपंच के पति सत्यनारायण यादव ने कहा कुछ महीने से चना शक्कर भी नहीं दिया गया है। इस महीने का चावल अब तक नहीं दिया गया है। हम कलेक्टर को ज्ञापन देने आए हैं। चंपापुर गांव से कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंची महिला शांति हड्डे का कहना है कि सरकारी राशन का चावल तीन महीने से नहीं मिला। राशन संचालक से पूछने पर वह कहता है कि राशन नहीं आया है। वह आधा अधूरा ही चावल देता है।

ग्रामीण महिला शांति हड्डे ने कहा जून महीने का चावल भी मुझे नहीं मिला था। अब राशन संचालक कहता है कि सिर्फ अगस्त का राशन मिलेगा। इसलिए हम लोग कलेक्टर साहब से शिकायत करने पहुंचे हैं।

ग्रामीणों ने ज्ञापन देकर राशन दुकान संचालक पर कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में बलरामपुर एसडीएम अमित श्रीवास्तव का कहना है कि ग्रामीण बड़ी संख्या में कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे थे। उन्होंने सरकारी पीडीएस राशन नहीं मिलने की समस्या को लेकर ज्ञापन सौंपा है।

एसडीएम अमित श्रीवास्तव ने कहा हम मामले की जांच कराएंगे। अगर अनियमितता पाई जाती है तो राशन दुकान संचालक पर नियमानुसार कार्रवाई करेंगे। राशन संचालक पर गंभीर आरोप लगने के बाद जिला प्रशासन जांच और कार्रवाई की बात कह रहा है। अब देखना होगा कि इस केस में प्रशासन क्या एक्शन लेता है।

कबीरधाम में किसानों ने किया प्रदर्शन, मांगों से प्रशासन सहमत

नौ घंटे बाद हाईवे से हटा चक्का जाम

कबीरधाम। शुक्रवार को कबीरधाम जिले में भारतीय किसान संघ का बड़ा प्रदर्शन चल रहा था। गन्ना किसानों की मांग को लेकर पंडरिया के पास ग्राम परसवारा में पोड़ी-बिलासपुर हाईवे में चक्का जाम किया गया था। यह चक्काजाम दोपहर एक बजे से शुरू हुआ।

वहीं, 9 घंटे बाद रात 10 बजे चक्काजाम खत्म हुआ है। यहां पर सैकड़ों की संख्या में किसान धरने पर बैठे थे। ये किसान अपनी 8 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे थे। मांगों को लेकर प्रशासन व किसानों के बीच में सहमति बनी है।

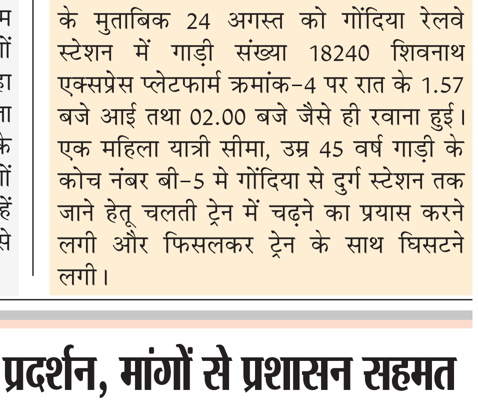

सरदार वल्लभ भाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना के एमडी सतीश कुमार पाटले शुक्रवार से अर्जित अवकाश पर चले गए है। उनके जगह पर भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना के एमडी गौरी शंकर शर्मा को प्रभार दिया गया है। बता दें कि यहां पर भारतीय किसान संघ के बैनर तले आंदोलन हो रहा था। इनकी प्रमुख मांग सरदार वल्लभ भाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना पंडरिया के एमडी (मैनेजिंग डायरेक्टर) का तबादला किया जाए। इसके अलावा और भी कई अन्य मांगों को लेकर किसान प्रदर्शन कर रहे थे। वहीं, चक्काजाम खत्म होने के बाद आज शनिवार सुबह से हाईवे की दोनों ओर से सुचारू रूप से यातायात आवागमन शुरू हो गया है।

संक्षिप्त समाचार

रायपुर जिला एनएसयूआई कार्यकारिणी का हुआ विस्तार, तारिक बने उपाध्यक्ष

रायपुर। एनएसयूआई (नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया) के रायपुर जिला अध्यक्ष शांतनु झा ने रायपुर जिला एनएसयूआई की कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए संगठन में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। इस विस्तार के अंतर्गत जिला उपाध्यक्ष श्री तारिक अनवर खान एवं अन्य सदस्यों को जिला प्रवक्ता की जिम्मेदारी सौंपी गई है। श्री शांतनु झा ने कहा कि संगठन के लिए यह आवश्यक है कि हम नई ऊर्जा और दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ें। तारिक अनवर खान एवं अन्य सदस्यों की संगठन के प्रति निष्ठा और उनकी कार्यशैली को देखते हुए उन्हें जिला प्रवक्ता की भूमिका में नियुक्त किया गया है। हमें पूर्ण विश्वास है कि वे अपनी नई जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगे और संगठन की आवाज़ को और सशक्त करेंगे। इस विस्तार का मुख्य उद्देश्य संगठन की कार्यप्रणाली को और अधिक सशक्त बनाना और युवाओं को नेतृत्व में अवसर प्रदान करना है। एनएसयूआई सदैव छात्रों के अधिकारों की रक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय रूप से काम करता रहा है, और यह विस्तार उसी दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

कांग्रेस संगठन में जल्द होगा बड़ा बदलाव, नए चेहरों को मिलेगा मौका

रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस में जल्द नई कार्यकारिणी का गठन होने वाला है। इसके लिए प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज को फ्री हैंड दिया है। कांग्रेस संगठन में नए चेहरों को मौका दिया जाएगा। इस मामले में दीपक बैज ने कहा, सभी वरिष्ठ नेताओं का आशीर्वाद मिला है। जल्द ही नई नियुक्तियां की जाएगी।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर 26 अगस्त को शुष्क दिवस घोषित

रायपुर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर 26 अगस्त को राज्य सरकार ने प्रदेश में शुष्क दिवस घोषित किया है। इस अवसर पर प्रदेश भर में शराब की बिक्री और परोसने पर प्रतिबंध रहेगा। साथ ही जो भी व्यक्ति उल्लंघन करता है उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसको लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जानकारी साझा की है। सीएम विष्णुदेव साय ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर लिखा की, छत्तीसगढ़ शासन की ओर से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर 26 अगस्त को सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य के लिए 'शुष्क दिवस' घोषित किया गया है। इस दौरान प्रदेश में स्थित समस्त देशी-विदेशी मदिरा की फुटकर दुकानें, होटल, बार, क्लब और भांग की फुटकर दुकानें बंद रहेंगी। निर्देश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

भजन गायक बाबा हंसराज रघुवंशी के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज

रायपुर। जन्माष्टमी पर गुढियारी में होने जा रहे एक आयोजन वैसे भी कई कारणों से चर्चा में बना हुआ है इस बीच उसी कार्यक्रम में भीड बंटोरने के लिए बुलाये जा रहे भजन गायक बाबा हंसराज रघुवंशी के खिलाफ रायपुर के पुरानी बस्ती थाने में एक शिकायत धोखाधड़ी और पैसे लेने की हो गई है। अब क्या पुलिस वेलकम करेगी या आयोजक फिर चर्चा होने लगी है। यदि पुलिस में शिकायत है तो नियमत: पुलिस पूछताछ कर सकती है या थाने तलब कर सकती है। दरअसल पूरा मामला यह है कि भजन गायक बाबा हंसराज रघुवंशी पर रायपुर की एक इवेंट कंपनी ने धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई गई है। यह धोखाधड़ी एक वर्ष पहले भजन संध्या आयोजन के नाम पर की गई। इवेंट कंपनी की संचालिका प्रगति पांडे ने बताया है कि हंसराज रघुवंशी का कार्यकम 11 जून को 2023 को इंडोर स्टेडियम में होना था मगर गायक हंसराज रघुवंशी की पत्नी कोमल सकलानी ने 10 लाख 20 हजार रूपए नगद के अलावा अर्बन लाइव एंटरटेनमेंट के माध्यम से और भी पैसे लिए। जिसके बाद कार्यक्रम आज तक नहीं किया गया।

अटल नगर के प्रमुख मार्गों का नामकरण करने बनी समिति

रायपुर। नवा रायपुर अटल नगर के प्रमुख मार्गों, चौक-चौराहों के नामकरण और चौराहों पर महापुरुषों की प्रतिमाएं स्थापित करने के लिए समिति का गठन

किया गया है। यह समिति नवा रायपुर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान को सहेजने और उसके विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से बनाई गई है। वन मंत्री केदार कश्यप समिति के अध्यक्ष और वित्त मंत्री ओपी चौधरी सदस्य होंगे। वन मंत्री केदार कश्यप की अगुवाई वाली इस समिति में वित्त मंत्री ओपी चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, विधायक सुशांत शुक्ला, इंद्र कुमार साहू और गुरू खुशवंत साहेब सदस्य होंगे। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति बलदेव भाई शर्मा और मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा भी समिति के सदस्य बनाए गए हैं। समिति की जिम्मेदारी नवा रायपुर के प्रमुख मार्गों और चौक-चौराहों के नामकरण की प्रक्रिया को अंतिम रूप देना है, साथ ही विभिन्न चौराहों पर महापुरुषों की प्रतिमाएं स्थापित करने के प्रस्तावों पर भी विचार करना है। इस कार्य में स्थानीय लोगों की राय और सुझावों को भी शामिल किया जाएगा। नवा रायपुर के विकास के इस महत्वपूर्ण कदम से शहर की सांस्कृतिक समृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।

महाप्रभु वल्लभाचार्य आश्रम में शाह ने पूजा अर्चना कर लिया आशीर्वाद

रायपुर। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णु देवसाय हेलीकॉप्टर से नवा रायपुर के महाप्रभु वल्लभाचार्य आश्रम चम्पारण पहुंचे। इस दौरान नवागांव हैलीपेड पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने आत्मीय स्वागत किया। शाह ने मंदिर में महाप्रभु वल्लभाचार्य के मुख्य प्राकट्य बैठक के दर्शन किए और पूजा अर्चना की।

चम्पेश्वर महादेव की पूजा अर्चना कर देशवासियों की सुख समृद्धि की कामना की। चंपारण में महाप्रभु वल्लभाचार्य आश्रम पहुंचने पर केन्द्रीय गृहमंत्री का परम्परागत ढंग से स्वागत किया गया। इस मौके पर द्वारिकेश्वरलाल हाराज ने उन्हें महाप्रभु वल्लभाचार्य की प्रतिमा भेंट की। वल्लभाचार्य निधि ट्रस्ट की ओर से भी उनका स्वागत किया गया। हरीश बाबरिया और मोनल बाबरिया ने उन्हें श्रीनाथ जी का चित्र भेंट किया गया।

उनका स्वागत करने वालों में विधायक इंद्र कुमार साहू और रोहित साहू,महासमुंद के पूर्व सांसद चंदूलाल साहू, पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय, नवागांव सरपंच भागवत साहू और संभाग आयुक्त महादेव कांवरे सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण शामिल रहे। इसके बाद केन्द्रीय गृहमंत्री शाह और मुख्यमंत्री साय स्टेट हैंगर से मेफेयर

लेक रिसोर्ट नवा रायपुर के लिए रवाना हुए।

छत्तीसगढ़ में महाप्रभु वल्लभाचार्य की जन्मस्थली चंपारण में देशभर से पुष्टिमार्ग के अनुयायी जुटते हैं। बनारस-दक्षिण प्रवास के दौरान वल्लभाचार्य की माता को प्रसव पीड़ा हुई और चंपारण में चम्पेश्वर महादेव मंदिर के निकट उन्होंने बालक को जन्म दिया। वल्लभाचार्य ने पुष्टि मार्ग का प्रवर्तन किया और देशभर में कृष्ण भक्ति की अलख जगाई।

भारत में हमेशा से उत्तर से दक्षिण भारत की ओर तथा दक्षिण भारत से उत्तर की ओर तीर्थ यात्रा की परंपरा रही है और यह तीर्थ यात्रा महानदी के बहुत से तीर्थ स्थलों के निकट से गुजरती है। चंपारण की कहानी अपने आप में भारत की विशिष्ट सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाती है। उसके साथ ही यह महाप्रभु वल्लभाचार्य एवं भक्ति आंदोलन के आचार्यों की सुंदर परंपरा को भी दर्शाती है जिन्होंने सनातन परंपरा के मूल्यों को संजोया और कृष्ण भक्ति की अलख जगाई।

चौरासी वैष्णवों की वार्ता और वल्लभ दिग्विजय जैसे ग्रंथों में महाप्रभु के बचपन और उनकी सुंदर स्मृतियां दर्ज हैं। चंपारण, त्रिवेणी संगम राजिम के निकट है। राजिम में भगवान राजीव लोचन विराजित हैं। यह पदम क्षेत्र कहा जाता है। इस पद्म क्षेत्र के चारों ओर पंचकोसी परिक्रमा होती है। इस पंचकोसी परिक्रमा में श्रद्धालु हिस्सा लेते हुए चम्पेश्वर महादेव में जल अर्पित करते हैं।

इस मौके पर सर्व गुजराती समाज के अध्यक्ष प्रितेश गांधी पदीय, वल्लभाचार्य ट्रस्ट के अध्यक्ष चेतन अधिया, वल्लभाचार्य ट्रस्ट के सदस्य वल्लभ अधिया, गुजराती समाज के पदाधिकारी हरीश कुमार बाबरिया, पूर्व मंत्री चंद्रशेखर साहू, अपैक्स बैंक पूर्व अध्यक्ष अशोक बजाज और चंपारण के सरपंच राधिका ध्रुव सहित अनेक जनप्रतिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

केंद्र की मोदी सरकार छत्तीसगढ़ को नक्सल आतंक से मुक्त कराने के लिए महत्वपूर्ण रणनीति पर काम कर ही है। इसी तारतम्य में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 23 अगस्त रात दस बजे के बाद छत्तीसगढ़ पहुंचे। केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद को खत्म करने का एलान कर चुकी है। अब पार्टी अपनी रणनीति को आगे बढ़ा रही है। इस कार्य को अमलीजामा पहनाने के लिए केंद्रीय गृहमंत्री तीन दिवसीय प्रवास पर छत्तीसगढ़ पहुंचे। 24 और 25 अगस्त को कई बैठक लेने के बाद वो रविवार की शाम को वह वापस दिल्ली चले जाएंगे।

शाह ने जनवरी 2024 में अपने पिछले छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान राज्य पुलिस और प्रदेश में तैनात केंद्रीय अर्धसैनिक बल सहित विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक ली थी। उन्होंने नक्सल विरोधी अभियान को लेकर कुछ लक्ष्य निर्धारित किए थे। इसके अनुसार इस बैठक में भी इसी मुद्दे पर समीक्षा की जा सकती है।

देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेस का प्रदेशव्यापी प्रदर्शन

पीसीसी चीफ दीपक बैज बोले- कांग्रेस का हर एक कार्यकर्ता नार्को टेस्ट के लिए तैयार

रायपुर। कांग्रेस ने प्रदेशव्यापी प्रदर्शन शुरू कर दिया है। बलौदाबाजार हिंसा मामले में कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस पार्टी राजधानी के नमस्ते चौक पर विरोध प्रदर्शन कर रही है। कांग्रेस ने राज्य की भाजपा सरकार के खिलाफ पीसीसी चीफ दीपक बैज के नेतृत्व में प्रदेश के सभी जिलों में प्रदर्शन आयोजित किया है।

प्रदर्शन को लेकर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हिम्मत है तो नार्को टेस्ट करा लें। हमारा एक एक कार्यकर्ता नार्को टेस्ट करने को तैयार है। सभी कार्यकर्ता का हम नार्को टेस्ट कराने को तैयार है। नार्को टेस्ट से बड़ा कोई टेस्ट हो तो वो भी हम कराने को तैयार हैं।

पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि बलौदा बाजार मामले में सीबीआई जांच की हम मांग करते हैं। इस घटना पर आप जितना पर्दा डाल लो, एक दिन सच्चाई सामने आएगी। कांग्रेस पार्टी अब सड़क से लेकर सदन तक लड़ाई लड़ते रहेगी। इस सरकार का जबतक पर्दाफाश नहीं करते, चुप नही बैठेंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा गलत फहमी में है। एक कार्यकर्ता को जेल भेजोगे 100 कार्यकर्ता लड़ने को तैयार हो जाएंगे। कोई डरने की जरूरत नहीं है। कांग्रेस का कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता। आप 3 महीना जेल में रख सकते हैं। आप 1 साल भी जेल के अंदर रखें। कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता न्याय की लड़ाई लड़ने को तैयार है।

पीसीसी चीफ ने आगे कहा- आने वाले समय में मुखर्ता के साथ में हम लड़ने को तैयार हैं। ये सरकार बदले की भावना से काम कर रही है। छत्तीसगढ़ की गाढ़ी कमाई को लूटने का काम कर रही है। जब तक असली दोषी गिरफ्तार नही होता, ये प्रोस्टेस्ट चलाता रहेगा। हमारी मांग है कि कांग्रेस पार्टी का नार्को टेस्ट कराया जाए।

बता दें, बलौदाबाजार आगजनी-हिंसा मामले में नोटिस की तामीली नहीं करने पर बलौदाबाजार पुलिस ने 17 अगस्त को कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव को गिरफ्तार किया है। भिलाई विधायक पर बलौदाबाजार में हिंसा भड़काने का आरोप लगा है। इस मामले को लेकर अब कांग्रेस ने राज्य की भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदेश व्यापी प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

दुर्ग में प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़ा

दुर्ग। विधायक देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी के खिलाफ कांग्रेस आज प्रदेशभर में प्रदर्शन कर रही। दुर्ग में पूर्व सीएम भूपेश बघेल के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झूमाझटकी हुई। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड भी तोड़ दिया। इससे कई कार्यकर्ताओं और पुलिस जवानों को चोटें आई है।

प्रदर्शन से पहले सभा को संबोधित करते हुए पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने साय सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा, प्रदेश में विकास काम नहीं हो रहा है और कांग्रेस नेताओं को गिरफ्तार कर रहे हैं। साय सरकार सभी मामले जब सीबीआई को सौंपे तो जैतखाम में तोड़फोड़ मामले को सीबीआई को क्यों नहीं सौंप रही है। सतनामी समाज भी मांग कर चुका है। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। एडीशनल एसपी वेदव्रत सिरमौर ने बताया, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन के दौरान बैरिकेट तोड़ने की कोशिश की, लेकिन हमारे सुरक्षा जवानों ने उन्हें रोका। इस बीच धक्कामुक्की भी हुई।

डिप्टी सीएम साव ने कांग्रेस के प्रदर्शन पर कसा तंज

कहा- आरोपियों के साथ ही खड़ी होती है कांग्रेस

रायपुर। डिप्टी सीएम अरुण साव ने विधायक देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी के खिलाफ कांग्रेस के प्रदेश व्यापी प्रदर्शन को लेकर तंज कसते हुए कहा कि, जब भी कोई आरोपी भ्रष्टाचार में पकड़ा जाता है तो कांग्रेस का चरित्र दिखता है। कांग्रेस सभी आरोपियों के साथ खड़ी होती दिखी है। देवेंद यादव ने सतनामी समाज के आंदोलन को उत्प्रेरित किया। समाज के आंदोलन में घुसकर अराजकता फैलाई। बलौदाबाजार की घटना का षड्यंत्र कांग्रेस ने ही रचा था। सतनामी समाज और पवित्र सफेद ध्वज को बदनाम करने का काम कांग्रेस ने किया है।

वहीं आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के छत्तीसगढ़ दौरे का दूसरा दिन है। इसे लेकर उपमुख्यमंत्री साव ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का यह महत्वपूर्ण छत्तीसगढ़ दौरा है। आज वे महाप्रभु वल्लभाचार्य के पवित्र स्थल दर्शन किए। 7 राज्यों के कोऑर्डिनेशन कमिटी की बैठक है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के विकास और शांति सद्भावना बहाली के लिए योजना भी बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश के लिए अति महत्वपूर्ण बैठक होने वाली है।

बता दें, बलौदाबाजार आगजनी-हिंसा मामले में हिंसा भड़काने के आरोप में पुलिस ने 17 अगस्त को कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले को लेकर अब कांग्रेस ने राज्य की भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदेश व्यापी प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी के बाद 6 सहयोगी भी हिरासत में

दुर्ग। बलौदाबाजार हिंसा मामले में कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव को गिरफ्तार कर जेल भेजने के बाद पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। विधायक की गिरफ्तारी को लेकर शनिवार को प्रदेश भर में कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। लेकिन इस प्रदर्शन से पहले बलौदाबाजार पुलिस ने भिलाई में फिर से छापेमारी की है। पुलिस ने खुर्सीपार के 6 लोगों को हिरासत में में लेकर जेल भेज दिया है। हिंसा मामले में सभी से पुलिस पूछताछ कर रही है। पुलिस ने इन सभी को बलौदाबाजार हिंसा में संलिप्तता के आधार पर गिरफ्तार किया है। ये सभी विधायक देवेंद्र यादव के करीबी बताए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, बलौदाबाजार पुलिस ने देर रात 1 बजे भिलाई के खुर्सीपार इलाके में छापा मारा। इस दौरान 6 लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया। वहीं एक युवक अब भी फरार है। हिरासत में लिए 6 लोगों में से पांच लोगों का नाम सामने आया है, जिसमें योगेश नौरंगे, दिनेश बांधे, हेमंत खुटे, अविनाश खुटे, वीरेंद्र गायकवाड है। वहीं एक युवक कोमल धृतलहरे को पुलिस नहीं पकड़ पाई है। बताया जा रहा है कि बलौदाबाजार

हिंसा में विधायक के साथ इनकी भी संलिप्तता पाई गई है। फिलहाल, सभी लोगों को हिरासत में लेकर जेल भेज दिया गया है।

बता दें कि छापामारी से पहले दुर्ग पहुंचकर बलौदाबाजार एडिशन एसपी अभिषेक सिंह ने एसपी जितेंद्र शुक्ल से बल मांगा। जिसके बाद खुर्सीपार के मिलावट पारा पहुंचकर बलौदाबाजार पुलिस ने यह कार्रवाई की है। बलौदाबाजार पुलिस कुल 7 लोगों को हिरासत में लेने आए थी लेकिन 6 ही लोग पकड़े गए हैं। दरअसल, सतनामी समाज के प्रदर्शन के दौरान 10 जून को बलौदाबाजार जिले के कलक्ट्रेट परिसर में आगजनी की घटना हुई थी। प्रदर्शनकारियों ने 150 से अधिक दो पहिया और 10 चार पहिया वाहनों को आग के हवाले किया था।

छत्तीसगढ़ के निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस और पीजी की फीस तय

रायपुर। छत्तीसगढ़ के प्राईवेट मेडिकल कालेजों द्वारा अधिक फीस वसूली को लेकर प्रवेश व फीस विनियामक समिति ने अंतरिम फीस निर्धारित की है। इसके तहत तीन निजी मेडिकल कालेजों के एमबीबीएस व दो निजी मेडिकल कालेजों में संचालित स्नातकोत्तर सीटों के फीस तय कर दिए गए हैं। फीस वर्ष-2024 से 2027 तक के लिए लागू होंगे। जिन संस्थानों की फीस तय हुई है, उनमें श्री बालाजी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस मोवा, रावत्पुरा सरकार इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस और रिसर्च सेंटर नवा रायपुर और अभिषेक आई मिश्रा मेमोरियल कॉलेज एंड रिसर्च, जुनवानी भिलाई शामिल है।

ये फीस हुई निर्धारित

श्री बालाजी की एमबीबीएस की फीस 8 लाख 2 हजार 700 रुपये प्रति वर्ष है। रावत्पुरा सरकार इंस्टीट्यूट एवं अभिषेक आई मिश्रा मेमोरियल कॉलेज दोनों इंस्टिट्यूट में एमबीबीएस की फीस 7 7 लाख 45 हजार 167 रुपए प्रतिवर्ष निधर्धारित की गई है। इसी तरह रायपुर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस गोढ़ी में पीजी की क्लीनिकल की फीस 9 लाख 84 हजार से 500 रुपए प्रतिवर्ष है। वहीं प्री कलीनिकल/ पैरा- क्लीनिकल के लिए प्रति वर्ष करीब 7 लाख 92 हजार 600 रुपए है। श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस जुनवानी भिलाई में स्नातकोत्तर की क्लीनिकल सीटों के लिए 10 लाख 54 हजार रूपए प्रति वर्ष छात्रों को फीस देने होंगे। इसी प्रकार प्री-क्लीनिकल/पैरा-क्लीनिकल के लिए प्रति वर्ष 8 लाख 48 हजार 200 रुपये फीस तय की गई है। इसी प्रकार प्री क्लीनिकल/पैरा क्लीनिकल के लिए प्रति वर्ष 8 लाख 49 हजार 200 रुपये फीस तय की गई है।

फीस विनियामक समिति के अधिकारियों का कहना है कि मेडिकल पाठ्यक्रम के लिए अंतरिम तय फीस में सभी सुविधाएं शामिल हैं। संस्थानों को निर्देशित किया गया है कि प्रति वर्ष तय किए गए फीस में मेडिकल छात्रों से यूनिफार्म, आईडी कार्ड, लेबोरेटरी, विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेलकूद, एनएसएस, भवन, फर्नीचर, उपकरण आदि मदों में कोई अतिरिक्त राशि न लें।

हलषष्ठी पर्व में माताओं ने संतान की दीर्घायु के लिए रखा व्रत

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 24 अगस्त को बड़े ही धूमधाम के साथ हलषष्ठी का पर्व मनाया गया। इसे कमरछठ या हलषष्ठी भी कहते हैं। इस पर्व में माताएं अपने संतान की दीर्घायु और कुशलता की कामना के लिए कमरछठ या हलषष्ठी का व्रत रखती हैं। संतान की प्राप्ति और सुख समृद्धि के लिए महिलाएं ये व्रत रखती हैं। साथ ही नवविवाहित महिलाएं संतान प्राप्ति के लिए भी यह व्रत रखती हैं। इस पर्व का पूजा विधि बहुत ही रोचक है।

महिलाएं घर में या सामूहिक स्थान पर एक जगह एकत्रित होकर आंगन में दो गड्ढे खोदती हैं, जिसे सगरी कहते हैं। इस दिन महिलाएं अपने-अपने घरों से मिट्टी के खिलौने, बैल, शिवलिंग गौरी-गणेश इत्यादि बनाकर लाते हैं, जिन्हें सगरी के किनारे रखा जाता है। जिसकी पूजा की जाती है। उस सगरी में बेलपत्र, भैंस का दूध, दही, घी, फूल, कांसी के फूल, श्रृंगार का सामान, लाई और महुए का फूल चढ़ाया जाता है। इसके बाद महिलाएं हलषष्ठी माता व्रत की कथाएं सुनती हैं। कुल 6 कथायें सुनाई जाती हैं।

आरती के बाद पूजन खत्म होता है। खास बात यह है कि इस व्रत के दिन गाय के दूध, दही, घी का सेवन नहीं बल्कि भैंस का दूध, दही और पसहर चावल आदि का सेवन किया जाता है। पूजा करने के बाद माताएं अपने बच्चों को तिलक लगाकर कंधे के पास चंदन की पुताई लगाकर आशीर्वाद देती हैं।

तोता को पिंजरे में रखे कैद, तो हो सकती है जेल

वन विभाग ने जारी किया आदेश, अब चिड़ियां घर में करना होगा जमा

रायपुर। अब तोता पालना और पालकर बेचना लोगों को महंगा पड़ सकता है और न ही पाले हुए तोते को घर में रख सकते हो। अगर आपके घर भी तोता या अन्य पक्षी हैं, तो ये खबर आपके लिए है। नहीं तो आपको जेल भी जाना पड़ सकता है।

दरअसल, छत्तीसगढ़ के मुख्य वन संरक्षक और वन बल प्रमुख की ओर से एक आदेश जारी किया गया है। इस आदेश में कहा गया है कि कानूनी संरक्षण मिलने वाली वन्यजीव तोता या अन्य पक्षियों की अवैध खरीदी, बिक्री या फिर घरों में पालने पर रोक लगाई जाए। प्रदेश में तोता समेत अन्य पक्षियों की धड़ल्ले से चल रही बिक्री की शिकायत को लेकर यह निर्देश जारी किया गया है।

राज्य में तोता समेत अन्य पक्षी अब पिंजरे में कैद नहीं रहेंगे। मुख्य वन संरक्षक और वन बल प्रमुख की ओर से छत्तीसगढ़ के सभी डीएफओ यह निर्देश जारी किया गया है कि वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 में हुए संशोधन की अनुसूची में तोता समेत अन्य पक्षियों की खरीदी, बिक्री और उसका पालन करना कानूनन पूर्ण प्रतिबंधित है। अब घरों में तोता समेत अन्य पक्षियों की रखरखाव बंद हो जाएगा।

वन विभाग से जारी आदेश के अनुसार, घरों में तोता पालना या फिर खरीदी बिक्री करना वन्यजीव सरंक्षण अधिनियम के तहत अपराध की श्रेणी में रखा गया है, जिसमें सजा की प्रावधान है। आदेश जारी होने के बाद अब तय समय के भीतर तोता समेत अन्य पक्षियों को जमा करना होगा। अगर निर्धारित समय के बाद वन विभाग की टीम लोगों के घरों में जाकर पक्षी पालने वालों के लिए खिलाफ कार्रवाई करेगी या फिर शिकायत मिलने पर छापेमारी कर कार्रवाई करेगी। साथ ही उनके खिलाफ केस दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

अब तोता समेत अन्य पक्षियों को जमा करना होगा। ऐसा नहीं करने पर जेल भी जाना पड़ सकता है। अब पक्षियों को कैद से रिहा कर प्रबंधन को सौंपा जाएगा। वहीं टोल फ्री (18002337000) नंबर भी जारी किया गया है, जिसके माध्यम से अधिक जानकारी ले सकते हैं।

**GOVERNMENT OF CHHATTISGARH WATER RESOURCES DEPARTMENT
OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER
MAHANADI PROJECT, RAIPUR
(CHHATTISGARH)**

e-PROCUREMENT TENDER NOTICE
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(First Call)
System Tender No. 157681/ NIT No.: 08/SAC/24-25 Dated: 22.08.2024

Online Tenders are invited for the following work up to 12.09.2024 at 17.30 Hours.

Name of work - Construction of Singarbhata Stopdam in Block Abhanpur, District Raipur.

Probable Amount of Contract: Rs. 251.94 Lakhs

(As per S.O.R dated 01.08.2010 and amended upto dated 22.08.2022).

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh Integrated e-Procurement Portal **(https://eproc.cgstate.gov.in) from Date 29.08.2024, at 17.31 Hours (IST) onwards.**

NOTE:- All eligible/intrested contractors/bidders are mandated to get enrolled on the Integrated e-procurement portal **(https://eproc.cgstate.gov.in)** and get approval on specific vendor class from PWDunder Centralized Contractor/Supplier Registration in order to download the tender documents and participate in the subsequent bidding process.

**Executive Engineer
Water Management Division No. 1, Raipur
For, Chief Engineer, Mahanadi Project
Raipur (C.G.)**

G-242501985/9

प्रधानमंत्री मोदी की पोलैंड-यूक्रेन यात्रा

अनिल त्रिगुणायत

पोलैंड एक महत्वपूर्ण देश है तथा इसके साथ हमारे द्विपक्षीय संबंध भी अच्छे हैं। पहले भारत के कुछ नेता पोलैंड की यात्रा कर चुके हैं। फिर भी साढ़े चार दशक की लंबी अवधि में यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री का पहला पोलैंड दौरा है। इस दौरे से दोनों देशों के संबंधों को एक नयी ऊर्जा मिलने की आशा है। जब दो देशों में संबंध अच्छे होते हैं, तो सहयोग के छोटे-बड़े अवसर और विकल्प सामने आते जाते हैं। इस यात्रा में भी सुरक्षा और तकनीक के क्षेत्रों में सहयोग तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ाने पर चर्चा हुई है। प्रधानमंत्री मोदी के इस दौरे से यह संदेश भी गया है कि पोलैंड के साथ परस्पर सहकार को भारत समुचित महत्व देता है। हाल के वर्षों में पोलैंड ने उल्लेखनीय विकास किया है। वह यूरोपीय संघ का भी सदस्य देश है। भारत और यूरोपीय संघ तथा इस समूह के विभिन्न सदस्य देशों के साथ संबंध उत्तरोत्तर बेहतर हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल में ऑस्ट्रिया का भी दौरा किया था तथा वे जी-7 की बैठक में भी शामिल हुए थे। इस दृष्टि से भी पोलैंड की यात्रा का बड़ा महत्व है। इस यात्रा में प्रधानमंत्री मोदी का यूक्रेन जाना सबसे महत्वपूर्ण है। इस दौरे पर दुनियाभर की निगाहें लगी हुई हैं। सोवियत संघ के पतन के बाद 1991 में एक स्वतंत्र देश के रूप में यूक्रेन के अस्तित्व में आने के साथ ही भारत से उसके कूटनीतिक संबंध स्थापित हो गये थे। दोनों देशों के बीच मित्रता संधि भी हुई थी। बाद के वर्षों में दोनों देशों के बीच वाणिज्य एवं व्यापार में बढ़ोतरी होती गयी। लेकिन 1991 से लेकर अब तक किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने यूक्रेन की यात्रा नहीं की थी। इस पृष्ठभूमि में यह दौरा बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। ढाई साल से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध चल रहा है। युद्ध क्षेत्र में कोई भारतीय प्रधानमंत्री शायद ही आज से पहले किसी दौरे पर गया हो। ऐसे में यह एक उल्लेखनीय यात्रा है। दोनों देशों के इस युद्ध का असर समूची दुनिया पर पड़ा है। ग्लोबल साउथ के देश सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। भारत हमेशा से यह कहता रहा है कि संवाद, कूटनीति तथा संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के प्रति सम्मान से ही शांति संभव है। युद्ध के मैदान में कोई समाधान नहीं निकल सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने समरकंद में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन के अवसर पर रूस के राष्ट्रपति पुतिन के समक्ष भी स्पष्ट शब्दों में कहा था कि यह युद्ध का युग नहीं है। पिछले महीने अपनी रूस यात्रा के दौरान भी उन्होंने रेखांकित किया था कि समाधान युद्ध के माध्यम से हासिल नहीं हो सकता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के शुरू से ही भारत की कोशिश रही है कि किसी तरह यह लड़ाई बंद हो। इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी ने रूस और यूक्रेन के राष्ट्रपतियों से अनेक बार बातचीत की है। जी-7 समूह की बैठक के दौरान उन्होंने राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात की थी। पिछले माह वे रूस गये थे। फोन पर भी इन नेताओं से उनकी बातें हुई हैं। अन्य देशों के नेताओं से भी प्रधानमंत्री मोदी ने इस मसले पर चर्चा की है। अंतरराष्ट्रीय मंचों से भी भारत युद्ध रोकने और संवाद स्थापित करने का आह्वान करता रहा है। सबसे बड़ी बात यह है कि यह युद्ध केवल रूस और यूक्रेन के बीच नहीं हो रहा है, बल्कि रूस और पश्चिम के बीच हो रहा है। इसलिए अमेरिका और अन्य पश्चिमी देश भी अगर सहमत होंगे, तभी यह युद्ध थम सकता है। पिछले महीने जब प्रधानमंत्री मोदी मॉस्को गये थे, तब रूस पर यह आरोप लगा था कि उसने बच्चों के एक अस्पताल पर हमला किया है। अब जब वे कीव में हैं, तो यूक्रेन ने कुर्स्क में हमला किया है। ऐसी घटनाएं मुश्किल स्थिति पैदा कर देती हैं। हालात नाजुक हैं, इसमें कोई शक नहीं है, लेकिन यह भी साफ है कि हमारे सामने शांति का कोई विकल्प नहीं है। इसके लिए जो भी प्रयास किये जायेंगे, उनमें भारत की अहम भूमिका होगी क्योंकि भारत को विभिन्न पक्षों का भरोसा हासिल है। इसीलिए यूक्रेन और पश्चिम की ओर से कहा जा रहा है कि भारत रूस से बात करे। पिछले दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने रूस और यूक्रेन समेत अनेक देशों के नेताओं से बात की है, तो मेरा मानना है कि अब जब वे कीव में हैं, तो उनके पास स्थिति का एक ठोस आकलन है कि किस तरह इस युद्ध को रोका जा सकता है। भारत यह प्रस्ताव भी दे सकता है कि सभी संबद्ध पक्ष भारत में आकर बातचीत कर सकते हैं। यदि यह युद्ध थम जाता है, तो यह बड़ी उपलब्धि होगी, लेकिन निकट भविष्य में ऐसा नहीं भी हो सकता है क्योंकि मसला बहुत जटिल है। दोनों ही परिस्थितियों में भारत का योगदान महत्वपूर्ण माना जायेगा। पिछले कुछ समय से हमारी विदेश नीति और कूटनीति की सक्रियता बहुत बढ़ी है। हमारी विदेश नीति में सभी देशों के साथ अच्छे रिश्ते रखना एक अहम आयाम है। भारतीय अर्थव्यवस्था में वृद्धि उत्साहजनक है, हमारे यहां लोकतांत्रिक व्यवस्था है, राजनीतिक स्थिरता है। ऐसे में वैश्विक मुद्दों पर हो रही चर्चा एवं गतिविधियों में भारत की भागीदारी बढ़ी है।

मोदी के यूक्रेन दौरे ने कर दिया चमत्कार

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को युद्धग्रस्त देश यूक्रेन की ऐतिहासिक यात्रा की और इस बात को दोहराया कि भारत का दृढ़ता से यह मानना है कि युद्ध के मैदान में किसी समस्या का हल नहीं निकलता। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि किसी भी संकट में निर्दोष लोगों की जान जाना पूरी मानवता के लिए बड़ी चुनौती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि शांति के प्रयासों में भारत सतत भूमिका निभाएगा। उन्होंने रूस और यूक्रेन को बिना समय गंवाए बातचीत करने की भी सलाह दी। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री की इस यात्रा पर दुनिया भर की निगाहें रहीं। खास बात यह रही कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस बात के निर्देश दे रखे थे कि जब तक मोदी यूक्रेन में हैं तब तक वहां कोई हमला नहीं किया जाये। इसके चलते आज यूक्रेन में कहीं भी सायरन की आवाज नहीं सुनाई दी बल्कि अमन और चैन नजर आ रहा था।

हम आपको याद दिला दें कि जब रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ था तब प्रधानमंत्री मोदी की अपील पर ही युद्ध को कुछ समय के लिए रोका गया था ताकि भारतीय छात्र और नागरिक सुरक्षित रूप से वहां से निकल सकें। आज जब गांधी और महात्मा बुद्ध की धरती के प्रधानमंत्री युद्धग्रस्त देश पहुँचे तो अमन का पैगाम लेकर गये। उनके स्वागत को आतुर हर व्यक्ति यही उम्मीद कर रहा था कि मोदी ही रूस को समझा सकते हैं और इस क्षेत्र में शांति ला सकते हैं। खुद राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की जिस बेसब्री के साथ मोदी का इंतजार कर रहे थे और जिस तरह रूस के द्वारा दिये गये जख्मों को मोदी को दिखा रहे थे उससे साफ प्रकट हो रहा था कि जेलेंस्की की आखिरी उम्मीद भी मोदी ही हैं। जेलेंस्की के कंधे पर हाथ रखे मोदी जब यूक्रेन में तबाही का मंजर देख कर भावुक हुए तो यूक्रेनवासियों को भी लगा कि हमारे दर्द को समझने वाला कोई विश्व नेता आ गया है।

हम आपको बता दें कि अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान पर बातचीत की है जिसके सकारात्मक परिणाम आने वाले दिनों में मिलने की उम्मीद है। मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ पहले आमने-सामने और फिर प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की, जिसमें रूस-यूक्रेन संघर्ष का बातचीत के जरिए समाधान निकालने के तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया गया। बाद में दोनों देशों ने चार एतिहासिक समझौतों पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। यह समझौते कृषि, विज्ञान, चिकित्सा और सांस्कृतिक क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने पर हुए। इसके अलावा भारत ने यूक्रेन को मानवीय मदद बढ़ाने की भी घोषणा की। इस दौरान दोनों नेताओं ने अपने विचार भी मीडिया के साथ साझा किये।

हम आपको बता दें कि यूक्रेन के 1991 में स्वतंत्र होने के बाद यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की देश की पहली यात्रा है और यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब यूक्रेन ने हाल ही में रूसी क्षेत्र में आक्रामक सैन्य अभियान चला रखा है। हम आपको याद दिला दें कि मोदी ने इसी साल जून में इटली के अपुलिया में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान जेलेंस्की से बातचीत की थी। बातचीत के दौरान मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति से कहा था कि भारत यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के पक्ष में वह सबकुछ करेगा, जो वह कर सकता है। उन्होंने कहा था कि 'बातचीत और कूटनीति' के माध्यम से ही शांति लाई जा सकती है। उसी बैठक में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने प्रधानमंत्री मोदी को कीव आने का निमंत्रण दिया था।

दूसरी ओर, पोलैंड से करीब 10 घंटे की ट्रेन यात्रा के बाद हयात होटल पहुंचने पर भारतीय समुदाय के लोगों ने मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रधानमंत्री पोलैंड से कीव तक 'रेल फोर्स वन' ट्रेन से गए, जिसमें करीब 10 घंटे का समय लगा। कीव पहुँचने के तुरंत बाद मोदी ने यूक्रेन राष्ट्रीय संग्रहालय में शहीदों पर आधारित एक मल्टी-मीडिया प्रदर्शनी का मुआयना किया, जहां यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने गर्मजोशी से प्रधानमंत्री से हाथ मिलाया और उन्हें गले लगाया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि संघर्ष में जान गंवाने वाले बच्चों की याद में स्थापित मार्मिक प्रदर्शनी देखकर प्रधानमंत्री भावुक हो गए। मोदी ने इस पर शोक जताया और मारे गए बच्चों के सम्मान में उन्हें याद करते हुए एक खिलौना रखा।

जेलेंस्की के साथ बातचीत से पहले मोदी ने कीव में 'ओएसिस ऑफ पीस' पार्क स्थित सत्य और अहिंसा के प्रतीक महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि भी अर्पित की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि मोदी ने सौहार्दपूर्ण समाज के निर्माण में गांधी के शांति के संदेश की कालातीत प्रासंगिकता को रेखांकित किया और कहा कि उनके द्वारा दिखाया गया मार्ग वर्तमान वैश्विक चुनौतियों का समाधान प्रदान करता है। इससे पहले, कीव पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, ''आज सुबह कीव पहुंचा। भारतीय समुदाय ने बहुत गर्मजोशी से स्वागत किया।'' इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने कुछ तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें वह भारतीय समुदाय के लोगों का अभिवादन और उनसे बातचीत करते दिखते हैं।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री की कीव यात्रा को कई हलकों में कूटनीतिक संतुलन के तौर पर देखा जा रहा है, क्योंकि उनकी रूस यात्रा से पश्चिमी देशों में नाराजगी पैदा हो गई थी। कीव की यात्रा से लगभग छह सप्ताह पहले मोदी ने रूस की यात्रा की थी, जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ संघर्ष समाप्ति के मुद्दे पर गहन विचार-विमर्श किया था।

एकात्मता के स्वर

सिन्धु नदी

सिन्धु नदी को न केवल भारतवर्ष परन् विश्व की विशाल नदी होने का श्रेय प्राप्त है। सिन्धु नदी का उद्गम स्थान भगवान शिव के निवास कैलास पर्वत के मानसरोवर से है। यह स्थान अब तिब्बत में है। 250 किलोमीटर वह तिब्बत से चलकर भारतवर्ष के जम्मू-कश्मीर राज्य में पहाड़ों के बीच होकर बहती है। यह नदी 5200 मीटर गहरी पहाड़ी के मध्य पाटी बनाकर बह रही है। जम्मू-कश्मीर राज्य में 550 किलोमीटर बहने के बाद वह अखण्ड भारत के पाकिस्तान में प्रवेश कर जाती हैं। पाकिस्तान में सतलुज, झेलम (वितरता), चिनाव (चंद्रभागा), रावी, व्यास यानी सतलुज-शैलम-व्यास-सर रावी और चिनाय से संगम बनाती हुई आपस में मिल जाती है। अपनी बड़ी मारी विशालता के कारण ही इस नदी का नाम सिन्धु नदी पड़ा है। इसकी लम्बाई 2880 किलोमीटर है। इसका जलग्रहण क्षेत्र 11,66,000 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। कराँची के पास यह वृहदाकार नदी सिन्धु सागर में मिल जाती है। सायुवेला व सख्खर इसी के तट पर बसे हुए हैं। अत्यंत उपजाऊ प्रान्त सिन्ध जी पाकिस्तान में है इसी नदी के तीरे बसा हुआ है। पुरानी वैदिक सभ्यता इसी नदी के इर्द-गिर्द विकसित हुई। इसके किनारे बसे लोगों ने सब प्रकार की चाहे वह आध्यात्मिक, सामाजिक, वैज्ञानिक हो या अन्य प्रकार की भौतिक उन्नति की। मोहनजोदडो व हडप्पा की खुदाई से प्राप्त जानकारी से इस प्रदेश की प्राचीनता व वैभव का पता चलता है।

ब्रह्मपुत्र नदी- अत्यंत विशाल जलराशि लेकर बहने वाले सप्त महानदी में ब्रह्मपुत्र प्रमुख है। शीघ्रगामी इस नद का उद्गम स्थान भोले भण्डारी शिव के निवास कैलास पर्वत के मानसरोवर के पास एक विशाल हिमानी से है। यह नदी तिब्बत में बारह सौ किलोमीटर पूर्व की ओर बहते हुए दक्षिण-पश्चिम की ओर मुड़कर भारतवर्ष में प्रवेश करती है। तिब्बती क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र को सांपो के नाम से पुकारते हैं। भारतवर्ष के अरुणाचल प्रदेश व असम प्रदेश में यह प्रवेश करती है तो वहाँ इसे लोहित नदी कहा जाता है। ख्यात इक्यावन शक्तिपीठों में से एक कामाख्या शक्तिपीठ इस महान नद के तट पर ही स्थित है। अपुनर्भव, भस्मकूट, उर्वशीकुण्ड, मणिकर्णेश्वर व पण्डनाथ पर्वत हैं जहाँ पर भगवान् विष्णु ने सृष्टि के आदि में मधुकैटभ का वध किया था वह भी इसी पवित्र नदी के किनारे पर है। अश्वकरन्न कल्कि अवतार से संबंधित प्रमुख तीर्थ भी इसी के तट पर है। इसके समीपवर्ती नगर तेजपुर, गुवाहाटी, डिब्रूगढ़, शिवसागर आदि हैं। बंगाल में जाकर गंगा (पद्मा) व मेघना नदी से मिलकर विश्वविख्यात सुन्दरवन नाम के डेल्टा का निर्माण करती है। भारतवर्ष में पाँच सौ किलोमीटर बहने के बाद यह दक्षिण दिशा की ओर मुडकर बांग्लादेश में पहुँचती है।

पुराण दिग्दर्शन .... परिचयाध्याय

प्रक्षिप्त-पाठ (भाग-3)

गतांक से आगे...

महाशय आचार्य मुक्तिराम नामक समाजी ने तो गीता को नष्ट करने का जो जघन्य प्रयत्न किया है वह तो पूर्वाक्त सभी दुष्प्रयत्नों को मात कर गया है। यह गीता म. राजपाल एण्ड सन्स लाहौर ने प्रकाशित की है। इसमें 7, 6, 10, 11, 12, और 15वें पूरे के पूरे अध्यायों के अतिरिक्त अवशिष्ट अध्यायों के भी श्लोकों को निकाल डाला है। केवल 358 श्लोकों को ही इसमें स्थान मिल सका है। इतने पर भी गीता के अठारह अध्याय होने चाहियें, इस टेक को पूरा करने के लिए इन्हीं 358 श्लोकों को अठारह भागों में विभक्त कर डाला है; जिससे सर्वसाधारण को शङ्कित होने का अवसर ही न मिल सके और समय पाकर उसे ही वास्तविक गीता मानने का दुःस्वप्न सच्चा हो सके । गीताप्रेमी भगवद्भक्त श्रीमद्भगवद् गीता को सात सौ श्लोकों का संग्रहमात्र कागज का पुलिन्दा नहीं मानते अपितु भगवान् श्रीकृष्ण का कलेवर मानते हैं। ऐसी दशा में म. मुक्तिराम का प्रयत्न जराव्याध वाला ही प्रयत्न है। भगवान् को विकलाङ्ग करने की चेष्टा में प्रवृत्त पुरुष स्वयं पूर्णाङ्ग जीवित नहीं रह सकता। जिस गीता के ज्ञान पर विश्व की समस्त सभ्य जातियें मुग्ध हा रही हैं, उसी गीता के लिये आर्य जाति का एक दल इस प्रकार अनधिकार चेष्टा करे वह कितने शोक की बात है।

इससे भी महाशोक की बात यह है कि इस दल के पास किसी भी श्लोक के प्रक्षिप्त होने का प्रमाण नहीं है। केवल कपोल कल्पना के आधार पर ही यह सब कुछ किया जाता है। इस दल की तो यह नीति है कि जो उसे अपने विचार के प्रतिकूल जान पड़े या जिसकी व्यवस्था लगाने में काठिन्य दीखा बस झट उसे प्रक्षिप्त कह दिया। उस दल का यह ब्रह्मास्त्र है। जहां कुछ न कह सके और पराजित होने लगे कि इस का प्रयोग कर डाला फिर चाहे उससे आत्म-संहार ही क्यों न हो जावे!

क्रमशः ...

सुख के स्वभाव में डूबो

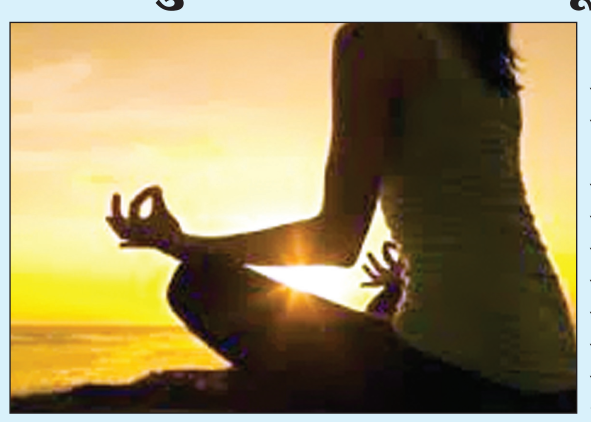

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है।

दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो! अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं।

और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी लगाए हुए है। ऐसा है। क्यों? और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोजते हैं।

मेरे पास रोज लोग आते हैं, जो कहते हैं- हम सुख चाहते हैं। अगर तुम सुख चाहते हो तो कोई भी बाधा नहीं है; सुख तो लुट रहा है। सुख तो चारों तरफ मौजूद है। ऐसे ही हो तुम, जैसे सामने गंगा बहती हो और किनारे पर खड़े तुम छाती पीटते हो, चिल्लाते हो- प्यासा हूं, मैं जल चाहता हूं!' झुको और पीओ! गंगा सामने बहती है। और गंगा के लिए तो चाहे दो कदम भी उठाना पड़े, सुख तो उससे भी करीब है। सुख तो तुम्हारा स्वभाव है। डूबो इस स्वभाव में। जिन्होंने भी कभी आनंद पाया है, उन्होंने एक बात निरंतर दोहराई है कि आनंद तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार है। तुम जिस दिन तय कर लोगे कि आनंदित होना है, उसी क्षण आनंदित हो जाओगे। फिर एक पल की भी देरी नहीं है। देरी का कोई कारण नहीं है।

अमरीकी चुनाव में बदलाव और भारत

श्याम सरन

इस सप्ताह गुरुवार को कमला हैरिस को औपचारिक रूप से नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए डैमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार नियुक्त किया गया है। शिकागो में आयोजित डैमोक्रेटिक पार्टी कन्वैंशन हैरिस के उल्लेखनीय रूप से सफल अभियान की परिणति को चिह्नित करेगा, जो मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडेन के तहत एक विनम्र और पैदल चलने वाली राजनीतिक शख्सियत और ज्यादातर अदृश्य उप-राष्ट्रपति के रूप में उनकी छवि को तोड़ देगा। एक बार जब बाइडेन अपनी पार्टी में दौड़ से हटने के दबाव के आगे झुक गए तो डैमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार के रूप में उनका त्वरित और निर्विरोध समर्थन अप्रत्याशित था। उनके अभियान में नकदी की जो बाढ़ आनी शुरू हुई वह लगभग शानदार थी। हफ्तों तक बाइडेन प्रशासन के अंदरूनी सूत्रों ने इस बात पर जोर दिया था कि राष्ट्रपति को दूसरे कार्यकाल के लिए प्रयास करना होगा क्योंकि उनके स्थान पर अनुपस्थिति पसंद कमला हैरिस होंगी जो 'राष्ट्रपति पद के लिए तैयार नहीं' थीं और डोनाल्ड ट्रम्प को रोक नहीं सकती थीं।

चुनावों में आसान जीत से रिपब्लिकन उम्मीदवार और अब जनमत सर्वेक्षणों में वह ट्रम्प से आगे चल रही हैं। राजनीतिक गति उनके पक्ष में है। उन्होंने पूरे देश में एक अच्छा माहौल पैदा किया है और अभियान के लिए बचे 6 हफ्तों में किसी भी गंभीर गलत कदम को छोड़कर, वह अमरीका की पहली महिला राष्ट्रपति और मिश्रित नस्ल की राष्ट्रपति बन सकती हैं। वह पुरस्कार के इतने करीब पहुंच गई हैं, जो कभी-कभी भारी बाधाओं के बावजूद राजनीतिक नवीनीकरण के लिए उल्लेखनीय अमरीकी क्षमता का प्रमाण है। दुनिया के अधिकांश लोगों के लिए कमला हैरिस का अमरीकी राष्ट्रपति बनना एक बड़ी राहत की अनुभूति लेकर आएगा।

भारत में, किसी ने उम्मीद भी नहीं की होगी कि एक अमरीकी राजनीतिक नेता का उल्लेखनीय उदय, जो उतना ही भारतीय-अमरीकी है जितना कि वह अश्वेत अमरीकी है, अब तक प्रदर्शित होने की तुलना में कहीं अधिक रुचि और आत्मीयता की भावना पैदा करेगा। विदेशों में भारतीय मूल के लोगों की सफलता का जश्न मनाते हुए गर्व की अभिव्यक्तियां अवश्य सुनी जाती हैं। भारत में उनके पारिवारिक संबंधों और नए जीवन की तलाश में उनकी मां की अमरीका यात्रा पर कुछ कहानियां हैं। अमरीका में उनकी अपनी राजनीतिक यात्रा की कहानी में अधिक रुचि पैदा होनी चाहिए थी लेकिन ऐसा नहीं है। यह असामान्य है।

अगले साल जनवरी में जो भी प्रशासन कार्यभार संभालेगा, भारत को उससे निपटना होगा। ट्रम्प के नेतृत्व वाला रिपब्लिकन या हैरिस के नेतृत्व वाला डैमोक्रेटिक। अमरीका में दोस्तों से बात करते हुए, कभी-कभी सुनने को मिलता है कि डैमोक्रेट्स के बीच यह धारणा है कि वर्तमान भारतीय जनता पार्टी की सरकार हैरिस के नेतृत्व वाले डैमोक्रेटिक प्रशासन के बजाय ट्रम्प प्रशासन को प्राथमिकता देगी यदि ट्रम्प राष्ट्रपति के लिए नियुक्त हो जाते हैं। यदि ऐसा है तो ऐसी किसी भी धारणा को दूर करने का प्रयास किया जाना चाहिए। यह मददगार होगा अगर अगले महीने न्यूयॉर्क में भविष्य के लिए संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन के लिए अमरीका की अपनी आगामी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुश्री हैरिस से जुडने् का अवसर तलाशें। पिछले एक दशक में भारत-अमरीका संबंधों ने अभूतपूर्व विस्तार और गहराई हासिल की है। हालांकि बंगलादेश जैसे विशिष्ट मुद्दों पर मतभेद हो सकते हैं। दोनों देशों के बीच समग्र रणनीतिक अभिसरण बरकरार है।

दोनों में से कोई नहीं चाहता कि इ्क्षहद-प्रशांत क्षेत्र पर चीन का प्रभुत्व हो। विकास के अपने वर्तमान चरण में, नागरिक और रक्षा दोनों क्षेत्रों में अत्याधुनिक अमरीकी प्रौद्योगिकी तक भारत की पहुंच महत्वपूर्ण है। अमरीका भारत के लिए एक प्रमुख बाजार बना हुआ है खासकर सेवा क्षेत्र में, और अमरीकी पूंजी प्रवाह भारत की विकास कहानी में एक महत्वपूर्ण कारक बन गया है। वर्षों से, भारत को अमरीका में द्विदलीय समर्थन प्राप्त हुआ है और इस संपत्ति को बरकरार रखा जाना चाहिए और सभी राजनीतिक व नागरिक समाज की भागीदारी के माध्यम से पोषित किया जाना चाहिए। जैसा कि अतीत में होता रहा है, भारत की घरेलू राजनीति और सामाजिक मुद्दों पर आलोचनात्मक टिप्पणियां होंगी।

हमारी प्रतिक्रियाएं संयमित और मापी जानी चाहिएं। एक मुद्दा है जिससे दोनों पक्षों को सावधानीपूर्वक निपटने की आवश्यकता होगी। यह भारतीय सुरक्षा एजैंसियों से जुड़े होने के संदेह वाले व्यक्तियों द्वारा कनाडा और अमरीका में खालिस्तानी तत्वों की हत्या और हत्या के प्रयास के आरोपों से संबंधित है। अमरीकी न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा बनने से इस मुद्दे से निपटना अब जटिल हो गया है। इसे उस सांझेदारी पर हावी होने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए जो अनिश्चित और अप्रत्याशित दुनिया में भू-राजनीतिक आधार बन गई है।

आज का इतिहास

1903 ऑस्ट्रेलियाई संसद में न्यायपालिका अधिनियम पारित किया गया।
1916 टोटनबर्ग के युद्ध में रूस ने जर्मनी को पराजित किया।
1916 राष्ट्रीय उद्यान सेवा राष्ट्रीय उद्यानों और ऐतिहासिक स्थलों के राष्ट्रीय रजिस्टर के रूप में वर्गीकृत क्षेत्रों को राष्ट्रीय उद्यान सेवा कार्बनिक अधिनियम के साथ कांग्रेस द्वारा बनाई गई है।
1920 जोज़ेफ़ पिल्सडस्की के तहत पोलिश सेनाओं ने सफलतापूर्वक रूसियों को वारसॉ की लड़ाई में वारसॉ से वापस लेने के लिए मजबूर किया, पोलिश-सोवियत युद्ध के निर्णायक।
1921 अमेरिका ने जर्मनी के साथ शांति संधि पर हस्ताक्षर किया
1939 यूनाइटेड किंगडम और पोलैंड ने यूरोपियनपॉवर द्वारा सैन्य आक्रमण के मामले में एक सैन्य गठबंधन के लिए आपसी सहायता में प्रवेश किया।
1945 कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना के सशस्त्र समर्थकों ने अमेरिकी सैन्य खुफिया अधिकारी और बैपटिस्ट मिशनरी जॉन बिरचा की हत्या कर दी। वह एक जापानी जेल शिविर में मित्र देशों के कर्मियों तक पहुँचने के लिए एक मिशन का नेतृत्व कर रहा था।
1950 एलेथा गिब्सन ने अमेरिकी टेनिस चैंपियनशिप में प्रवेश किया, जो कि पहली अफ्रीकी-अमेरिकी महिला बन गईं, जो कि द वर्ल्ड टेनिस टूर की प्रतियोगी थीं।
1963 सोवियत संघ के नेता जोसेफ स्टातलिन के 16 विरोधियों को फांसी पर चढ़ा दिया गया।
1967 अमेरिकी नाजी पार्टी के नेता जॉर्ज लिंकन रॉकवेल को वर्जीनिया के आर्लिंगटन के एक शॉपिंग सेंटर में एक स्नाइपर ने गोली मारी है।
1967 अमेरिकी नाजी पार्टी के संस्थापक जॉर्ज लिंकन रॉकवेल को जॉन पैटलर ने अपने समूह के पूर्व सदस्य की हत्या कर दी थी।
1977 सर एडमंड हिलेरी का सागर से हिमालय अभियान हल्दिया बंदरगाह से शुरू हुआ।

जातियों में बांटकर सनातन धर्म को कमजोर करने की साजिश!

दीपक कुमार त्यागी

देश में पिछले कुछ वर्षों से कुछ लोगों के द्वारा अपने क्षणिक स्वार्थों को पूरा करने के लिए विश्व के सबसे प्राचीन धर्म व महान धर्म सनातन धर्म को जातियों में विभाजित करके उसको कमजोर करने का ज़हरीला एजेंडा निरंतर चलाया जा रहा है। यह चंद लोग दिन-रात इस बात के लिए व्यस्त हैं कि किस तरह से सनातन धर्म के अनुयायियों को जल्द से जल्द जातियों में बांटकर अपना स्वार्थ जल्द से जल्द पूर्ण किया जाए। इसलिए इन चतुर लोगों का गैंग हिन्दुस्तान की आत्मा हिन्दुओं को बिना सिर-पैर के मुद्दों पर आपस में लड़ाकर के जातियों के नाम पर बांटकर के हिन्दुओं की ताकत को कमजोर करने की साज़िश रचने में लगा हुआ है। ऐसा करके यह चंद लोग एक तरफ तो सनातन धर्म के अनुयायियों की एकता को बेहद चालाकी से चोट पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ यह लोग देश के विकास में बाधक बन करके भारत को विश्वगुरु बनने से रोकने का षड्यंत्र भी रच रहे हैं। यह चंद लोग बड़ी ही चतुराई के साथ %फूट डालो राज करो% के अंग्रेजों की बनाई नीति पर सनातन धर्म के अनुयायियों के बीच जाकर के दिन-रात काम कर रहे हैं। धरातल के हालात देखकर लगता है कि सरकार भी इन चंद लोगों के जातिवाद के ज़हरीले एजेंडे को समझ करके उस पर अंकुश लगाने में अब तक तो पूरी तरह से विफल रही है, वह इन लोगों की अभी तक तो कोई ठोस काट ढूंढ नहीं पाई हैं।

देश में बहुत सारे लोगों का मानना है कि जिस भारतीय जनता पार्टी ने वर्ष 2014 व 2019 के चुनावों में मोदी मैजिक के दम पर देश में जातियों की बेड़ियों को तोड़कर के हिन्दुओं को एक करके दो बार केन्द्र में स्पष्ट बहुमत हासिल कर के सरकार बनायी थी, उस मोदी सरकार के निर्माण में हिन्दुओं को एकजुट करने वाले फार्मूले का बहुत बड़ा योगदान था। वहीं तीसरी बार वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में जाने से पहले ही विपक्ष के बहुत सारे नेताओं के साथ-साथ खुद सत्ता पक्ष के कुछ नेताओं ने अपने क्षणिक स्वार्थों को पूरा करने के लिए हिन्दुओं की एकजुटता की बात ना करके उन्हें जातियों में बांटकर बात करनी शुरू कर दी थी, जिसके चलते इस बार के लोकसभा चुनावों में मतदान के समय हिन्दू मतदाता एकबार फिर से जातियों में पूरी तरह से बंट गया था, जिसके परिणामस्वरूप भाजपा केन्द्र में स्पष्ट बहुमत की सरकार बनाने से चूक गयी। लेकिन चुनाव बीत जाने के बाद अब भी देश में जातिवाद की राजनीति विपक्ष व सत्ता पक्ष के कुछ लोगों के द्वारा निरंतर जारी है, जोकि हिन्दुओं को जातियों में तोड़कर के देश व हिन्दुओं को कमजोर करने का कार्य कर रही है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में जातिवाद की राजनीति के दम पर विपक्षी दलों को मिली भारी सफलता के चलते ही आज पूरे देश में एकबार फिर से हिन्दुओं को जातियों में बांटने के लिए जातियों के नाम पर तरह तरह से बरगलाने वाले लोगों व नेताओं की एक पूरी फौज धरातल पर जोशो-खरोश के साथ दिन-रात कार्य कर रही है, देश व सनातन धर्म के हित में इस स्थिति को जल्द से जल्द रोकना होगा।

हालांकि लोगों का मानना है कि जिस तरह से पिछले कुछ वर्षों में भारत वैश्विक स्तर पर एक बेहद मजबूत ताकत बन कर के उभरा है, जिस तरह से उसने दुनिया के हर क्षेत्र में अपना लोहा मनवाने का कार्य बखूबी किया है। उस स्थिति के चलते भारत के नये दोस्त व नये दुश्मन भी बने हैं, जिसमें दुश्मन देश चाहते हैं कि भारत में कोई ऐसा विवाद खड़ा किया जाये, जो भारत के विकास की गति को रोकने का कार्य कर सकें और आज देश में जातिवाद का ज़हर एक ऐसा ही जहरीला ज्वलंत मुद्दा बन गया है, जिसने भारत के मौजूदा नेतृत्व को परेशान कर रखा है और दुनिया के साथ-साथ देश के हर वर्ग का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित कर रखा है। वैसे भी धरातल का हाल देखा जाए तो हमारे प्यारे देश में कुछ लोग सनातन धर्म के अनुयायियों को जातियों में बांटकर के सनातन धर्म के अनुयायियों में फूट डालने का कार्य दशकों से करते आ रहे हैं। इन लोगों का गैंग देश में लंबे समय से ही बहुत सारे नासमझ लोगों के सहयोग से जातिवाद के विभिन्न मुद्दों से जुड़ी बात का बहुत ही तेजी के साथ बतंगड़ बनाने का कार्य करता आया है।

जिसके चलते ही समय-समय पर हमारे देश के बहुत सारे माननीय अपनी कांठ की हांडी को बार-बार चढ़ाने में सफल होते रहते हैं। संविधान ख़तरे में है, आरक्षण समाप्त हो जायेगा, उत्तर प्रदेश में शिक्षक भर्ती विवाद, केन्द्र सरकार की लेटरल एंट्री भर्ती पर विवाद खड़ा करना आदि इसका हाल के दिनों के चंद उदाहरण हैं, जिन मुद्दों पर देश में संसद से लेकर सड़क तक खूब आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति जमकर हो रही है।

इक्कीसवीं सदी के हमारे प्यारे आधुनिक भारत में पक्ष-विपक्ष के चंद राजनेताओं ने अपने स्वार्थों की खातिर पहले तो देश के आम जनमानस के बीच धर्म के आधार पर एक बहुत गहरी खाई खोद कर के लोगों को बांटने का कार्य किया था। जब उससे काम नहीं चला तो फिर इन लोगों ने देश के आम जनमानस को क्षेत्रवाद, भाषावाद व जातिवाद आदि के नाम पर बांटने का कार्य भी बेहद बखूबी के साथ किया है। लेकिन फिर भी सनातन धर्म के अनुयायियों के एक बड़े वर्ग ने वर्ष 2014 व वर्ष 2019 में नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनता हुआ देखने के लिए एकजुट होकर के जाति का भेद मिटाकर के मोदी को एकजुट होकर वोट देने का कार्य किया था। इन चंद लोगों ने मोदी की उस मेहनत को खत्म करने का कार्य अब 2024 में कर दिया है, क्योंकि वर्ष 2014 व 2019 के हालात को देखकर के लगता था कि देश से जल्द ही जातिवाद की राजनीति की अब पूरी तरह से विदाई हो जायेगी, लेकिन वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले ही इन जातिवाद की राजनीति करने वाले क्षणिक स्वार्थी लोगों ने धरातल पर ऐसा जातिवाद का ताना-बाना बुनकर जहरीला माहौल बनाना शुरू कर दिया था, जिसने हिन्दुओं को पूरी तरह से जातियों में बांटकर के बिखेरने का कार्य कर दिया। जबकि उस वक्त अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के मंदिर निर्माण के नाम एकजुट हुए सनातन धर्म के सभी अनुयायियों की ताकत के दम पर लोकसभा के चुनावों में एकबार फिर से भाजपा को स्पष्ट प्रचंड बहुमत मिलता हुआ नज़र आ रहा था?।

क्योंकि देश में उस वक्त सनातन धर्म के अधिकांश अनुयायी जातियों के बंधन को भूलकर के सिर्फ हिन्दू बनकर के एकजुट होकर के भाजपा को प्रचंड बहुमत से जिताने के लिए बेहद आतुर थे। लेकिन फिर भी ना जाने क्यों और कैसे भाजपा के शीर्ष रणनीतिकारों ने चुनाव से पहले अपने पूर्व के चुनावों की भांति हिन्दुओं की एकजुटता व हितों की रक्षा की बात ना करके विपक्षियों की राह पर चलते हुए हिन्दू वोटरों को अलग-अलग जातियों में बांटने का राग निरंतर अलापना जारी रखा था, जिसका परिणाम यह हुआ कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में हिन्दू वोटरों का एक बड़ा वर्ग जातियों में अलग-अलग होकर के पूरी तरह से जातियों में बंट गया था, जिसके चलते ही केन्द्र में भाजपा को उम्मीद के अनुरूप लोकसभा की सीटें प्राप्त नहीं हुई। देश में अचानक से बदले इस माहौल के फलस्वरूप भाजपा को केंद्र की सत्ता बचाने के लिए अब एक ऐसे गठबंधन के भरोसे रहना पड़ रहा है, जिसमें जातिवाद से ओत-प्रोत राजनेता भी शामिल हैं, जो मोदी सरकार में एक सहयोगी होने के बावजूद भी जातिगत मुद्दों पर आये दिन मोदी सरकार की टांग खिंचाई करने से बाज़ नहीं आते हैं।

हालांकि लोकसभा चुनावों के बाद हिन्दू धर्म के अधिकांश लोगों को लगता था कि जातिवाद की यह गहरी खाई चुनावों के बाद अब जल्द ही पूरी तरह से भर जायेगी। लेकिन अफसोस आज भी देश में जातिवाद का बहुत ही चिंताजनक अजीबोगरीब माहौल बना हुआ है। धरातल के हालात देखकर लगता है कि चंद नेताओं की कृपा से जातिवाद का ज़हर अब तो हिन्दुओं में बड़े पैमाने पर फैल गया है। जातिवाद के इस ज्वलंत मुद्दे पर अब तो हमारे बहुत सारे पक्ष-विपक्ष के सम्मानित माननीय राजनेतागण आग में घी डालकर के अपनी क्षणिक राजनीतिक रोटियां सेंकने का कार्य कर रहे हैं। जिस सनातन धर्म के अनुयायियों ने नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री चुनने के लिए देश में दो बार जातिवाद के बैरियर को तोड़कर के उन्हें चुनने का कार्य किया था, आज उस भाजपा की भी यह मजबूरी हो गयी है कि वह भी जातिवाद का राग अलापने वाले लोगों के सहयोग से केन्द्र की सरकार चलाने में व्यस्त हैं। वहीं हाल ही के दिनों में न्यायालय के दो अहम निर्णय आये हैं, जिसमें आरक्षण में वर्गीकरण व उत्तर प्रदेश में आरक्षण में अनियमितता के चलते शिक्षक भर्ती की मेरिट लिस्ट दोबारा तैयार करने की बात कही गयी है, लेकिन जातिवाद की राजनीति करने वाले हमारे देश के बहुत सारे राजनेताओं के लिए यह आदेश एक संजीवनी बूटी की तरह बन गये हैं, वह इन आदेशों को आम जनता के बीच तोड़-मरोड़कर के प्रस्तुत करते हुए उनका उपयोग देश में हिन्दुओं को जातियों में बांटने के लिए आग में घी डालने के रूप में करते हुए हिन्दुओं को जातियों में विभाजित करके कमजोर बनाने के लिए कर रहे हैं। खैर जो भी हो लेकिन अब वह समय आ गया है कि जब देशहित व सनातन धर्म के हित में हिन्दुओं को समझना होगा कि उन्हें किसी दुसरे धर्म से अधिक जातिवाद के इस घातक ज़हर से बहुत ज्यादा ख़तरा है, वहीं अब वह समय आ गया जब देश में हिन्दू धर्म के सभी पूजनीय धर्म गुरुओं को जातिवाद की गहरी होती जड़ों को खत्म करने के लिए धरातल पर ठोस पहल अपने मार्गदर्शन में करनी होगी। क्योंकि अब देश के किसी भी राजनीतिक दल के छोटे या बड़े राजनेता से जातिवाद के ज़हर को खत्म करने की उम्मीद करना पूरी तरह से बेमानी है और सनातन धर्म व उसके अनुयायियों की रक्षा व एकजुटता को बरकरार रखने की उम्मीद करना बेमानी है।

भाजपा के सहयोगियों ने कुछ पाया, कुछ खोया

हरीश गुप्ता

मोदी सरकार ने शायद विवादास्पद प्रसारण विधेयक को ठंडे बस्ते में डाल दिया है और वक्फ (संशोधन) विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति को भेजने पर सहमति हो गई है। वह संसद द्वारा 2023 में पारित किए जाने के एक साल बाद भी डाटा संरक्षण अधिनियम से संबंधित नियम जारी नहीं कर पाई है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विदेशियों सहित सभी हितधारकों की चिंताओं का ध्यान रखा जाएगा। सरकार ने बदले हुए राजनीतिक परिदृश्य यानी जून 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा के अपने दम पर बहुमत हासिल करने में विफल रहने को देखते हुए सुरक्षित दांव चला है। लेकिन उसने चुपचाप अपने प्रमुख सहयोगियों जैसे जनता दल (यू) और तेलुगू देशम पार्टी का समर्थन 'धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता विधेयक और एक राष्ट्र एक चुनाव' पर सुनिश्चित करके अपनी सफलताओं की श्रृंखला में एक और उपलब्धि हासिल कर ली। दोनों ही मोदी 0.3 के प्रमुख सहयोगी हैं और उनके स्पष्ट समर्थन के बिना, ये विधेयक संसद में पारित नहीं हो सकते। जब प्रधानमंत्री मोदी स्वतंत्रता दिवस के भाषण में लाल किले की प्राचीर से 'धर्मनिरपेक्ष समान नागरिक संहिता' विधेयक के बारे में बोल रहे थे, तो दोनों सहयोगी मुस्कुरा रहे थे। यह पहली बार है जब प्रधानमंत्री ने पिछले दस वर्षों के अपने कार्यकाल के दौरान 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द का इस्तेमाल किया। अब तक भाजपा 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द का मजाक उड़ाती थी और विरोधियों को 'छद्म धर्मनिरपेक्षतावादी' कहती थी।

मोदी को एक और बड़ी उपलब्धि तब हासिल हुई जब इन सहयोगियों ने सरकार को 'एक देश एक चुनाव' के मुद्दे पर भी अपना पूरा समर्थन दिया। हालांकि यह एक लंबी प्रक्रिया होगी लेकिन सहयोगियों के समर्थन से रास्ता आसान हो जाएगा। विपक्षी दल पहले से ही चिंतित हैं कि हर गुजरते दिन के साथ उनके सांसदों की खरीद-फरोख्त हो रही है। राज्य सरकारें अपने अस्तित्व पर खतरे का सामना कर रही हैं। दोनों सहयोगियों के बल पर इन विधेयकों को पारित कराना भले ही बहुत आसान हो जाए लेकिन जब लेटरल एंट्री के जरिये 45 पदों को भरने की बात आई तो सरकार दबाव में आ गई और प्रस्ताव वापस ले लिया। सत्तारूढ़ दल मोदी राज में खिलाड़ियों के बढ़ते ओलंपिक पदकों का समुचित श्रेय भले ही ले रहा हो, लेकिन उसे इस बात से परेशानी है कि हुड्डा परिवार का हरियाणा के खिलाड़ियों पर जबरदस्त प्रभाव है। वह इस बात से नाराज है कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा के बेटे लोकसभा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने यह सुनिश्चित किया कि हरियाणा की ओलंपियन मनु भाकर इन पदक विजेताओं के प्रधानमंत्री या खेल मंत्री से मिलने से पहले ही सोनिया गांधी से मिलें। लेकिन मौका ऐसा है कि सत्ताधारी दल इस बारे में सार्वजनिक तौर पर कुछ नहीं कह सकता।

हरियाणा में आगामी विधानसभा चुनाव में विनेश फोगाट और साइना नेहवाल के बीच कड़ी चुनावी जंग की संभावना उभरने के बाद भाजपा भी इस पर कड़ी नजर रख रही है। दीपेंद्र सिंह हुड्डा पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि उनकी पार्टी राज्यसभा की एकमात्र सीट के लिए विनेश फोगाट का समर्थन करेगी, जहां उपचुनाव होना है। हुड्डा के लोकसभा में निर्वाचित होने के बाद यह सीट खाली हुई थी। लेकिन विनेश फोगाट ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, क्योंकि भाजपा इस सीट पर जीत दर्ज करने जा रही है। हालांकि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विनेश फोगाट को पदक जीतने में विफल रहने के बावजूद, उनके शानदार प्रदर्शन के लिए चार करोड़ रुपए का नगद पुरस्कार दिया। यह भी पता चला है कि भाजपा पूर्व बैडमिंटन चैंपियन साइना नेहवाल को मैदान में उतारने पर विचार कर रही है। दिलचस्प बात यह है कि हरियाणा की दो मशहूर हस्तियों विनेश और साइना के बीच प्रतिद्वंद्विता तब सामने आई जब साइना ने एक बयान जारी किया जो विनेश को बहुत पसंद नहीं आया। इस मामले का उपसंहार होना अभी बाकी है।

केरल में 31 अगस्त से 2 सितंबर के बीच होने वाली आरएसएस की सर्वोच्च संस्था 'प्रतिनिधि सभा' के कोर ग्रुप में भाजपा के नए अध्यक्ष के मुद्दे पर चर्चा की संभावना नहीं है। खबरों की मानें तो नियमित अध्यक्ष चुने जाने तक अंतरिम अध्यक्ष नियुक्त करने को लेकर आरएसएस और भाजपा के बीच कुछ बातचीत चल रही है। आरएसएस उन राज्यों में भाजपा के विस्तार कार्यक्रम को मजबूत करने के लिए अधिक महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगा, जहां उसे अधिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए ओबीसी पसंदीदा हो सकता है। भाजपा नेतृत्व ने पहले ही संगठनात्मक चुनाव कराने का विस्तृत कार्यक्रम घोषित कर दिया है, ताकि 2025 की शुरुआत में पूर्णकालिक अध्यक्ष चुना जा सके। लेकिन समझा जाता है कि आरएसएस अंतरिम अध्यक्ष के लिए उत्सुक है। आरएसएस ओबीसी का समर्थन हासिल करने पर भी ध्यान केंद्रित कर सकता है, एक ऐसा समुदाय, जिसे अब इंडिया गठबंधन की पार्टियों के साथ अधिक माना जाता है। भगवा परिवार को चिंता यह है कि कांग्रेस ने 90 के दशक की शुरुआत में 'मंडल आयोग' की रिपोर्ट के कार्यान्वयन का विरोध करने के बाद ओबीसी का समर्थन खो दिया था, लेकिन राहुल गांधी उनके हितों के मुद्दे उठाकर भाजपा को पीछे धकेलते हुए उनका समर्थन हासिल कर रहे हैं। निजी क्षेत्र से शीर्ष नौकरशाही पदों पर 45 लेटरल एंट्रेंट की भर्ती के मामले में भी राहुल गांधी ने सरकार पर बड़े पैमाने पर ऐसी भर्तियों में ओबीसी, एससी और एसटी के हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाकर सुर्खियां बटोरीं। भाजपा नेतृत्व इस मुद्दे को अगले साल तक टालना चाहता है जब संगठनात्मक चुनाव होंगे। इस संबंध में अभी अंतिम फैसला होना बाकी है।

सरकार बार-बार बैकफुट पर क्यों

ऋतुपर्ण दवे

केन्द्र की एन.डी.ए. समर्थित मोदी सरकार क्या निर्णय ले पाने में खुद को असहज महसूस कर रही है? क्या सरकार के लिए उसके गठबंधन ही मुश्किलें पैदा कर रहे हैं? और क्या सरकार को पता नहीं कि वह जो करने जा रही है उसका विरोध होगा और बैकफुट तक पर आना पड़ेगा? क्या यह मोदी-शाह की शतरंज की चाल है या चाणक्य नीति? देश,पक्ष-विपक्ष को पता है कि मोदी-शाह इतने भी नासमझ नहीं कि उन्हें इनके परिणामों या इससे समर्थक दलों के नाक-भौं सिकोडने या विरोध का अंदाज न हो!

मोदी-शाह जानते हैं कि उनके मजबूत सहयोगी जे.डी.यू. और टी.डी.पी. अपने-अपने राज्यों में कट्टर सैकुलर समर्थक हैं। किसी भी दशा में अल्पसंख्यकों का विरोध नहीं लेंगे। यही उनकी पहचान भी है। अल्पसंख्यकों के हितों में बड़े-बड़े फैसले और योजनाएं दोनों राज्यों में लगातार जारी हैं। इतना सब जानते हुए भी मोदी सरकार का अपने तीसरे कार्यकाल में ऐसा बार-बार कर बैकफुट पर आना कोई रणनीति तो नहीं? इसी अगस्त में 4 मामलों में सरकार का फैसला बदलना या यू-टर्न बताता है कि यह अनजाने में लिया गया फैसला नहीं हो सकता। बजट भाषण में वित्त मंत्री ने लॉन्ग टर्म और शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन टैक्स में बदलाव की घोषणा के साथ संपत्ति की बिक्री के लिए इंडैक्सेशन लाभ को भी समाप्त करने का प्रस्ताव रखा।

इसका इतना जबरदस्त विरोध दिखा कि प्रावधानों में संशोधन करना पड़ा और नए-पुराने दोनों टैक्स सिस्टम में से किसी एक को चुनने का विकल्प देना पड़ा। इसी तरह वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक लाया गया। जिसमें वक्फ संपत्ति का जिला कलैक्टर कार्यालय में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य कराने तथा मूल्यांकन कराने का प्रावधान किया गया। अधिनियम बनने से पहले या बाद में ऐसी वक्फ संपत्ति जो सरकारी रही हों, वक्फ की नहीं मानी जाएंगी। संपत्ति तय करने का अधिकार कलैक्टर को दिया गया जो अंतिम फैसला लेंगे। इसका पक्ष-विपक्ष ने विरोध किया

जिसके बाद जे.पी.सी. को सौंपा गया। हालांकि अगले संसद सत्र तक देखना होगा कि सबका रुख क्या होगा?

फिलहाल अंदर ही अंदर चाहे नीतीश हों या चिराग या फिर टी.डी.पी. इन्हें कैसे राजी किया जाएगा और जे.पी.सी. रिपोर्ट में क्या आता है। इसी तरह सरकार द्वारा लाए गए ब्रॉडकास्टिंग बिल-2024 पर सरकार ने अपने पैर खींच लिए। इससे डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स और इंडीविजुअल कंटैंट क्रिएटर्स जबरदस्त तनाव में थे। विपक्ष भी इसको हवा दे रहा था। ओ.टी.टी. प्लेटफार्म्स और डिजिटल कंटैंट क्रिएटर्स सभी का कहना था कि बिल से एक तरह की सैंसरशिप की तैयारी है। इसके आने के बाद सरकार की कड़ी आलोचना हुई।

इसे निजता का उल्लंघन बता, दुरुपयोग की संभावनाओं के चलते विरोध किया गया। प्रैस की स्वतंत्रता के लिए घातक बताया गया। विरोध के बाद इसे भी होल्ड कर दिया गया और विचार-विमर्श के बाद नए ड्राफ्ट की बात कह एक तरह से ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। इसी तरह सबसे ज्यादा हल्ला लैटरल एंट्री को लेकर 17 अगस्त को प्रकाशित संघ लोक सेवा आयोग के उस विज्ञापन के बाद हुआ जिसमें ऐसी नियुक्तियों में आरक्षण की अनदेखी को खास मुद्दा बनाया गया। हालांकि साल 2018 में पहली बार मोदी सरकार ने कई नियुक्तियां की थीं।

तब से लेकर अब तक 63 नियुक्तियां हो चुकी हैं। इसमें 35 प्राइवेट सैक्टर से हैं। जुलाई तक लैटरल एंट्री से आए 57 लोग अपने पदों पर काम कर रहे थे। लेकिन 17 अगस्त को 45 नई नियुक्तियों के एकमुश्त विज्ञापन से राजनीतिक बवाल शुरू हो गया। सामाजिक न्याय और वंचित वर्ग के विरुद्ध सरकारी दुष्चक्र बता पीछे के दरवाजे से चहेतों को एंट्री देने का आरोप भी लगा। चिराग पासवान ने तो खुलकर विरोध में अपना पक्ष रखा। 20 अगस्त को केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने संघ लोकसेवा आयोग को चिट्ठी भेजकर विज्ञापन रद्द करने को कहा। इसे प्रधानमंत्री की नजर में समानता और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों पर आधारित होना था, बताकर मामले का पटाक्षेप किया।

महज अगस्त माह में ही सरकार के चार मामलों में बैकफुट पर आने को राजनीतिक चश्मे से अलग-अलग देखा जा रहा है। लेकिन ऐसा भी नहीं कि पूर्ण बहुमत में रहते हुए मोदी सरकार ने कभी फैसले वापस न लिए हों। 2014 में सत्ता में आकर साल भर बाद 2015 में भूमि अधिग्रहण कानून पर पुर्नविचार की मांग को स्वीकारते हुए 6 विवादास्पद संशोधनों को वापस लिया था। 2021 में 3 कृषि कानून वापस लिए। 2022 में डाटा प्रोटैक्शन बिल वापस लिया जिस पर जे.पी.सी. ने बाद में 81 संशोधनों की सिफारिश की। हां, अब सरकार पहले की तरह कड़े और बड़े फैसले ले पाने में खुद को असहाय बताकर कौन-सा नया दाव खेल रही है यह तो नहीं पता। लेकिन सरकार के बार-बार बैकफुट पर आने की बड़ी वजह जरूर है।

शायद यह भावनात्मक मुद्दे में बदले? फिलहाल 3 राज्यों सहित उत्तर प्रदेश के उप-चुनावों के नतीजों का इंतजार लगता है। कहते हैं राजनीति में जो दिखता है वह होता नहीं और जो होता है वह दिखता नहीं! क्या मतदाताओं को मोदी-शाह की जोड़ी कोई बड़ा संदेश दे रही है? भाजपा को पूर्ण बहुमत न देकर बैसाखियों के सहारे बड़े और कड़े फैसले न ले पाने को मजबूरी के मायने से राजनीति में कहीं नई लहर पैदा करने के लिए शह और मात का दाव तो नहीं? इंतजार कीजिए राजनीति में कुछ भी असंभव नहीं।

ब्रिटिश काल से ही इस्लामिक कट्टरपंथ की चपेट में रहा है बांग्लादेश

चेतनादित्य आलोक

बांग्लादेशी सेना प्रमुख के द्वारा प्रधानमंत्री शेख हसीना से त्याग-पत्र लेने और उन्हें 45 मिनट के भीतर देश छोड़कर भागने के लिए मजबूर करने के बाद वहां की परिस्थितियां जितनी तेजी से बदली हैं, उससे दुनिया भर में आश्चर्य का माहौल बना हुआ है। विशेष रूप से उक्त घटना के बाद से मुस्लिम देशों के शासकों के पसीने यह सोचकर छूटने लगे हैं कि न मालूम अगला नंबर किसका लगने वाला है। कहीं उनके देश में भी तो ऐसा कुछ नहीं हो जाएगा। कहीं उनकी सत्ता का सिंहासन भी तो उनसे नहीं छिन जाएगा। वहीं, दूसरी ओर लोकतंत्र के हिमायतियों और लोकतांत्रिक देशों के शासकों को आश्चर्य हो रहा है कि हाल तक एक समावेशी लोकतांत्रिक देश प्रतीत होने वाला बांग्लादेश अचानक इस कदर इस्लामिक कट्टरपंथियों के हाथों का खिलौना कैसे बन गया। तमाम घटनाओं को उनकी संपूर्णता में स्वीकार कर उन पर गहराई से विचार करने से मालूम होता है कि वास्तव में बांग्लादेश अचानक इस्लामिक कट्टरपंथियों के हाथों का खिलौना नहीं बन गया, बल्कि सन् 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्र होने के बाद से ही वहां पर लगातार इस्लामिक कट्टरपंथी, आतंकवादी एवं अन्य उग्रवादी समूहों और संगठनों ने अपनी शक्ति और आकार बढ़ाने का कार्य किया है। सबसे बड़ी आश्चर्य की बात तो यह कि उन्होंने अपना यह अभियान चोरी-छुपे नहीं चलाया, बल्कि वे हमेशा से मुखर रहे हैं।

गौरतलब है कि इन तमाम इस्लामिक कट्टरपंथी एवं आतंकवादी समूहों और संगठनों को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ अपना खुला समर्थन और सहयोग प्रदान करती रही है। बांग्लादेशी इस्लामिक कट्टरपंथी एवं आतंकवादी समूहों और संगठनों तथा पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ का यह गंठजोड़ इतना घातक है कि इसने बांग्लादेश की धरती पर मानवता को तार-तार करने का कोई अवसर नहीं छोड़ा। इसी घातक समीकरण की दो प्रमुख कड़ियां जमात-उल-मुजाहिदीन एवं जमात-ए-इस्लामी नामक कट्टरता फैलाने वाले संगठन हैं। बता दें कि ये दोनों संगठन

हमेशा से ही बांग्लादेश के मूल राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक ढांचे के विरूद्ध कार्य करते रहे हैं। दरअसल, इन संगठनों का लोकतांत्रिक पद्धति और शासन से कभी कुछ भी लेना-देना नहीं रहा है। ये तो बांग्लादेश का पूर्ण इस्लामीकरण करने के उद्देश्य से वहां पर लोकतंत्र तथा देश के समावेशी विकास के आधारस्वरूप सामाजिक ताने-बाने को ध्वस्त करने के प्रयास हमेशा से करते रहे हैं। ये वही इस्लामिक रैडिकल संगठन हैं, जिन्होंने बांग्लादेश को रैडिकलाइज कर उसकी अनेकता में एकता की जड़ें खोदने का कार्य करते रहे हैं। इनमें जमात-उल-मुजाहिदीन, बांग्लादेश (जेएमबी) एक सक्रिय स्वदेशी आतंकवादी संगठन है, जिसका उद्देश्य बांग्लादेश को एक इस्लामी राज्य बनाना और वहां शरिया के आधार पर चलने वाली सरकार का गठन करना रहा है।

बता दें कि अप्रैल 1998 में ढाका प्रभाग के जमालपुर में अब्दुर रहमान द्वारा इसको स्थापित किया गया था और इसकी आतंकी गतिविधियों के लिए पहली बार 2001 में बांग्लादेश में इसकी पहचान सार्वजनिक हुई थी। हालांकि गठन के बाद से ही इस आतंकवादी संगठन ने देश के उत्तरी और दक्षिणी क्षेत्रों में आतंकियों की भर्ती करने, उन्हें प्रशिक्षण देने, धन जुटाने और अपने सदस्यों को संगठित करने का कार्य आरंभ कर दिया था। गौरतलब है कि 2005 में पूरे बांग्लादेश में धार्मिक हिंसा भड़काने के लिए तत्कालीन शेख हसीना सरकार ने इस संगठन को प्रतिबंधित कर दिया था, लेकिन यह संगठन अब तक काफी शक्तिशाली हो चुका था। इसलिए इसने सरकारी प्रतिबंध को धत्ता बताते हुए हार मानकर चुप बैठने के बजाए पलटवार किया और बांग्लादेश में शरिया कानून लागू करने की मांग को लेकर तत्कालीन बांग्लादेश के कुल 64 में से 63 जिलों में बम विस्फोट कराकर दहशत फैला दी थी। बांग्लादेश के इतिहास में जहरीले आतंकवाद के काले अध्याय की शुरूआत का वह दिन 17 अगस्त 2005 का था, जब जमात-उल-मुजाहिदीन, बांग्लादेश ने पूरे बांग्लादेश में 300 स्थानों पर 500 बम विस्फोट किए थे। हालांकि उसके बाद शेख हसीना सरकार की सख्ती के कारण यह संगठन कमजोर होता गया, किंतु 2016 में एक बार पुनरू इस आतंकवादी संगठन के गुर्गे संगठित हुए।

इस बार अपनी ताकत का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने बांग्लादेश में पंथनिरपेक्षतावादियों पर आक्रमण किए। उस दौरान उत्तरी बांग्लादेश में इसके गूर्गों ने कई सार्वजनिक हत्याएं भी कीं। इसी प्रकार जमात-ए-इस्लामी इस्लामिक कट्टरता फैलाने वाला बांग्लादेश का एक राजनीतिक दल है, जिसका गठन इस्लामिक विचारक सैयद अबुल अला मौदूदी ने ब्रिटिश भारत के दौरान ही सन् 1941 में की थी। गठन के समय यह एक सामाजिक संगठन था, जिसका उद्देश्य मुस्लिम जनता को रैडिकलाइज कर एकीकृत इस्लामिक राष्ट्र बनाने का था, लेकिन उसका सपना पूरा होने से पहले ही टूट गया, जब सन् 1947 में भारत का विभाजन हुआ।

बता दें कि विभाजन ने न केवल दो राष्ट्रों को, बल्कि भिन्न विचारधाराओं पर आधारित भारत और पाकिस्तान दो पृथक राज्यों को भी जन्म दिया। भारत एक पंथनिरपेक्ष राष्ट्र बना, जिसमें हिंदू बहुसंख्यक और बड़ी संख्या में मुस्लिम तथा जैन, बौद्ध, पारसी, सिक्ख, इसाई आदि कई अल्पसंख्यक समुदाय के लोग भी थे, जबकि पाकिस्तान एक मुस्लिम राज्य बना। जाहिर है कि विभाजन के बाद मौदूदी पाकिस्तान चले गए और वहां पर अपना एजेंडा चलाने लगे। फिर 16 दिसंबर 1971 को जब बांग्लादेश स्वतंत्र होकर एक अलग राष्ट्र बना, तब जमात ए-इस्लामी पार्टी भी दो फाड़ हो गई। इसका एक हिस्सा पाकिस्तान में रहा और दूसरा यानी पूर्वी धड़ा बांग्लादेश में फलने-फूलन लगा। फिलहाल, जमात-ए-इस्लामी बांग्लादेश की सबसे बड़ी इस्लामिक राजनीतिक पार्टी है, जो हमेशा से बांग्लादेशी राष्ट्रवादियों के विरोध में रही है।

भूमि ने बताया कैसे हमारी संस्कृति की वैज्ञानिक सोच पर आधारित है!

फोटो शेयरिंग एप्लीकेशन पर अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपने भोजन की एक तस्वीर शेयर की है। सावन महीने का आखिरी सोमवार 19 अगस्त को मनाया गया। इस फोटो में, हम मैश किए हुए आलू, कुट्टू पराठा, नींबू और हरी चटनी से भरी प्लेट देख सकते हैं। उन्होंने इसे कैप्शन दिया, सावन का आखिरी सोमवार..हमारी संस्कृति विज्ञान पर आधारित है। कुट्टू आटा जिसे बकव्हीट आटा भी कहा जाता है, इसका उपयोग व्रत के व्यंजन बनाने के लिए किया जाता है, क्योंकि यह ग्लूटेन-मुक्त होता है और आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है। सावन का पवित्र महीना भगवान शिव को समर्पित है, और लोग इस अवधि के दौरान अनाज, प्याज, लहसुन, अन्य खाद्य पदार्थों को खाने से बचते हैं। व्रत के दौरान कुट्टू आटा का सेवन करने से लोगों को अपने शरीर और मन को शुद्ध करने और दैवीय शक्ति से जुड़ने में मदद मिलती है। भूमि ने छह साल तक यशराज फिल्म्स में सहायक कास्टिंग निर्देशक के रूप में काम किया था। इसके बाद उन्होंने 2015 की रोमांटिक कॉमेडी दम लगा के हईशा में ज्यादा वजन वाली दुल्हन की भूमिका के रूप में अपनी फिल्मी शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने टॉयलेट- एक प्रेम कथा, शुभ मंगल सावधान, बाला, पति पत्नी और वो, सांड की आंख, बधाई दो, लस्ट स्टोरीज, दुर्गामती, रक्षा बंधन, थैंक यू फॉर कमिंग, भीड़, द लेडी किलर जैसी फिल्मों में अभिनय किया है। भूमि को पिछली बार क्राइम थ्रिलर फिल्म भक्षक में देखा गया था जो मुजफ्फरपुर शेल्टर केस पर आधारित है। पुलकित द्वारा निर्देशित और रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले गौरी खान और गौरव वर्मा द्वारा निर्मित इस फिल्म में संजय मिश्रा, आदित्य श्रीवास्तव और साईं ताम्हणकर भी हैं। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। भूमि ने हाल ही में रिलीज हुई फिल्म खेल खेल में में भी आवाज दी है। बता दें कि अभिनेत्री भूमि पेडनेकर के इंस्टाग्राम पर 9.8 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

सुपर स्टार प्रभास ने किया अपनी अनाम फिल्म का खुलासा

साउथ के सुपर स्टार प्रभास ने अपनी आगामी फिल्म का खुलासा किया है, जो एक अनाम ऐतिहासिक फिक्शन वेंचर है। प्रभास के साथ, फिल्म में हनु राघवपुडी, मिथुन चक्रवर्ती, जयाप्रदा और मानवी नज़र आएंगे। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर माइथ्री मूवी मेकर्स ने यह घोषणा साझा की है। इंस्टाग्राम पोस्ट में एक कैप्शन भी था, जिसमें लिखा था, जब युद्ध वर्चस्व की लड़ाई थे, एक योद्धा ने फिर से परिभाषित किया कि वे किसके लिए लड़े थे ॥प्रभासहनु, 1940 के दशक में सेट एक ऐतिहासिक फिक्शन की शूटिंग जल्द ही शुरू होगी। फिलहाल प्रभास की नई फिल्म का नाम क्या होगा, इस बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। इसका निर्देशन हनु राघवपुडी करेंगे। फिल्म के पूजा समारोह का आयोजन हैदराबाद में किया गया। फिल्म का निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स द्वारा किया जाएगा, जिसने इस समारोह से कुछ तस्वीरों को भी साझा किया है। पूजा समारोह के दौरान निर्देशक प्रशांत नील भी मौजूद थे, जिनके साथ प्रभास ने सालार- पार्ट 1 में काम किया है और इसके दूसरे भाग में भी दिखाई देंगे। उन्होंने प्रभास को उनकी नई फिल्म के लिए शुभकामनाएं भी दी। हनु राघवपुडी के निर्देशन में बनने जा रही इस फिल्म में प्रभास के अलावा जया प्रदा और मिथुन चक्रवर्ती भी मुख्य किरदार में दिखाई देंगे। वहीं, इमानवी को भी परदे पर देखा जाएगा, जो एक मशहूर डांसर हैं। इस फिल्म के नाम को लेकर एक अफवाह उड़ रही है। कहा जा रहा है कि फिल्म का नाम फौजी होगा। यह अनाम फिल्म एक पीरियड ड्रामा होगी, जिसमें 1940 के दशक के दौरान ब्रिटिश राज की कहानी दिखाई जाएगी। फिल्म में प्रभास एक फौजी के किरदार में नजर आएंगे। इसका संगीत विशाल चन्द्रशेखर तैयार करेंगे।

जीओएटी में बाप-बेटे की दोहरी भूमिका में हैं विजय

साउथ इंडियन स्टार थलापति विजय एक बार फिर एक्शन मोड में हैं। उनकी पिछली फिल्म 'लियो' में भी विजय इसी रूप में नजर आए थे। विजय अपकमिंग एक्शन ड्रामा फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम (जीओएटी) में बाप और बेटे का रोल प्ले करते दिख रहे हैं। 17 अगस्त को एक्शन-फुल ट्रेलर रिलीज हो गया।

विजय बाप वाले रोल में एक ऐसे इंडियन एजेंट हैं, जिन्होंने 68 सफल ऑपरेशन किए हैं। ये सब जानकारी देते हुए एक किरदार कहता है कि कम से कम शब्दों में कहा जाए तो वे ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम है। इसके बाद हमें ट्रेलर में विजय मारधाड़ करते हुए दिखते हैं और फिर उन्हें कुछ हल्की-फुल्की कॉमेडी करते हुए देखा जाता है। विजय दोनों रोल में दुश्मनों से लोहा ले रहे हैं। विजय को जवान दिखाने के लिए एआई टूल का इस्तेमाल किया गया है। फिल्म को वेंकट प्रभु ने निर्देशित किया है। फिल्म को युवान शंकर राजा ने संगीतबद्ध किया है। सिद्धार्थ नूनी ने सिनेमैटोग्राफी की है। फिल्म में थलापति विजय के साथ प्रशांत, प्रभु देवा, अजमल अमीर, मोहन, जयराम, स्नेहा और लैला के भी अहम रोल हैं। फिल्म को एएसजी एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया गया है। 300 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म का निर्माण प्रोड्यूसर कलापति एस अघोरम, कलापित एस गणेश और कलापति एस सुरेश ने किया है। आगामी 5 सितम्बर को प्रदर्शित होने वाली थलापति विजय की यह 68वीं फिल्म है और इसे पैन इंडिया के तौर पर प्रदर्शित किए जाने की सम्भावना है। हालांकि ट्रेलर में इस बात की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है कि विजय अभिनीत यह फिल्म पैन इंडिया रिलीज होगी या नहीं। यह सम्भावना इसलिए प्रकट की जा रही है।

ऊर्फी जावेद अब ओटीटी पर देने वाली है दस्तक

अपने अनूठे फैशन को लेकर चर्चाओं में रहने वाली ऊर्फी जावेद अब ओटीटी पर दस्तक देने वाली है। अपनी अपकमिंग सीरीज 'फॉलो कर लो यार' को लेकर चर्चा में हैं। यह सीरीज कब ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर दस्तक देने वाली हैं। यह खबर सुनने के बाद अब उर्फी के फैंस भी काफी एक्साइटेड हैं। अब फाइनली मेकर्स ने सीरीज का जबरदस्त ट्रेलर को जारी कर दिया है। नौ एपिसोड वाली ये सीरीज़ भारत की सबसे बड़ी वायरल सेंसेशन कहे जाने वाली, उर्फी जावेद की असल जिंदगी को बयां करने वाली है। रिलीजिंग डेट की अगर बात की जाए तो इसी 23 अगस्त को अमेजन प्राइम पर यह सीरीज रिलीज होने वाली है। इसका ऑफिशियल वीडियो प्राइम वीडियो की ओर से साझा किया गया है। इस वीडियो में ऊर्फी ने जानकारी देते हुए कहा कि आपको लगता है कि अगर यह 'बहुत ज्यादा' है तो आपने अभी तक कुछ भी नहीं देखा है। ये सीरीज प्राइम वीडियो पर भारत और दुनिया भर के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में 23 अगस्त को हिंदी में और अंग्रेजी में रिलीज होगी। 'फॉलो कर लो यार' उर्फी के संघर्षों को दिखाने, उसकी सफलताओं का जश्न मनाने और सोशल मीडिया और पापाराजी वीडियो से परे उसके जीवन की रॉ और अनफिल्टर्ड रियलिटी को दिखाने वाली है। सामने आए ट्रेलर में उर्फी जावेद के दिलचस्प जीवन और रहस्यमय दुनिया की निडर झलक नजर आ रही है। शोहरत, परिवार और निरंतर खोज के बीच तालमेल बिठाते हुए, ट्रेलर उर्फी की जिंदगी की गहराईयों को भी दिखाता है। जहां वह अपने जिंदगी के आने वाले प्लान के बारे में काफी कुछ सोचती नजर आती हैं। सेलिब्रिटी बनने के उसके सपने और उसे सुर्खियों में रखने वाले विवाद शामिल हैं। बहनों के साथ तीखे झगड़ों तक, असफल ब्रांड सहयोग को बचाने से लेकर एक गैर-मौजूद रोमांटिक जीवन तक सब कुछ शामिल हैं। बीते दिनों मेकर्स ने एक वीडियो जारी किया था जिसमें ऊर्फी अपने बारे में बताती हुई नजर आती हैं। वह कहती हैं कि मैं अटेंशन सीकर हूं इसलिए अतरंगी कपड़े पहनती हूं। लेकिन जानें क्यों लोगों को इससे परेशानी होती है।

सोनाक्षी सिन्हा ने साझा की अपने 'दिल और घर' की प्यारी झलक

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा अपने पति जहीर खान संग न्यूयॉर्क में छुट्टियां मना रही हैं। पति जहीर संग पिक साझा कर लिखा- दिल और मेरा घर। सोनाक्षी ने इंस्टाग्राम पर अपनी और जहीर की कुछ रोमांटिक तस्वीरें पोस्ट कीं। पहली तस्वीर में उनके पति उन्हें पकड़े हुए हैं। दूसरी छवि में दोनों वाइन चख रहे हैं। तीसरी तस्वीर में जहीर अपनी पत्नी को किस करते हुए दिख रहे हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'घर वह है जहां दिल है...और दुनिया में कहीं भी...मेरा दिल मेरे घर के साथ है। यह पहली बार नहीं है जब सोनाक्षी ने जहीर से प्यार का इजहार किया हो। इस सप्ताह की शुरुआत में, अभिनेत्री ने अपनी इंस्टाग्राम कहानियों पर एक मिठाई की तस्वीर साझा की थी, जिस पर लिखा था, 'मैं तुम्हें आइसक्रीम से भी ज्यादा प्यार करती हूं'। आगे लिखा गया था- 'हर किसी को आपके जैसे प्यारे व्यक्ति की जरूरत होती है जिसके साथ हंस सकें, गले मिल सकें और वास्तव में बुरे निर्णय ले सकें। हम एक छोटे (लेकिन शक्तिशाली) छोटे गैंग की तरह हैं। यदि आपने अभी तक ध्यान नहीं दिया है, तो मुझे लगता है कि आप बहुत अच्छे हैं। डियर, ईमानदारी से कहूं तो, तुम मुझे पूरा करते हो। तस्वीर में अपने पति को टैग करते हुए उन्होंने लिखा, 'यह सच है।' सोनाक्षी ने 23 जून 2024 को अपने प्रेमी जहीर से शादी की। उनकी शादी में परिवार और करीबी दोस्त मौजूद थे। वर्क फ्रंट की बात करें, तो सोनाक्षी को आखिरी बार 'ककुदा' में रितेश देशमुख और साकिब सलीम के साथ अभिनय करते देखा गया था, ये एक शापग्रस्त गांव पर आधारित हॉरर कॉमेडी थी। जल्द ही कुश सिन्हा द्वारा निर्देशित 'निकिता रॉय एंड द बुक ऑफ डार्कनेस' में भी दिखेंगी। जिसमें अर्जुन रामपाल, परेश रावल और सुहैल नैय्यर जैसे कलाकार हैं। फिल्म की शूटिंग लंदन और यूके में हुई है।

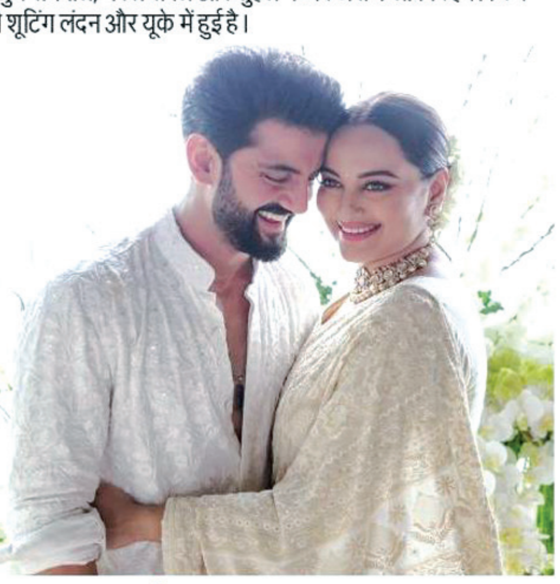

मुर्शिद की आगामी सीरीज का ट्रेलर जारी

गैंगस्टर गाथा मुर्शिद के निर्माताओं ने आगामी सीरीज का ट्रेलर जारी किया। इस फिल्म का निर्देशन श्रवण तिवारी ने किया है। इस वीडियो में केके माफिया डॉन मुर्शिद पठान की भूमिका में हैं। ट्रेलर में अपराध, एक्शन और ड्रामा का शानदार मिश्रण दिखाया गया है। मुंबई की व्यस्त सड़कों से लेकर दुबई की जगमगाती गलियों और इलाहाबाद की ऐतिहासिक गलियों तक, मुर्शिद दर्शकों को एक ऐसी दुनिया में ले जाता है, जहां हर भाई आपका भाई नहीं होता और पारिवारिक रिश्ते साजिश के जाल में बदल सकते हैं शो के बारे में बात करते हुए केके ने कहा, इस गैंगस्टर थ्रिलर में मुर्शिद पठान की भूमिका निभाना मेरे लिए वास्तव में रोमांचक था। मैं हमेशा जटिल किरदारों की ओर आकर्षित रहा हूं और मुर्शिद बिल्कुल वैसा ही है। एक पूर्व डॉन जो परोपकारी बन गया, जो अपने परिवार की रक्षा के लिए अंडरवर्ल्ड में वापस आ गया। उन्होंने कहा, ट्रेलर में उनकी यात्रा की केवल झलक दिखाई गई है। यह एक ऐसी कहानी है जो दर्शाती है कि एक पिता अपने परिवार के लिए किस हद तक जा सकता है। मैं दर्शकों को मुर्शिद की पूरी कहानी का अनुभव कराने और यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि वह अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए किस तरह अपने अतीत का सामना करता है। इस फिल्म का ट्रेलर दर्शकों को मुंबई के आपराधिक अंडरवर्ल्ड की दुनिया में ले जाता है, जहां रिटायर डॉन मुर्शीद पठान अनिच्छा से उस जीवन में वापस आ जाता है जिसके बारे में उसने सोचा था कि वह पीछे छूट गया है। जब उसका पूर्व प्रतिद्वंद्वी फरीद (जाकिर हुसैन) मुर्शिद के बेटे को एक खतरनाक साजिश में फंसाता है तो पूर्व सरगना को विश्वासघाती हालात से निपटने की एक चुनौती रहती है। मुर्शिद अपने परिवार और विरासत की रक्षा के लिए लड़ता है। इस दौरान इंस्पेक्टर कुमार प्रताप राणा (तनुज विरवानी) उसका पीछा करता है, जो उसका दत्तक पुत्र भी है।

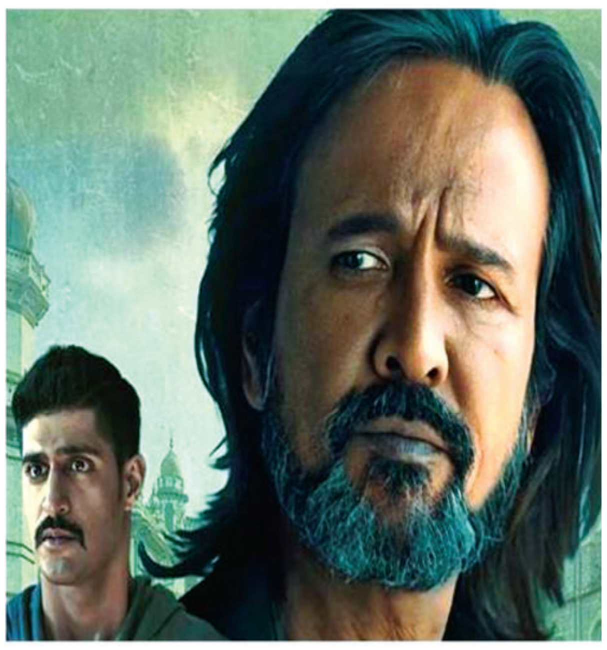

20 साल के बाद बोल रहे हो, बॉलीवुड में आग लगा दी: सैफ अली खान

कुछ समय पहले बालीवुड एक्टर सैफ अली खान और करीना कपूर खान को अपने बच्चों जेह और तैमूर के साथ एक जगह से निकलते हुए देखा गया था। जब सैफ अपनी पत्नी की ओर बढ़ रहे थे, तो उन्होंने पैपराज़ी के साथ मस्ती की। एक क्लिप में, विक्रम वेधा अभिनेता को बाहर की ओर जाते देखा जा सकता है जब पैपराज़ी में से एक ने कहा, 'आग लगा दिया भाई।'

सैफ अली खान उस तारीफ को सुनकर खुश हुए, उन्होंने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया, 卐20 साल के बाद बोल रहा है बॉलीवुड में आग लगा दिया। 20 साल हो गए हैं और अब आप कह रहे हैं कि मैंने बॉलीवुड में धमाल मचा दिया। जब एक अन्य ने कहा 'नहीं सर आप हर पिक्चर में आग लगा देते हो', तो अभिनेता ने जवाब दिया 卐बेहतर !卐 इसके बाद वह अपनी पत्नी करीना कपूर खान के साथ शामिल हो गए। यह तब था जब मीडिया ने उन्हें 'पावर कपल' करार दिया। एक मिनट तक पैप्स के लिए पोज देने के बाद, हम तुम अभिनेता ने कहा, 卐हर कोई एक पावर कपल है卐। बेबो ने भी जल्द ही उनकी बात पर सहमति जताई जिसके बाद सेलेब्स अपनी शानदार लग्जरी कार में बैठकर वहां से चले गए। एक अन्य क्लिप में, यह जोड़ा फोटोग्राफरों के लिए पोज देते हुए बहुत ही शानदार लग रहा था। शहर में अपनी सैर के लिए, करीना ने सफ़ेद शर्ट और ग्रे फ्लैटर पैंट के साथ हाई हील्स के साथ एक औपचारिक लुक अपनाया। उन्होंने अपने लुक को ब्लैक आईवियर के साथ एक्सेसराइज़ किया और कम से कम मेकअप के साथ अपने बालों को खुला छोड़ दिया।

सैफ की बात करें तो उन्होंने मैचिंग लूज़-फिटेड पैंट के साथ शॉर्ट ब्लैक कुर्ता पहना और ब्लैक चंकी बूट्स और इसके साथ सनग्लासेस पहने। जबकि ऑनलाइन कई लोगों ने उनके वीडियो पर प्यार बरसाया, एक यूजर ने टिप्पणी की, सबसे खूबसूरत बहुमुखी सशक्त बहु-प्रतिभाशाली कलाकार जोड़ी सैफ और करीना और सकारात्मक रूप से धन्य रहे। सुरक्षित और हँसी सैफ और करीना तैमूर जेह और परिवार को ढेर सारा प्यार मुस्कान, आपकी शैली पसंद है। एक अन्य ने उन्हें रॉयल कपल कहा। बता दें कि सैफ अली खान और करीना कपूर खान अपने बच्चों जेह और तैमूर के साथ भारत से दूर अपनी गर्मियों की छुट्टियों का आनंद ले रहे हैं। कुछ दिन पहले, सेलिब्रिटी कपल देश में आया और परिवार के साथ अभिनेता का जन्मदिन मनाया।

समाचार पचीसा
रायपुर, रविवार 25 अगस्त 2024

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रमुख समाचार

रक्षा मंत्री राजनाथ ने अमेरिकी एनएसए से मुलाकात की

वाशिंगटन। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, जो वर्तमान में अमेरिका की चार दिवसीय यात्रा पर हैं, ने शनिवार (24 अगस्त) को अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन से मुलाकात की। एक्स पर सिंह ने दोनों के बीच उच्च स्तरीय वार्ता के बारे में जानकारी साझा की। रक्षा मंत्री ने कहा, अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन से मिलकर और आपसी हितों के प्रमुख रणनीतिक मामलों पर दृष्टिकोण साझा करके प्रसन्नता हुई। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी एनएसए के साथ अपनी बैठक के अलावा, जहां दोनों ने रक्षा औद्योगिक सहयोग और उद्योग साझेदारी के संभावित क्षेत्रों पर भी चर्चा की। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा, मैंने उन्हें रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में हमारे मेक इन इंडिया कार्यक्रम को गति देने के लिए भारतीय भागीदारों के साथ काम करने के लिए आमंत्रित किया। साथ मिलकर, भारतीय और अमेरिकी कंपनियां दुनिया के लिए सह-विकास और सह-उत्पादन करेंगी।

महाराष्ट्र बंद नहीं, विपक्ष ने किया मौन विरोध प्रदर्शन

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा राजनीतिक दलों को सड़कों पर न उतरने के आदेश के बाद महा विकास अघाड़ी (एमवीए) द्वारा महाराष्ट्र बंद वापस लेने के बाद शनिवार को राज्य में सामान्य गतिविधियां देखने को मिलीं। हाईकोर्ट ने राजनीतिक दलों या व्यक्तियों को यौन उत्पीड़न की घटना को लेकर 24 अगस्त या किसी भी भविष्य की तारीख को महाराष्ट्र बंद करने से रोक दिया, कहा कि इस तरह के विरोध प्रदर्शन से सामान्य जीवन प्रभावित होगा। मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय और न्यायमूर्ति अमित बोरकर की खंडपीठ ने कहा कि अगर राजनीतिक दलों और व्यक्तियों को शनिवार को बंद के आह्वान पर आगे बढ़ने से नहीं रोका गया, तो न केवल अर्थव्यवस्था और व्यापार बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं सहित आवश्यक सेवाओं और बुनियादी सुविधाओं के मामले में भी भारी नुकसान होगा, जिसे रोकने की जरूरत है। हालांकि, शरद पवार सहित नेता और विपक्षी दलों के कार्यकर्ता पूरे राज्य में मुंह पर काली पट्टी बांधकर महायुति सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन पर बैठे।

अमित शाह के सवाल पर कांग्रेस का जवाब

नईदिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन को लेकर कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोला और नेकां के चुनाव घोषणापत्र में उल्लिखित प्रमुख मुद्दों पर उसके रुख पर सवाल उठाया। शाह की प्राथमिक चिंताओं में से एक अनुच्छेद 370 और 35ए को बहाल करने की नेशनल कॉन्फ्रेंस की प्रतिज्ञा थी, जो प्रावधान जम्मू और कश्मीर को विशेष स्वायत्तता प्रदान करते थे। शाह ने सवाल किया कि क्या कांग्रेस पार्टी इस कदम का समर्थन करती है? इस पर पलटवार करते हुए कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि मैं अमित शाह से जानना चाहता हूं कि जब उन्होंने पीडीपी के साथ गठबंधन किया था तो क्या उन्होंने पीडीपी का घोषणापत्र पढ़ा था? उस घोषणापत्र में भारत और पाकिस्तान दोनों की मुद्राओं का इस्तेमाल करने की बात कही गई थी। उन्होंने दावा किया कि इसके पास स्वराज्य का एक लम्बा दस्तावेज़ था। इन सबके बावजूद आप उनके साथ मिलकर सरकार बनाते हैं।

यूपी उपचुनाव के जरिए हरियाणा महाराष्ट्र पर सपा की नजर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की दस विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि, कांग्रेस राज्य में पांच सीटों की डिमांड कर रही है। वहीं, समाजवादी पार्टी कांग्रेस के साथ %एक हाथ से दो, दूसरे हाथ से लो% का फॉर्मूला अपनाने की योजना बना रही है, जिसके मुताबिक, वह यूपी में सीटों के बदले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महा विकास अघाड़ी से 10 से 12 सीटें मांगेगी। इसके अलावा समाजवादी पार्टी हरियाणा में कांग्रेस से पांच सीटें भी मांग सकती है। सूत्रों ने बताया कि बदले में कांग्रेस को यूपी उपचुनाव में दो विधानसभा सीटें मिल सकती हैं। सूत्रों के मुताबिक, अगर कांग्रेस महाराष्ट्र और हरियाणा में एसपी के सीट बंटवारे के फॉर्मूले पर सहमत हो जाती है, तो एसपी गाजियाबाद की मझवा विधानसभा सीट और मिर्ज़ापुर सीट कांग्रेस को देने पर विचार कर सकती है।

हुड्डा की चिंता बढ़ी, हरियाणा के सीएम पद की राह मुश्किल

हिसार। कांग्रेस महासचिव कुमारी सैलजा ने हरियाणा विधानसभा चुनाव से कुछ हफ्ते पहले मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी दावेदारी पेश करते हुए शुक्रवार को कहा कि हर समुदाय या व्यक्ति की महत्वाकांक्षा होती है और (उनकी) क्यों नहीं हो सकती। उन्होंने विधानसभा चुनाव लड़ने की अपनी इच्छा का भी संकेत दिया और कहा कि वह राज्य में काम करने की इच्छुक हैं, लेकिन इस बारे में अंतिम फैसला कांग्रेस आलाकमान को करना है। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी की पूर्व अध्यक्ष और सिरसा से लोकसभा सदस्य ने राज्य में कांग्रेस के भीतर गुटबाजी को लेकर कहा कि हर संगठन में लोगों की महत्वाकांक्षा और व्यक्तिगत स्थान के लिए जद्दोजहद होती है, लेकिन टिकट वितरण के साथ ही सभी जमीन पर उतरकर पार्टी के लिए काम करते हैं। सैलजा ने कहा हमें विश्वास है कि विधानसभा चुनाव में बहुत अच्छे नतीजे आएंगे और (कांग्रेस की) सरकार बनेगी।

कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन पर बरसे भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री

- **योगी बोले- नफरत की फसल काटने वालों की सियासी जमीन सदा के लिए हो गई बंजर**

नईदिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस के बीच चुनाव पूर्व गठबंधन को 'अपवित्र' बताते हुए कांग्रेस से पूछा है कि क्या वह अपने सहयोगी के 'भारत को तोड़ने' के एजेंडे का समर्थन करती है। हम आपको बता दें कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर की सभी 90 विधानसभा सीटों के लिए कांग्रेस के साथ अपनी पार्टी के गठबंधन की घोषणा की है। जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बनाने के बाद वहां सितंबर में पहली बार विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं।

भाजपा ने कहा है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने सार्वजनिक तौर पर घोषणा की है कि सत्ता में आने पर वह अनुच्छेद 370 और 35 ए को बहाल करेगी। इसलिए कांग्रेस को जवाब देना चाहिए कि क्या वह अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली पार्टी के भारत को तोड़ने के एजेंडे का समर्थन करती है। भाजपा ने कहा है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस एक अलग झंडे की बात करती है। क्या कांग्रेस पार्टी जम्मू-कश्मीर के लिए अलग झंडे के नेशनल कॉन्फ्रेंस के वादे का समर्थन करती है?

हम आपको बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की ओर से कांग्रेस पार्टी से किये गये सवालों के बाद आज भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने कांग्रेस पर सवाल दागे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस व नेशनल कॉन्फ्रेंस के गठबंधन पर खूब बरसे। उन्होंने शनिवार को अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बातचीत करते हुए दोनों पार्टियों के गठबंधन पर सवाल उठाए। सीएम योगी ने कहा कि नफरत की फसल काटने वाली कांग्रेस व नेकां की सियासी जमीन सदा के लिए बंजर हो गई है। आतंकवाद और अलगाववाद का मुद्दा वहां चिनाब की जलधारा में सदा के लिए विलीन हो चुका है। सीएम योगी ने कांग्रेस नेता व सांसद राहुल गांधी को कठघरे में खड़ा करते हुए कई सवाल भी पूछे।

सीएम योगी ने कहा कि भारत के मुकुट जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 और 35ए का कलंक मिटाने के साथ ही भारतीय जनता पार्टी ने विधानसभा चुनाव के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रकट की थी। अब जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की तिथियां घोषित हो चुकी हैं। यह चुनाव न केवल वहां के लोगों, बल्कि लोकतंत्र में आस्था रखने वाले हर भारतीय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। दुनिया भर की निगाह इस ओर लगी हुई है। ऐसे महत्वपूर्ण चुनाव में इंडी गठबंधन का नेतृत्व करने वाली कांग्रेस ने अब्दुल्ला एंड संस फैमिली प्राइवेट लिमिटेड की नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन करके फिर से राष्ट्रविरोधी मंसूबों को देश के सामने रख दिया है।

सीएम योगी ने कहा कि हाल ही में नेशनल कॉन्फ्रेंस ने अपना घोषणापत्र जारी किया है। इसमें अनेक ऐसे बिंदु हैं, जो भारत की एकता-अखंडता व राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति आशंकित करती है। कांग्रेस व नेकां का गठबंधन राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर अनेक बड़े सवाल खड़ा करता है और भारतीय संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा व निष्ठा रखने वाले हर व्यक्ति को चिंतित भी करता है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भी सीएम योगी के निशाने पर रहे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता से पूछना चाहता हूं कि क्या उनकी पार्टी नेशनल कांफ्रेंस के जम्मू-कश्मीर में फिर से अलग झंडे के वादे का समर्थन करती है? क्या राहुल गांधी व कांग्रेस अनुच्छेद 370 और आर्टिकल- 35ए को वापस लाकर जम्मू-कश्मीर को फिर से अशांति और आतंकवाद के युग में धकेलने के नेशनल कॉन्फ्रेंस की घोषणा का समर्थन करती है? क्या कांग्रेस कश्मीर के युवाओं के बदले पाकिस्तान के साथ वार्ता करके अलगाववादी ताकतों का फिर से समर्थन करती है? क्या कांग्रेस और राहुल गांधी पाकिस्तान के साथ एलओसी ट्रेड शुरू करने के नेशनल कॉन्फ्रेंस के निर्णय और फिर से बॉर्डर पार से आतंकवाद व उसके इकोसिस्टम को पोषण करने का समर्थन करती है?

सीएम योगी आदित्यनाथ ने पूछा कि क्या कांग्रेस आतंकवाद और पत्थरबाजी की घटनाओं में शामिल उपद्रवियों के परिजनों को सरकारी नौकरी में बहाल करके आतंकवाद, दहशतगर्दी और बंद के दौर को फिर से लाने का समर्थन करती है? सीएम योगी ने आरोप लगाया कि इस गठबंधन से कांग्रेस का आरक्षण विरोधी चेहरा देश के सामने आया है। क्या कांग्रेस दलितों, गुर्जरों, बकरवाल और पहाड़ियों के आरक्षण को समाप्त कर फिर से उनके साथ अन्याय करने के नेकां के वादे का समर्थन करती है? क्या कांग्रेस चाहती है कि शंकराचार्य पर्वत, तख्त-ए- सुलिमान और हरि पर्वत, कोह-ए-मारन के नाम से जाने जाएं। सीएम ने कहा कि क्या कांग्रेस जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को फिर से भ्रष्टाचार की आग में झोंककर पाकिस्तान समर्थित गिने-चुने परिवारों के हाथों में सौंपने का समर्थन करती है? क्या कांग्रेस नेशनल कॉन्फ्रेंस के जम्मू और घाटी के बीच भेदभाव की राजनीति का समर्थन करती है? क्या कांग्रेस और राहुल गांधी कश्मीर को ऑटोनॉमी देने की नेकां की विभाजनकारी सोच और नीतियों का समर्थन करते हैं?

सीएम योगी ने कहा कि आजादी के बाद जम्मू-कश्मीर के लोगों के कथित स्वयंभू भाग्यविधाता बन बैठे नेताओं ने नौजवानों को गुमराह कर अलगाववादी साजिश का मोहरा बनाया था। इन लोगों ने उनके हाथों में पत्थर और एके-47 पकड़ाई थी। पीएम मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर के नौजवानों के हाथों में टैबलेट और स्किल डेवलपमेंट से जोड़कर उन्हें रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। नौजवानों को गुमराह करने वालों के लिए अब जम्मू-कश्मीर में जगह नहीं है। श्रद्धेय भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी ने जम्मू-कश्मीर के लिए इंसानियत, जम्हूरियत और कश्मीरियत का जो सपना देखा था, उन मूल्यों और सिद्धांतों से निकले सपने को पीएम मोदी ने साकार कर दिखाया है।

सीएम योगी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को जागीर समझने वाले पाकिस्तान परस्त ठेकेदार व कथित लीडरशिप ने कभी सोचा नहीं कि नफरत की फसल काटने वाली उनकी सियासी जमीन सदा के लिए बंजर हो चुकी है। कोई ऐसी सरकार भी आएगी जो अनुच्छेद 370 को समाप्त करेगी। यह इन लोगों को हजम नहीं हो रहा। अनुच्छेद-370 की समाप्ति के बाद जम्मू-कश्मीर की आबोहवा और मुद्दे बदल चुके हैं। आतंकवाद और अलगाव का मुद्दा चिनाब की जलधारा में सदा के लिए विलीन हो चुका है। अब यहां विकास, रोजगार और पहचान की बात हो रही है तो यह वोट के सौदागरों को कैसे अच्छा लग सकता है। कांग्रेस की यह दुरुभि संधि हमें सवाल करने को मजबूर करती है। सीएम ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी देश के सामने इन प्रश्नों का जवाब दें।

वहीं उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा, जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस के बीच गठबंधन हुआ है। यह कश्मीर की जनता के साथ एक प्रकार का धोखा है। उन्होंने कहा कि कश्मीर के जनता के सामने वे बेनकाब हो गए हैं कि वे किस प्रकार से आतंकवाद, अलगाववाद, अराजकता, जिहादियों को समर्थन कर रहे हैं और आरक्षण का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इनके गठबंधन से यह साबित हो गया है कि कहीं न कहीं कांग्रेस और उनकी सहयोगी पार्टियों के लिए सत्ता पहले है।

वहीं जम्मू-कश्मीर भाजपा ने भी कहा है कि नेशनल कांफ्रेंस की सहयोगी कांग्रेस का आरक्षण विरोधी चेहरा सामने आ गया है। पार्टी ने कहा है कि अब्दुल्ला फैमिली से गठबंधन करने वाली कांग्रेस को सवालों का जवाब देना ही चाहिए। भाजपा ने पूछा है कि नेकां नियंत्रण रेखा के पार व्यापार के बारे में बात करती है, जबकि पाकिस्तान आतंकवाद और आतंकवादियों से जुड़े पारिस्थितिकी तंत्र को पोषित करना जारी रखे हुए है। क्या कांग्रेस पार्टी जम्मू-कश्मीर में अशांति पैदा करने के पाकिस्तानी एजेंडे का समर्थन करती है।

मायावती का अपमान न करें भाजपा: अखिलेश

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती के प्रति समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के कभी गरम और कभी नरम रवैये से राजनीति के गलियारों में दुविधा का माहौल नजर आ रहा है। 2019 के आम चुनाव में साथ दिखने वाले अखिलेश-मायावती, 2024 के आम चुनाव के समय एक-दूसरे के खिलाफ खड़े नजर आये थे। आजकल दलित वोटों की सियासत में दोनों एक-दूसरे के खिलाफ सियासी जहर उगल रहे हैं, इसी बीच सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मायावती का बचाव करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री व बसपा सुप्रीमो मायावती को लेकर की गई भाजपा विधायक व प्रवक्ता राजेश चौधरी की टिप्पणी को महिला विरोधी बताया है।

अखिलेश ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि उत्तर प्रदेश के एक भाजपा विधायक का पूर्व महिला मुख्यमंत्री के प्रति कहे गए अभद्र शब्द दर्शाते हैं कि भाजपाइयों के मन में महिलाओं और खासतौर से वंचित-शोषित समाज से आने वालों के प्रति कितनी कटुता भरी है।

भाजपाई कह रहे हैं कि उन्हें मुख्यमंत्री बनाकर हमने गलती की थी, ये भी लोकतांत्रिक देश में जनमत का अपमान है और बिना किसी आधार के ये आरोप लगाना कि वह सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री थीं, बेहद आपत्तिजनक है। उन्होंने आगे लिखा कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह होते हैं लेकिन एक महिला के रूप में उनका मान-सम्मान खंडित करने का किसी को भी अधिकार नहीं है। भाजपा के विधायक पर इस वक्तव्य के लिए मानहानि का मुकदमा होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भाजपा ऐसे विधायकों को प्रश्रय देकर महिलाओं के मान-सम्मान को गहरी ठेस पहुंचा रही है। अगर ऐसे लोगों के खिलाफ भाजपा तुरंत अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं करती है तो मान लेना चाहिए, ये किसी एक विधायक का व्यक्तिगत विचार नहीं है बल्कि पूरी भाजपा का है।

खेल
प्रमुख समाचार

शिखर धवन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

नईदिल्ली। शनिवार सुबह जब क्रिकेट प्रेमी अपने बिस्तरों को छोड़कर बाहर निकल रहे थे, तभी खबर आई कि गब्बर यानी शिखर धवन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। भारतीय क्रिकेट टीम की ओपनिंग बैटिंग की रीढ़ रहे शिखर धवन ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो संदेश के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास की घोषणा की। टीम इंडिया की ओपनिंग बल्लेबाजी में वो वीरेंद्र सहवाग के बाद दूसरे सबसे धाकड़ बल्लेबाज रहे हैं। हालांकि, शिखर पिछले दो वर्षों से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर थे।

5 दिसंबर को 39 साल के होने जा रहे शिखर धवन बाएं हाथ के दुनिया के बेहतरीन बल्लेबाजों में एक रहे हैं। दर्जनों रिकॉर्ड शिखर के नाम दर्ज हैं। गब्बर के नाम से साथी खिलाड़ियों के बीच प्रसिद्ध शिखर धवन दिल्ली के रहने वाले हैं और मात्र 12 साल की उम्र में उन्होंने क्रिकेट की ट्रेनिंग लेना शुरू कर दिया था। उनके पहले कोच तारक सिन्हा थे, जिनका जिक्र शिखर ने अपने संन्यास लेने के वीडियो में किया है। घरेलू क्रिकेट में अच्छा खेलने के बावजूद शिखर को टीम इंडिया में आने के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ा। शिखर ने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय वनडे मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 20 अक्टूबर 2010 को विशाखापट्टनम में खेला। हालांकि, पहले ही मैच में वो मात्र दो गेंदें खेलकर शून्य पर आउट हो गए थे, लेकिन मार्च 2013 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मोहाली में अपने पहले टेस्ट मैच में उन्होंने 187 रन बनाए और मैन ऑफ द मैच रहे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की बात करें तो शिखर ने 34 टेस्ट, 167 वनडे और 68 टी-20 मैच खेले। टेस्ट में उन्होंने 2315 रन, 7 शतक व 5 अर्द्धशतक लगाए। टेस्ट में शिखर का अधिकतम स्कोर 190 है। वनडे में उन्होंने 6793 रन बनाए, जिसमें 17 शतक और 39 अर्द्धशतक शामिल हैं। वनडे में उनका अधिकतम स्कोर 143 रन है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/ प्रमुख समाचार

हीरो मोटर्स ने आईपीओ के लिए ड्राफ्ट पेपर किए फाइल

नईदिल्ली। हीरो मोटर्स कंपनी (एचएमसी) समूह की वाहन कलपुर्जा फर्म हीरो मोटर्स लिमिटेड ने आईपीओ लाने के लिए शनिवार को बाजार नियामक सेबी के पास मसौदा पत्र दाखिल किया। कंपनी की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के जरिए 900 करोड़ रुपये जुटाने की योजना है। मसौदा रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के अनुसार आईपीओ के तहत 500 करोड़ रुपये के ताजा इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा प्रवर्तक 400 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) करेंगे। ओएफएस में ओपी मुंजाल होल्डिंग्स 250 करोड़ रुपये और भाग्योदय इंवेस्टमेंट्स तथा हीरो साइकिल्स 75-75 करोड़ रुपये के शेयरों की पेशकश कर रहे हैं। कंपनी आईपीओ से पहले 100 करोड़ रुपये जुटा सकती है, और ऐसा होने पर नए निर्गम का आकार कम हो जाएगा।

रूस से कच्चा तेल खरीदने के मामले में चीन से आगे भारत

नई दिल्ली। भारत रूस से कच्चा तेल आयात करने के मामले में जुलाई महीने में चीन से भी आगे निकल गया। आरटी डॉट कॉम ने अपनी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। नई दिल्ली मास्को की ओर से दी गई छूट के कारण कच्चे तेल की खरीद बढ़ा रही है क्योंकि रूस पर यूक्रेन से संबंधित प्रतिबंधों के कारण पश्चिमी देशों को खुले तौर पर ऊर्जा निर्यात नहीं कर पा रहा है। व्यापार और उद्योग स्रोतों से जुटाए गए भारतीय शिपमेंट के आंकड़ों के मुताबिक, जुलाई महीने में भारत के कुल आयात में रूसी कच्चे तेल का 44त्न हिस्सा रहा। भारत प्रति दिन 2.07 मिलियन बैरल प्रति दिन (बीपीडी) कच्चे तेल का आयात कर रहा है, जो जून की तुलना में 4.2त्न अधिक है और एक साल पहले की तुलना में 12त्न अधिक है। जुलाई में पाइपलाइनों और शिपमेंट के माध्यम से रूस ने चीन को कुल 1.76 मिलियन बीपीडी कच्चे तेल का निर्यात किया।

एमेजॉन इंडिया ने सेलिंग फीस में कटौती का ऐलान

नईदिल्ली। एमेजॉन इंडिया ने शनिवार को त्योहारी सीजन से पहले बड़ा ऐलान किया है। कंपनी ने विक्रेताओं के लिए सेलिंग फीस में 12% तक की कटौती करने की घोषणा की है। इस कदम से मल्टीपल प्रोडक्ट कैटेगिरीज में विक्रेताओं को कम शुल्क पर अपने प्रोडक्ट बेचने का फायदा मिलेगा। आगामी फेस्टिवल सीजन से पहले विक्रेताओं को प्रॉफिट मिलेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी द्वारा घोषित की गई फीस में कटौती 9 सितंबर 2024 से लागू होगी। इससे विक्रेता अपने उत्पादों की रेंज बढ़ा सकेंगे और इससे उनकी ग्रोथ भी बढ़ेगी। एमेजॉन इंडिया ने बताया कि सेलिंग फीस में 3-12 प्रतिशत की कमी से विक्रेताओं को फायदा मिलेगा। खासतौर पर, 500 रुपये से कम कीमत वाले उत्पाद बेचने वाले विक्रेताओं के लिए यह बदलाव फायदेमंद होगा।

ओला ने फिर शुरू की कारपूलिंग की सर्विस

नईदिल्ली। ओला कंपनी अपने ग्राहकों के लिए एक ऐसी सर्विस को फिर से शुरू करने जा रही है जो वो पहले भी देती रही है। ओला शेयर नाम से कंपनी ने अपनी कारपूलिंग सुविधा को फिर से शुरू किया है। ये जानकारी मनीकंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार, भाविश अग्रवाल ने दी है। इस सर्विस को चार साल पहले भी चलाया जाता था मगर कोरोना काल में इस सर्विस को बंद कर दिया गया था। अब लगभग चार साल बाद यह सुविधा शुरू की गई है। अग्रवाल ने 15 अगस्त को ओला के वार्षिक सामुदायिक कार्यक्रम संकल्प में भी इस सुविधा की घोषणा की थी। भाविश अग्रवाल ने कहा, हम सस्ती सवारी के लिए ओला शेयर को वापस ला रहे हैं। इस बार एआई संचालित एल्गोरिदम के साथ अनुभव बहुत बेहतर है... हम जल्द ही अन्य शहरों में विस्तार करने पर विचार करेंगे।

जमाओं की होड़ में नए जाल में फंस रहे बैंक

तमाल बंद्योपाध्याय

वित्तीय नतीजों का दौर बीत चुका है। इस वित्त वर्ष की जून तिमाही में कुछ बैंकों को छोड़कर ज्यादातर सूचीबद्ध बैंकों का शुद्ध मुनाफा बढ़िया रहा। पिछले वर्ष की जून तिमाही के मुकाबले उनका कुल शुद्ध लाभ 21.04 फीसदी बढ़ गया। कुछ बैंकों के समूचे कर्ज में फंसे कर्ज की हिस्सेदारी बढ़ी है मगर खतरे की बात नहीं है। बैंकों के मुनाफे के दो अहम पैमाने क्या हैं, जिनसे पता चले कि सब कुछ कब तक अच्छा रहेगा?

अब तक सभी की नजर ऋण की लागत पर थीं। सब देख रहे थे कि फंसा कर्ज कितना घटता या बढ़ता है और ऐसे कर्ज के लिए बैंक कितना इंतजाम करके रखते हैं। बैंकों की अधिक प्रोविजनिंग और अच्छी वसूली से शुद्ध फंसे कर्ज कम होते हैं और उनकी बैलेंस शीट बेहतर होती है। अब पूरा ध्यान जमा की लागत और शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) पर होना चाहिए। शुद्ध ब्याज मार्जिन बैंक को कर्ज पर होने वाली कमाई और जमा पर होने वाले खर्च के बीच का अंतर होता है।

जून तिमाही में सबसे अधिक 7.6 फीसदी एनआईएम बंधन बैंक लिमिटेड का था। उसके बाद आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (6.22 फीसदी) और आरबीएल बैंक लिमिटेड (5.67 फीसदी) रहे। सबसे कम एनआईएम वाले बैंकों में जम्मू ऐंड कश्मीर बैंक लिमिटेड (0.96 फीसदी), येस बैंक लिमिटेड (2.4 फीसदी) और पंजाब ऐंड सिंध बैंक (2.69 फीसदी) के नाम हैं।

साल भर पहले की तुलना में ज्यादा बैंकों का एनआईएम इस बार जून तिमाही में कम रहा। इससे पिछली तिमाही में भी ऐसा ही हुआ। कुछ बैंकों का एनआईएम तो बहुत गिर गया जैसे आईडीबीआई बैंक लिमिटेड का एनआईएम जून की तिमाही में घटकर 4.18 फीसदी हो गया, जो जनवरी-मार्च तिमाही में 4.91 फीसदी था। कैथलिक सीरियन बैंक लिमिटेड का एनआईएम 5.04 फीसदी से घटकर 4.36 फीसदी रह गया। इसी तरह इंडियन ओवरसीज बैंक का एनआईएम 3.53 फीसदी से घटकर 3.05 फीसदी हो गया।

अब देखते हैं कि जमा पर बैंकों की लागत कैसे बढ़ रही है। जून तिमाही में एक बैंक (करूर वैश्य बैंक लिमिटेड) को छोड़कर सभी के चालू एवं बचत खाते (कासा) कम रहे। कुछ बैंकों के कासा में मार्च तिमाही से तेज गिरावट रही। मिसाल के तौर पर बंधन बैंक का कासा मार्च 37.1 फीसदी से कम होकर जून तिमाही में 33.4 फीसदी रह गया। बैंक ऑफ महाराष्ट्र का कासा 52.73 फीसदी से घटकर 49.86 फीसदी, आईडीबीआई बैंक का 50.43 फीसदी से घटकर 48.57 फीसदी और कैथलिक सीरियन बैंक के लिए 27.2 फीसदी से घटकर 24.9 फीसदी रह गया। करूर वैश्व बैंक की कुल जमा में कासा की हिस्सेदारी बढ़ गई। यह मार्च के 30 फीसदी से बढ़कर 30.37 फीसदी हो गया, लेकिन पिछले साल जून तिमाही के 33 फीसदी से यह कम ही रहा।

कासा बैंकों के लिए दाल-रोटी की तरह है क्योंकि इसी के जरिये उन्हें सस्ती पूंजी मिलती है। बचत खाते पर ब्याज की दर से सरकारी नियंत्रण 2011 में खत्म कर दिया गया मगर ज्यादातर बैंक अब भी बहुत कम ब्याज देते हैं। चालू खाते में रखी गई पूंजी पर कोई ब्याज नहीं मिलता है। इसलिए कासा बढ़ने के साथ बैंकों की पूंजी लागत कम होती है और एनआईएम बढ़ जाता है। जमा के लिए होड़ बढ़ने के साथ ही बैंकों की पूंजी लागत भी बढ़ रही है। कायदे में कर्ज लेने वालों के लिए कर्ज भी महंगा होना चाहिए मगर ऐसा नहीं हो रहा है क्योंकि बैंक एक तरह के जाल में फंस गए हैं। आंकड़ों पर नजर डालिए। सभी वाणिज्यिक बैंकों के लिए रुपये में नए ऋणों पर भारित औसत उधारी दर मई में 9.39 फीसदी रह गई, जो अप्रैल में 9.55 फीसदी थी। रुपये में बकाया कर्ज पर डब्ल्यूएएलआर में कोई बदलाव नहीं आया और मई में भी यह 9.83 फीसदी ही रही। मई में नई जमाओं पर भारित औसत घरेलू सावधि जमा दर 6.47 फीसदी रही, जो अप्रैल में भी 6.48 फीसदी ही थी।

छत्तीसगढ के 'खनिज ऑनलाईन' पोर्टल को एक्सीलेंस अवार्ड

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने खनिज विभाग के अधिकारियों को दी बधाई और शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ के खनिज ऑनलाईन पोर्टल को एक्सीलेंस अवार्ड मिलने पर खनिज विभाग के अधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी है। प्रदेश में खान एवं खनिजों के समग्र प्रबंधन हेतु छत्तीसगढ़ के खनिज साधन विभाग द्वारा विकसित वेब बेस्ड पोर्टल खनिज ऑनलाईन को इण्डियन एक्सप्रेस ग्रुप द्वारा इंटरप्राईज एप्लीकेशन्स कैटेगरी अंतर्गत टेक्नोलॉजी सभा एक्सीलेंस अवार्ड से नवाजा गया है। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में 23 अगस्त को आयोजित कार्यक्रम में खनिज विभाग की ओर से यह अवार्ड ज्वाइंट डायरेक्टर एवं खनिज ऑनलाईन के नोडल ऑफिसर श्री अनुराग दीवान ने ग्रहण किया।

किसी शासकीय प्रक्रिया को ऑनलाईन करने की यह योजना छत्तीसगढ़ के खनन क्षेत्र में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की दिशा में एक प्रमुख कदम साबित हुआ है। खनिज ऑनलाईन की सफलता से विभाग अब खनिज ऑनलाईन 2.0 योजना पर प्रयासरत है. जिसमें खानों का जियोफेंसिंग, व्हीकल ट्रेकिंग सिस्टम, मोबाईल एप्प आदि के साथ-साथ आरटीओ. रेलवे आदि से इंटीग्रेशन सहित निगरानी एवं नियंत्रण हेतु एक सेन्ट्रल कमाण्ड एंड कंट्रोल सेंटर की स्थापना की योजना पर कार्य कर रही है। वर्ष 2018-19 में खनिज ऑनलाईन परियोजना को शासकीय प्रक्रिया एवं व्यवस्था का डिजिटल ट्रांसफोर्मेशन के माध्यम से रि-इंजीनियरिंग करने हेतु किये गये पहल एवं क्रियान्वयन में उत्कृष्टता को पहचान एवं बढ़ावा देने हेतु भारत सरकार द्वारा नेशनल अवार्ड फॉर ई-गवर्नेंस भी दिया गया है।

गौरतलब है खनिज ऑनलाईन पोर्टल 21 जून, 2017 से संचालित किया जा रहा है। इस पोर्टल में खनन संक्रिया से संबद्ध स्टेकहोल्डर्स जैसे खान मालिकों, प्रोसेसिंग, परिवहनकर्ताओं एवं उपयोगकर्ताओं, एण्ड यूज प्लांट ऑनर्स को कार्य में सुगमता की दृष्टि से विभिन्न प्रायोजनों हेतु ऑनलाईन आवेदन, सिंगल क्लिक पेमेंट, सिस्टम जनरेटेड बार कोडेड ई-ट्रांजिट पास, एंड-टू-एंड ट्रैकिंग की व्यवस्था की गई है। पोर्टल के माध्यम से खनन संक्रिया, प्रसंस्करण, परिवहन, एंड-यूज आदि में संलग्न सभी स्टेकहोल्डर्स सिंगल प्लेटफार्म में कार्य करते हैं। खनन संक्रिया में संलग्न देश की नवरत्न कंपनियां जैसे एनएमडीसी, एसईसीएल आदि के साथ-साथ निजी क्षेत्र की बड़ी कंपनियों यथा बालको, हिण्डालको, अल्ट्रोटेक, श्री सीमेंट, ईमामी, जायसवाल निको, गोदावरी पॉवर, जेके लक्ष्मी, नुवोको, अम्बुजा के साथ-साथ छोटे-छोटे डोलोमाईट उत्खनिपट्टाधारकों द्वारा भी खनिज ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से सफलतापूर्वक खनन व्यवसाय किया जा रहा है।

केंद्रीय गृहमंत्री के नक्सलवाद खत्म करने के बयान पर बैज का पलटवार

10 साल से यही बोल रहे, कब तक झूठ बोलते रहेंगे

रायपुर. केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने देश को मार्च 2026 तक पूर्णतः नक्सल समस्या से मुक्त करने की बात कही है. इस बयान पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने पलटवार किया है. उन्होंने कहा, 10 साल से आप केंद्र में सरकार हैं, 10 साल से आप बोलते आ रहे हैं. चुनाव को देखते हुए आपको ये बातें याद आती है. 2018 से 20 से 2022 में नक्सलवाद खत्म कर देने की बात कही थी, कब तक आप झूठ बोलेंगे. कितने फर्जी एनकाउंटर आपने किया, कितने फर्जी सरेंडर कराए हैं, ये आपको याद है.

बैज ने कहा, जितने आदिवासियों को भाजपा सरकार ने जेल में भेजा, हमने उनको छुड़वाने का काम किया है. बस्तर का आदिवासी जंगल जाने से डर रहा है. भाजपा ने फिर से वही स्थिति दोहराने का काम शुरू कर दिया है. अमित शाह का अंतिम हमला वाले बयान पर दीपक बैज ने कहा, कब अंतिम हमला होगा,

कब शुरुआत होगी, ये समझ से परे है. आप अकेले चले जाइए, समझ में आ जाएगा. बस्तर की जनता को गुमराह करना बंद करे. जो पूर्णवास नीति चल रही थी वो बेहतर थी, जिसके चलते बीजापुर और सुकमा में नक्सली सरेंडर हुए. भाजपा सरकार आने के बाद बस्तर दहशत में है.

बैज ने कहा, देश के गृहमंत्री और राज्य के गृहमंत्री का बयान दोनों अलग है. गृहमंत्री को पूछना चाहिए, उन्हें सलाह लेना चाहिए. केंद्र और राज्य का कोई तालमेल नहीं है. इस मुद्दे पर यहां पर इनकी नक्सल नीति खत्म करने, जल, जंगल, जमीन खत्म करने की तैयारी है. अमित शाह ने कहा हमारे गृहमंत्री विजय शर्मा हिड़मा के गांव गए वहां आयुष्मान कार्ड बांटे है, इस बयान पर दीपक बैज ने कहा, अगर कोई गृहमंत्री हेलीकॉप्टर से जाए कौन सा बड़ा तीर मार लिए. ये कोई बड़ी बात नहीं है. हमारी सरकार आने के बाद सिलगैर में हमारी सरकार ने स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र खोले हैं. ये सरकार सड़क पर थी. सड़क के अलावा और कोई इनके पास खबर नहीं थी.

केंद्रीय गृह मंत्री के पाताल से नक्सली खोज निकालेंगे वाले बयान पर बैज ने पलटवार करते हुए कहा, गृह मंत्री के क्षेत्र में अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं. पहले वहां जाकर अपराधियों को पकड़ें, फिर पाताल से नक्सलियों को खोजने की बात करें.

बस्तर के जंगल में इन्हें नक्सली तो दूर मक्खी भी नहीं मिलने वाला है.

नेशनल कांफ्रेंस से गठबंधन करने वाली कांग्रेस बताए की क्या वो जम्मू कश्मीर में दो झंडे चाहती है:अरुण

रायपुर। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के एक देश में दो प्रधान दो निशान दो विधान नहीं चलेगा के मुद्दे पर त्याग, तपस्या और बलिदान को सच्ची श्रद्धांजलि देते हुए धारा 370 व 35-ए को समाप्त कर एक भारत श्रेष्ठ भारत और अखंड भारत के निर्माण का एक बहुत बड़ा और ऐतिहासिक काम किया। धारा 370 के बाद जिस प्रकार से जम्मू कश्मीर में वातावरण बदला है, जम्मू कश्मीर विकास के रास्ते पर आगे बढ़ा है, वहां के लोगों के जीवन में परिवर्तन आया है, खुशहाली आई है, समृद्धि, आई है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि आज जम्मू कश्मीर की जनता श्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के काम और निर्णय से बहुत प्रसन्न है पर आज जिस प्रकार से चुनाव की दृष्टि से नेशनल कांफ्रेंस से कांग्रेस पार्टी ने जो गठबंधन किया है तो अब कांग्रेस पार्टी को जवाब देना पड़ेगा कि नेशनल कांफ्रेंस से गठबंधन के बाद क्या कांग्रेस नेशनल कांफ्रेंस के अलग झंडा की मांग का भी समर्थन करती है? कांग्रेस और राहुल गांधी को यह भी बताना पड़ेगा कि नेशनल कांफ्रेंस का 370 और 35 ए को फिर से वापस लाकर जम्मू कश्मीर में फिर अशांति और आतंक के युग में धकेलने के एजेंडा का क्या कांग्रेस इसका भी समर्थन करती है? कांग्रेस पार्टी को यह भी बताना पड़ेगा कि नेशनल कांफ्रेंस के इस वादे का भी क्या कांग्रेस समर्थन करती है कि कश्मीर के युवाओं के बजाय पाकिस्तान से वार्ता करके फिर से अलगाववाद को बढ़ावा दे? क्या कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी एलओसी को शुरू करके फिर से बॉर्डर पर आतंकवाद और उनके इकोसिस्टम के समर्थ पोषण का समर्थन करती है? कांग्रेस पार्टी को यह भी बताना पड़ेगा कि आतंकवाद और पत्थर बाजी की घटनाओं में शामिल लोगों को परिजनों को फिर से नौकरी में बहाल कर आतंकवाद और दहशतगर्दी को फिर से कश्मीर में लाना चाहते हैं? उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि इस गठबंधन से कांग्रेस पार्टी का आरक्षण विरोधी चेहरा एक बार फिर से सामने आया है। धारा 370 व 35 ए समाप्त होने के बाद दलित, गुर्जर, बकरवाल और पहाड़ियों को जो आरक्षण मिल रहा है, वह भी समाप्त करने की इनकी मानसिकता है। कांग्रेस को इस पर भी अपना रुख स्पष्ट करना पड़ेगा। जम्मू कश्मीर की अर्थव्यवस्था को क्या फिर से पाकिस्तान समर्पित परिवारों के हाथों में सौंप कर जम्मू कश्मीर के आम लोगों के हकों पर डाका डालने का समर्थन करते हैं। कांग्रेस पार्टी को यह भी बताना पड़ेगा कि नेशनल कांफ्रेंस के कश्मीर को ऑटोनॉमी देने के फायदे का भी समर्थन करते हैं जो विभाजनकारी मानसिकता का परिचायक है। कांग्रेस पार्टी जम्मू कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस के साथ गठबंधन करके फिर से जम्मू कश्मीर को उसी आतंकवाद, पत्थरबाजी, दहशतगर्दी के दौर में लाकर जम्मू कश्मीर को फिर बर्बाद करने की जो मानसिकता है उसके साथ जुड़कर काम कर रही है। कांग्रेस पार्टी इस देश की जनता और जम्मू कश्मीर की जनता के सामने कांग्रेस पार्टी को स्पष्ट करना पड़ेगा। जम्मू कश्मीर के लोगों के जीवन में वहां पर जो शांति बहाली हुई है, वहां के नौजवानों के सपनों पर पंख लगे हैं, लोगों को जो रोजगार मिला है, एक बार फिर नेशनल कांफ्रेंस के साथ गठबंधन करने वाली कांग्रेस पार्टी को अपनी स्थिति स्पष्ट करना चाहिए कि क्या फिर से वही जम्मू कश्मीर यह बनाना चाहते हैं?

पार्टी अधिक से अधिक सदस्य बनाकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें: अग्रवाल

रायपुर/बिलासपुर। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल ने आज यहॉ जिला भाजपा कार्यालय बिलासपुर में आयोजित जिला स्तरीय भाजपा कार्यकर्ताओं के जिला स्तरीय सदस्यता अभियान की कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी का अधिक से अधिक सदस्य बनाकर सक्रिय रूप से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें।

उन्होंने कहा कि लक्ष्य बडा है, लेकिन प्रत्येक कार्यकर्ता को लक्ष्य पूरा करने के लिए सक्रियता से जुट जाना है। इस संगठन महापर्व को पूरे उत्साह के साथ सदस्यता अभियान चलाना है। आज का हमारा विरोधी कल का हमारा मतदाता बने और कल का मतदाता हमारा सदस्य बने ऐसा हमारा प्रयास होना चाहिये। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष से अधिक उम्र के सभी लोगों को सदस्य बनाना है। सक्रिय सदस्य बनने के लिये 3 वर्ष पहले का प्राथमिक सदस्य होना आवश्यक है। श्री अग्रवाल ने कहा कि 1 सितम्बर को हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा सदस्यता दिलायी जायेगी, तत्पश्चात सभी को सदस्य बनना है। 1 अक्टूबर से समूह में सदस्यता अभियान चलाना है। सदस्यता अभियान के तहत् आमजनों के मध्य पहुॅच कर उन्हें सदस्य बनाना है। सदस्य बनाने हेतु सांसद, विधायकों, पूर्व सांसद, पूर्व विधायकों एवं पदाधिकारियों सहित सभी के लिए लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मंडलों में कार्यशाला हेतु जिले से प्रशिक्षण प्रभारी भेजे जायेंगे और जो भी बूथ कमजोर है उन पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाना है। सदस्य बनने हेतु मोबाईल नम्बर 8800002024 पर मिस्ड कॉल करके सदस्य बनना है और जो लिंक आयेगा उस पर पूरी जानकारी आवश्यक रूप से भरना है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है।

साक्षरता दर बढ़ाने विद्यार्थी बनेंगे स्वयंसेवी शिक्षक

रायपुर. छत्तीसगढ़ में निरक्षरों को साक्षर बनाने अच्छी पहल की गई है. प्रदेश में साक्षरता दर बढ़ाने के लिए दसवीं-बारहवीं बोर्ड कक्षा के विद्यार्थी स्वयंसेवी शिक्षक बन सकते हैं. निरक्षरों को साक्षर करने में उनको दस अंक का बोनस दिया जाएगा. राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण और एससीईआरटी के संचालक राजेंद्र कुमार कटारा ने कहा कि प्रदेश के असाक्षरों को गुणवत्तापूर्ण पठन-पाठन कर ही उन्हें मार्च 2025 की बुनियादी साक्षरता परीक्षा में बैठना है. इसके लिए प्रदेश में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के लिए वातावरण तैयार किया जाना है.1 से 7 सितंबर तक साक्षरता सप्ताह का आयोजन कर प्रदेश के सभी वर्गों के लिए अलग-अलग कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है. 8 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय उल्लास मेला पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में किया जाएगा.

स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन, हाईकोर्ट ने सिटी मजिस्ट्रेट पर लगाया जुर्माना

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करने के मामले में कोरबा के सिटी मजिस्ट्रेट गौतम सिंह पर 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। प्रतिबंधात्मक धारा में जेल भेजने के सिटी मजिस्ट्रेट के आदेश को हाईकोर्ट ने स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का हनन माना है। दरअसल, कोरबा के बालको में कार्यरत कर्मचारी लक्ष्मण साकेत क्वार्टर नंबर ईडब्ल्यूएस फेस-2 एमपी नगर थाना सिविल लाइंस रामपुर में रहता है। लक्ष्मण साकेत का उसकी पत्नी के साथ घरेलू विवाद चल रहा है। पत्नी ने पति के खिलाफ सिविल लाइन थाने में एक शिकायत दर्ज कराई। इस पर पुलिस ने महिला के पति पर सीआरपीसी की धारा 107, 16 के तहत कार्रवाई करते हुए सिटी मजिस्ट्रेट के कोर्ट में पेश किया। जब अधिवक्ता ने साकेत की रिहाई को लेकर बेल बांड की राशि पेश की तो शाम पांच बजे सिटी मजिस्ट्रेट ने साल्वेंट श्योरिटी की शर्त लगा दी। इधर शाम हो जाने के कारण साकेत के अधिवक्ता साल्वेंट श्योरिटी पेश नहीं कर सके। इस आधार पर सिटी मजिस्ट्रेट ने साकेत लक्ष्मण को जेल भेज दिया।

सिटी मजिस्ट्रेट के फैसले को उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी। मामले में छत्तीसगढ़ सरकार के मुख्य सचिव, सिटी मजिस्ट्रेट कोरबा, गृह विभाग के सचिव, पुलिस अधीक्षक कोरबा, सिविल लाइन के थाना प्रभारी और थाने में मामले की शिकायत करने वाली महिला संध्या साकेत को पक्षकार बनाया गया। याचिका में तर्क दिया गया कि सिटी मजिस्ट्रेट को साल्वेंट श्योरिटी मांगने का अधिकार नहीं है।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

कमरछठ का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया

रायपुर। राजधानी के पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर, रिंग रोड नंबर 01 में स्थित प्रतिष्ठित आवासीय परिसर डिडवानिया रिजेंसी की धर्मप्रेमी महिलाओं ने आज 24 अगस्त को बड़े ही धूमधाम से हलषष्ठी का पर्व मनाया। इस पर्व को कमरछठ भी कहते हैं। इस पर्व पर माताएं अपने संतान की दीर्घायु और कुशलता की कामना के लिए व्रत रखती हैं। डिडवानिया रिजेंसी समिति की सचिव श्रीमती गुरुदेवी वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि, इस आवासीय परिसर की धर्मप्रेमी महिलाओं द्वारा सामूहिक रूप से एकत्रित होकर कमरछठ का त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया गया जिसमें बड़ी संख्या में कॉलोनी की महिलाएं सम्मिलित हुई।

अमित शाह नक्सलवाद पर राजनीति कर रहे - कांग्रेस

रायपुर। नक्सलवाद के मामले में देश के गृहमंत्री अमित शाह ने अपने प्रेस कान्फ्रेस में तथ्यों को गलत ढंग से प्रस्तुत किया। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि आंकड़े बताते है कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार के दौरान नक्सली घटनाओं में कमी आई थी। स्वंय अमित शाह ने छत्तीसगढ़ में आकर 5 अप्रैल 2021 को मीडिया में बयान दिया था कि राज्य की भूपेश सरकार और केन्द्र सरकार ने मिलकर नक्सलवाद को पीछे खदेड़ दिया है। राज्य में नक्सली घटनाओं में 80 प्रतिशत तक की कमी आई है। अमित शाह के सामने आरपीएफ के डीजीपी ने कहा था छत्तीसगढ़ में नक्सलवादी पैकअप की ओर है। आज गृह मंत्री की कांग्रेस सरकार के प्रयासों पर ऊँगली उठा रहे। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कांग्रेस की सरकार बनने के बाद विश्वास विकास सुरक्षा के मूल मंत्र से नक्सलवादी घटनाओं और नक्सलवाद पर कमी आई थी। कांग्रेस की सरकार के समय दूरस्थ क्षेत्रों में कैंप बनाये गये पहुंच मार्ग बनाये गये। अबूझमाड़ में दो पुल बनाया गया। 300 से अधिक स्कूलों को खोला गया, राशन दुकान, अस्पताल खोला गया, 67 से अधिक वनोपजों की खरीदी की गयी।

आदिवासी समाज की संस्कृति अन्य समाज के लिए आकर्षण का केंद्र : वर्मा

रायपुर। आदिवासी समाज की संस्कृति, रहन-सहन, वेशभूषा, खान-पान सब बिलकुल सहज और सरल है। यह समाज सादगी पसंद और मेहनतकश है जो जल, जंगल और जमीन का रक्षक, प्रकृति की गोद में खेलने वाला तथा उसकी रक्षा करने वाला है। आदिवासी समाज की सहज और सरल संस्कृति अन्य समाज के लिए आकर्षण का केंद्र है। इस आशय के उद्गार राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने बलौदाबाजार के नगर भवन में सर्व आदिवासी समाज द्वारा आयोजित विश्व आदिवासी के अवसर पर व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि समाज अब शैक्षणिक, व्यापारिक सहित सभी क्षेत्रों में अन्य समाज के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सपनें को साकार करने की दिशा में विष्णु देव सरकार द्वारा आदिवासियों के लिये अनेक योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। आदिवासी समाज की तरक्की से देश के विकास में गति आएगी। बुनियादी सुविधाएं आदिवासी समाज तक पहुँचाया जा रहा है।

फोर्सली रिटायर आईपीएस सिंह के पक्ष में हाईकोर्ट का फैसला

रायपुर। दिल्ली हाईकोर्ट ने फोर्सली रिटायर किए गए आईपीएस अधिकारी और पूर्व एडीजी जीपी सिंह के पक्ष में कैट (सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल) के फैसले पर मुहर लगा दी है। इस निर्णय के बाद जीपी सिंह की पुलिस विभाग में जल्द ही बहाली होने की संभावना है। जीपी सिंह, जो 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं, को राज्य सरकार की सिफारिश पर केंद्र सरकार ने जबरन सेवानिवृत्ति (फोर्सली रिटायरमेंट) देने का आदेश दिया था। इस आदेश के खिलाफ सिंह ने कैट में याचिका दाखिल की थी, जिसमें कैट ने 30 अप्रैल को उनके पक्ष में फैसला सुनाया था। अब दिल्ली हाईकोर्ट ने इस फैसले को सही ठहराया है, जिससे सिंह की वापसी का रास्ता साफ हो गया है। जीपी सिंह के खिलाफ 5 जुलाई 2021 को आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में कार्रवाई की गई थी। इसके तीन दिन बाद, 8 जुलाई 2021 को, उनके खिलाफ कोतवाली थाना में राजद्रोह का मुकदमा दर्ज किया गया। राजद्रोह का मुकदमा दर्ज होने के अगले दिन, 9 जुलाई 2021 को सिंह ने बिलासपुर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ लगे आरोपों को राजनीतिक प्रताड़ना का मामला बताया।

राजधानी में दिव्यांग बच्चों के लिए खुलेगा विशेष स्कूल

रायपुर। सांसद बृजमोहन अग्रवाल की अध्यक्षता में शनिवार को छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद कार्यकारिणी की बैठक हुई।

जिसमे राजधानी रायपुर में दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष स्कूल खोलने पर चर्चा हुई। बृजमोहन अग्रवाल ने बताया यह स्कूल सप्रे स्कूल में ही खोला जाएगा। जहां फिलहाल परिषद, स्पीच थेरेपी सेंटर का संचालन कर रहा है। स्कूल के लिए कमरों की भी अनुमति मिल गई है और जल्द ही आगे की कार्यवाही शुरू हो जाएगी। इस स्कूल के खुलने से दिव्यांग बच्चों और उनके परिजनों को काफी राहत मिलेगी। बता दें कि बृजमोहन अग्रवाल छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद के अध्यक्ष है। परिषद राज्य में बालक-बालिकाओं के कल्याण के लिए निरंतर कार्यरत है और स्वास्थ्य, शिक्षा, बाल अधिकारों की सुरक्षा और उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं एवं कार्यक्रम का संचालन कर रहा है। बैठक में उपाध्यक्ष डॉ अशोक त्रिपाठी, डॉ कमल वर्मा, महासचिव चंद्रेश शाह, कोषाध्यक्ष श्रीमती इंदिरा जैन, संयुक्त सचिव भूपेंद्र कोटारिया, राजेंद्र निगम, कार्यकारिणी सदस्य नथमल कोठरी उपस्थित रहे।

बैगानी भाषा सम्मेलन का सफलता पूर्वक समापन

बैगा जनजाति औषधीय ज्ञान के संरक्षक - धर्मेन्द्र पारे

रायपुर। तृतीय सत्र जो बैगा जनजाति और जीवन शैली पर केंद्रित रहा,इसमें सर्वप्रथम आलेख दुलार योताम कल्लू के द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसमें उन्होंने बैगाओं के पारिवारिक गीत के ऊपर अपना वक्तव्य रखा जिसमें बैगा जनजाति के संस्कृति की झलक देखने को मिला। तत्पश्चात श्रीमती लहरी बाई के द्वारा बैगा जनजाति के खान-पान पर प्रकाश डाला गया। इस क्रम में जेहर सिंह ओदरिया के द्वारा बैगा जनजाति के संस्कारों के ऊपर व्यापक जानकारी साझा किया गया द्य अध्यक्षीय उद्बोधन में विजय चौरसिया ने समस्त वक्ताओं का विवेचनात्मक सार प्रस्तुत किया। चतुर्थ सत्र बैगा संस्कृति पर आधारित था, इसमें राकेश चंदेल के द्वारा बैगा संस्कृति के इतिहास पर आलेख पाठ किया गया, जिसमें बैगा संस्कृति के तत्व समाहित रहे। वहीं साधु राम जमोरिया द्वारा बैगा मान्यताएं एवं वेशभूषा के ऊपर वृहद जानकारी साझा

किया गया। इस क्रम में गोपी कृष्ण सोनी के द्वारा बैगा पर्व एवं त्यौहार पर महत्वपूर्ण जानकारी मंच से साझा किया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन में श्रीमती शिखा पतिदार ने समस्त वक्ताओं का समीक्षात्मक सार प्रस्तुत किया। पंचम सत्र बैगानी लोक साहित्य पर केंद्रित रहा जिसमें आलेख पाठ श्री विजय चौरसिया के द्वारा बैगानी के वाचिक महाकाव्य पर केंद्रित उद्बोधन रहा। इसके पश्चात श्री दयाराम राठुडिया के द्वारा बैगा लोकगीत पर वक्तव्य के साथ लोकगीत प्रस्तुत हुआ जिसमें बैगा संस्कृति की झलक देखने मिली। अगले क्रम में सुश्री स्वाति आनंद के द्वारा बैगा जनजाति की समीक्षात्मक रेखा चित्र प्रस्तुत किया गया, जिससे बैगा जनजाति की संस्कृति को समझने में बल मिला। वहीं अध्यक्षीय उद्बोधन में धर्मेंद्र पारे के द्वारा बैगा जनजाति की अपनी व्यक्तिगत अनुभूति साझा करते हुए समस्त वक्ताओं का सार प्रस्तुत किया गया। छठवां सत्र में सर्व प्रथम श्रीमती सीखा पतिदार के द्वारा आलेख पाठ किया गया, इसके पश्चात श्री झामलाल रसिया के द्वारा बैगा जनजाति के गोदना कला पर अपना वक्तव्य रखा गया जिसमें गोदना का स्वास्थ्य से संबंध होने की जानकारी दी गयी। अगले क्रम में लाखन लाल ओदरिया द्वारा बैगा लोक कला पर विस्तार से वक्तव्य दिया गया। इस कला में युवा गीत एवं परम्परा केंद्र में रहा। अध्यक्षीय उद्बोधन में राकेश चंदेल द्वारा समस्त वक्ताओं का समीक्षात्मक सार प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के समापन के अवसर पर उप सचिव साहित्य अकादेमी एन, सुरेश बाबू ने भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के महत्व एवं मानवीय जीवन में इसकी उपयोगिता को रेखांकित करते हुए समस्त अतिथियों एवं आयोजक मंडल की प्रशंसा की एवं आभार व्यक्त करते हुए कहा की इस तरह के आयोजन से युवा पीढ़ी को प्रेरणा प्राप्त होगी।

सतनामी समाज की न्याय की लड़ाई में बाधा बन रही कांग्रेस : गुरु खुशवंत

रायपुर। भाजपा विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेस के प्रदर्शन को अराजकता फैलाने के लिए किया जा रहा प्रलाप बताया है। गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि दरअसल बलौदाबाजार के हिंसक घटनाक्रम में निरे एक प्यादे प्रतीत हो रह देवेन्द्र यादव की गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेस के पूरे ईको सिस्टम की बौखलाहट यही है कि उसका सारा षड्यंत्र पर्दाफाश हो जाएगा और इसलिए इस तरह की फ्लॉप सियासी नौटंकियों के जरिए कांग्रेसी प्रदेश की जनता का ध्यान भटकाने की नाकाम कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस सतनामी समाज के न्याय की लड़ाई के बाधा बन रही है,यह शर्मनाक कृत्य है।

गुरु खुशवंत ने कहा कि एक ऐसा व्यक्ति, जिसने सफेद झंडे का अपमान किया, जो सतनामी समाज की भावनाओं को आहत करने वालों को प्रेरित करने का आरोपी है, ऐसे आरोपी का साथ देकर कांग्रेस सतनामी समाज के न्याय की लड़ाई में बाधा बन रही है। समाज की भावनाओं को आहत कर रही है और हमेशा से कांग्रेस ने कभी यह नहीं चाहा कि सतनामी समाज को कभी न्याय मिले। ऐसे संवेदनशील विषयों पर आरोपियों का साथ देना कहीं-न-कहीं ऐसे गंभीर मामलों में संलिप्तता दिखता है , कांग्रेस जो कर रही है। उसे लगता है कि देवेंद्र यादव को समर्थन देना उसकी मजबूरी है।

शायद सभी लोग इस घिनौने काम में लिप्त हैं। गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि अगर कांग्रेस संविधान को हाथ में लेकर घूमती है.और संविधान को मानती है तो न्यायिक प्रक्रिया का सामना करने से क्यों डरती है?

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.